जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

# राष्ट्रदूत

अजमेर

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

अजमेर, शनिवार 26 अक्टूबर, 2024

# गहलोत सरकार के जाने के ग्यारह महीने बाद अभी भी उस सरकार की बात करने की इतनी उत्कंठा क्यों?

***सरकारी तंत्र, सरकारी प्रशासन ''लाइन ऑफ कमाण्ड'' (आदेशों की श्रृंखला) के मार्फत काम करता है। जिला स्तर पर, उदाहरण के लिए पुलिस तंत्र में एस.पी., एडिशनल एस.पी., थानाधिकारी आदि की श्रृंखला होती है। गहलोत ने विधायक को प्रशासन की धुरी बनाकर यह ''लाइन ऑफ कमाण्ड'' तोड़ दिया था और, सभी स्तर के कर्मचारी केवल विधायक की ओर देखने लगे अगले आदेश की प्रतीक्षा में। वरिष्ठता केवल ''अलंकार'' बनकर रह गयी, उसका प्रशासनिक महत्व लगभग खत्म हो गया। इस प्रशासनिक अराजकता से बचने के लिए, पुराने मुख्यमंत्री, कम से कम भैरोंसिंह शेखावत तक, विधायकों की, अफसर की ट्रांसफर-पोस्टिंग की मांग पर दो टूक जवाब देते थे, ''तुम्हारे कहने पर अफसर तो हटा देता हूँ, पर उसकी जगह किसे लगाऊं यह मैं ही निर्णय लूंगा।'' मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने ट्रांसफर पोस्टिंग का पूरा अधिकार विधायक को ही दे दिया था, इससे प्रशासनिक अराजकता तो फैलनी ही थी। पुराने मुख्यमंत्रियों ने तो प्रशासनिक अराजकता को फैलने से रोकने के लिए कुछ नीतियां-रीतियां बनाईं, लेकिन, गहलोत ने इस अराजकता को सींचने के लिए, पनपाने के लिए, बांध के सब गेट खोल दिये थे। नारा था, प्रशासनिक अराजकता जाए भाड़ में, लेकिन, मेरी सल्तनत सुरक्षित बनी रहे। सरकारी व प्रशासनिक संस्थानों की तोड़-मरोड़ की गूंज ग्यारह महीने बाद भी सुनी जा सकती है। और भ्रष्टाचार के इस पहिए को थमने और पलटने में ना जाने कितने वर्ष लगेंगे।***

राजेश शर्मा
प्रधान सम्पादक
राष्ट्रदूत

लगभग साल भर पहले, राष्ट्रदूत ने रॉ के पुराने चीफ, ए.एस. दुलत साहब की नई किताब ''लाइफ इन द शैडोज़'' पर एक ''बुक इवैंट'' (पुस्तक पर गहन चर्चा) आयोजित किया था। दुलत साहब राजस्थान कैडर के आई.पी.एस. अफसर थे, पर अधिकतर दिल्ली में केन्द्रीय सरकार की विभिन्न एजेन्सियों, जैसे आई.बी., रॉ आदि में ''पोस्टेड'' रहे, अतः उनके लिए आयोजित ''इवैंट'' काफी रोचक व ''पॉपुलर'' रहा, विशेषकर, राजस्थान पुलिस उच्चाधिकारियों में। ''वर्ड ऑफ माउथ'' से इवैंट दिल्ली के ''इन्टैलिजैन्स सर्किल'' में भी काफी चर्चित रहा। दिल्ली के जिमखाना क्लब में मेरी जब भी ''इन्टैलिजैन्स ऑफिसरों'' से मुलाकात व चर्चा हुई, तो उनके सभी पुराने साथियों ने ''दुलत साहब'' की किताब को ''हाइ लाइट'' करने को सतही तौर पर काफी सराहा पर मुझे महसूस हुआ, कि, इस सर्किल में दुलत साहब की किताब को लेकर थोड़ी सी ''अनईज़ीनैस'' (बेचैनी सी) भी है।

रॉ के एक रिटायर्ड वरिष्ठतम अधिकारी से, जिसे कालान्तर में थोड़ा मैं गहराई से जानने लगा, एक शाम को अपनी इस ''अनईज़ीनैस'' के अहसास को मैंने शेयर किया और इस अनईज़ीनैस का कारण जानने की कोशिश की, क्योंकि ''बुक इवैंट'' के बाद मैंने दुलत साहब से बातचीत में पूछा था ''आपने किताब तो बहुत पठनीय व रोचक लिखी, पर कहीं पुस्तक के कारण आप दिक्कत में नहीं आ जाओ, ''ऑफिशियल सीक्रेट्स'' आदि में। दुलत साहब ने एक तरह से ताल ठोकते हुए कहा, मेरे खिलाफ ''ऑफिशियल सीक्रेट्स'' का कोई मामला नहीं बन सकता, क्योंकि मैंने तो किताब में केवल उन जानकारियों का उल्लेख किया, जो ''पब्लिक डोमेन'' में हैं, (सार्वजनिक तौर पर ''फ्रिली'' उपलब्ध हैं)।

''रॉ'' के अधिकारी ने सकुचाते हुए कहा कि दुलत साहब सही कह रहे हैं, जानकारियां ''फ्रीली'' उपलब्ध तो हैं, पर कहीं भी पुस्तक के रूप में नहीं छपीं। अतः ये जानकारियां, ''संदिग्ध'' सी भी हैं, आम जनता के लिए, कुछ कोहरे से में हैं। पर, दुलत साहब ने, जो हमारे पूर्व चीफ थे, इन्हें पुस्तक के रूप में, छापकर, इन जानकारियों को ''ऑथैन्टिकेट'' कर दिया (सत्यापित कर दिया) सारे कोहरे हटा दिए। यह बात थोड़ी सी ''अनईज़ीनैस'' पैदा करती है।

यही स्थिति ''करप्शन'' के बारे में भी है। शायद अनादिकाल से प्रशासन में, सरकारों में, थोड़ा बहुत करप्शन रहा है। पर सरकार व समाज उस पर ''कम बेसी'' नियंत्रण रखता आया है। पर, समाज को प्रशासन को भ्रष्टाचार मुक्त नहीं कर पाया। इसीलिए अक्सर कहा जाता है, भ्रष्टाचार को डाइबीटीज़ की भांति ''परमिसेबल लिमिट्स में'' (अहानिकारक परिधि में) तो सीमित रखा जा सकता है, पर प्रशासन को भ्रष्टाचार मुक्त नहीं किया जा सकता।

गहलोत के शासन ने इस ''करप्शन'' को सरकारी मान्यता दी, प्रतिष्ठित किया, व्यवस्थित किया, सिस्टम का हिस्सा बना दिया। अफसरों को और सरकारी मशीनरी को यह नारा देकर, कि स्थानीय विधायक ही अपनी ''कॉन्स्टिट्युएंसी'' (चुनाव क्षेत्र) का मुख्यमंत्री है। उसकी ही चलेगी, और सरकारी मशीनरी उस को समर्थन/सहयोग दे। इस नई व्यवस्था में सरकारी ''इन्स्टीट्यूशन'', (प्रशासन) की परम्पराएं शून्य, प्रभावहीन तो होनी ही थीं और यहीं से खाओ और खाने दो की ही नहीं, बल्कि खाना जायज़ है, की व्यवस्था बैठाई गई। यह सिस्टम कैसे बना इसकी डीटेल चर्चा आगे करेंगे, किंतु ''करप्शन'' इतना, बेधड़क, खुल्लम-खुल्ला होने लगा, कि सचिवालय में सरकारी अलमारी में ''रिश्वत'' का सोना व रुपये पकड़े गये, पर जांच की औपचारिकता ही पूरी की गई। ''नैट रिज़ल्ट'', यह विश्वास बन गया, कि इसी व्यवस्था का हिस्सा बनें अन्यथा कर्मचारी का भविष्य नहीं है। । प्रशासनिक ''इन्स्टिट्यूशन्स'' को इतना दीमक लगा कि अब शायद कई दशक लगेंगे, करप्शन को ''परमिसेबल लिमिट्स'' में लाने के लिए। यह ''परमानैन्ट देन'' है गहलोत के प्रशासन की। और, यह ''गिफ्ट'' गहलोत बार-बार देना चाहेंगे। क्योंकि उनके मन में कहीं भी कुछ ग्लानि नज़र नहीं आती कि, उन्होंने राज्य में प्रजातंत्र की जड़ें उखाड़ कर फैंक दी हैं। वे मन से विश्वास करते हैं, कि राजा ही तो राज्य है, अतः किसी भी तरह, राजा को बनाये रखना, सुरक्षित रखना ही ''राजधर्म'' है। उनके मन में शायद एक ही अफसोस है, कि पुनः मुख्यमंत्री नहीं बन पाये। वे इसके लिए, रणनीति के क्रियान्वन में कमी को ही हार का कारण मानते हैं। ''करप्शन'' को राज धर्म बनाने के मूल सिद्धांत को कतई बुरा नहीं मानते।

पर, इस विवरण के बाद में भी यह प्रश्न अनुत्तरित सा ही रह गया है, कि अब इस समय उनकी सरकार के जाने के ग्यारह महीने बाद भी निवर्तमान मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के बारे में बात करने की उत्कण्ठा क्यों है? इस संदर्भ में रामायण का वह प्रसंग स्मरण हो आता है, जब युद्ध के दौरान राम के बाणों की बारिश से घायल होकर रावण मूर्छित हो गया था और उनके सारथी ने उनके रथ को लंका में ले जाने के लिए मोड़ा था, उस समय लक्ष्मण, घायल लंकेश को खत्म करने के लिए तत्पर और तैयार थे। राम ने लक्ष्मण को रोका और कहा, रावण कोई साधारण शत्रु नहीं है, जिसे जैसे-तैसे भागते हुए घायल तथा मूर्छित अवस्था में मार कर, विजय हासिल करना पर्याप्त है। इसी संदर्भ में राम ने आगे कहा कि यह युद्ध धर्म को स्थापित करने के लिए लड़ा गया है, राज्य पाने के लिए नहीं। रावण अधर्म का प्रतीक है, उसे सबके सामने युद्ध करके और पराजित करके मारना जरुरी है। जिससे यह सदा के लिये साबित हो जाये कि अधर्म के रास्ते पर चलकर फरेब से, छल से, चाहे कोई सोने की लंका तो बना ले, पर इसका अन्त अशुभ और विध्वंसकारी ही होता है। राम के कहने का आशय था कि रावण कोई चिन्दी चोर नहीं था, जिसे रात के अंधेरे में गिरफ्तार कर दण्ड देना पर्याप्त है।

किसी भी मायने में गहलोत भी कोई चिन्दी चोर नहीं थे। अतः उन्हें भी चुनाव में हरा देना काफी नहीं है। उनकी हार पर चर्चा करना जरुरी है, क्योंकि, कई मायनों में तो वह ''युग पुरुष'' थे, जिसने सरकार की, प्रशासन की परिभाषा ही बदल दी, अपने कार्यकाल में।

अशोक गहलोत ने अपने कार्यकाल में भ्रष्टाचार और रिश्वत खोरी को ''इन्स्टिट्यूशनलाइज़'' कर दिया। यानी सरकारी सिस्टम का ''जायज़'' हिस्सा बना दिया, यह नारा देकर कि विधायक ही अपने क्षेत्र का मुख्यमंत्री है। ऑन द ग्राउण्ड यह प्रतिलक्षित हुआ, और उसका एक मूल उदाहरण जयपुर के नज़दीक कस्बा-ए-कोटपुतली में देखने को मिला। जहां नैशनल हाई-वे से जुड़ी रोड को ''तथाकथित'' सरकारी मापदण्ड के अनुसार चौड़ा करने और अस्थायी अतिक्रमण को हटाने के लिए लगभग 150 घरों और दुकानों की भारी तोड़-फोड़ की गई। कइयों के पास खेतड़ी राज के पट्टे मौजूद थे, अन्य के पास निगम द्वारा स्वीकृत व पास किये गये नक्शे थे। पर, न्याय के लिए कहाँ गुहार की जाये, क्योंकि स्थानीय प्रशासन के लिए तो विधायक उस क्षेत्र का ''घोषित मुख्यमंत्री'' था। पीड़ित जनता ने न्यायालय से आदेश प्राप्त किये पर जनता यह भूल गई कि न्यायालय के आदेश भी अंततोगत्वा प्रशासन ही लागू कराता है।

गहलोत के राज के जाने की वजह उनकी सोच, ''फिलॉसफी'' का सुनियोजित, सटीक क्रियान्वन था। अभाव था या कमी थी तो नैतिक मूल्यों की, स्वस्थ प्रजातंत्रीय फिलॉसफी की, जिसमें शासन की धुरी होती है जनता, न कि राजा, क्योंकि, राजा की बेलगाम महत्वाकांक्षा का खामियाज़ा जनता उठाती है और जनता में आक्रोश फैलता है, और इसी आक्रोश की वजह से गहलोत की हार हुई, उनकी सत्ता गई। रावण की भांति, केवल गहलोत को हराना ही पर्याप्त नहीं, क्योंकि हार-जीत तो राजनीति का अंग है। गहलोत की हार उस ''फिलॉसफी'' की हार है, जिसमें जनता केवल एक आंकड़ा होती है, और वो ही जीतता है, जो आकड़ों की गणित का सही ''कॉम्बिनेशन'' (संतुलन) बिठा लेता है। गहलोत की इस ''फिलॉसफी'' की अपूर्णता पर चर्चा करना और असार्थकता बताना जरूरी है। यह ही उस उत्कण्ठा के मूल में है, कि गहलोत के सत्ताच्युत होने के ग्यारह महीने बाद भी गहलोत के बारे में बात करने के लिए बेचैनी रहती है, क्योंकि गहलोत शासन प्रणाली की ''फिलॉसफी'' की दुर्बलता, निर्बलता और कुरूपता को समझे और समझाये बिना गहलोत को केवल चुनाव में हरा देना वैसा ही है, जैसे कि घायल मूर्छित रावण को रात के अंधेरे में मार देना, जिसे राम ने वर्जित किया था। उस वध में, राजा की मृत्यु से जनित अवसाद में, रोने-धोने में, उस समय की मान्यता व सभ्य समाज के तौर तरीकों से परिभाषित अधर्म, पाप-फरेब आदि की अवांछनीयता दब जाती, उभर कर सामने नहीं आती और राम के वनवास का अघोषित उद्देश्य अपूर्ण रहता।

गहलोत जन आक्रोश की आंधी के कारण हार गये, यह तथ्य महत्वपूर्ण है, पर इससे भी ज्यादा जरूरी है, जनता गहलोत द्वारा प्रतिपादित शासन प्रणाली को जाने व पहचाने, जिसने हमारे प्रजातंत्र को इतना विकृत बनाया। इतना भयावह व डरावना बनाया।

जिस बेशर्मी से, निर्दयता से, भ्रष्टाचार पनपाया गया, इतनी बेशर्मी, क्रूरता पहले कभी नहीं देखी गई। जायज़-नाजायज़ काम की कुंजी पैसा हो गयी। सरकारी महकमे ''कलैक्शन केन्द्र'' बन गये और हर सक्षम अधिकारी व जनप्रतिनिधि ''कलैक्शन एजेन्ट''। पुरानी लोकोक्ति थी, ''बर्बाद गुलिस्तां करने को एक ही उल्लू काफी है'', पर गहलोत ने तो हर डाल पर चुन-चुन कर हर स्तर पर ''उल्लू'' बिठा दिया, और साथ में ''फ्रीडम'' दे दी कि ''कमाओ और खाओ'' का सिद्धान्त पूर्णतया स्वीकार्य है। डर, इस बात का है, कि हर स्तर पर ''उल्लुओं'' को खून मुंह लग गया है, पांच साल में। अब यह ''सिस्टम'' ठीक होने में कई दशक लगेंगे, और जनता ही इसे ठीक कर सकती है, ''बुद्धिमानों'' का भाषण नहीं। मन में उत्कण्ठा गहलोत के बारे में बात करने की इसलिए रहती है कि, जनता पूरी तरह समझ ले कि ''सिस्टम'' को क्या हानि हुई। क्योंकि गहलोत के सोच व कार्य प्रणाली का एक और अनुभव शायद राजस्थान का प्रजातंत्र नहीं झेल पायेगा।

सन् 1989 की बात है, अशोक गहलोत जोधपुर से लोकसभा चुनाव लड़ रहे थे उनके आग्रह पर मैं चुनाव कवर करने जोधपुर गया था। आर.टी.डी.सी. के होटल घूमर में ठहरा था। अशोक गहलोत का मैसेज आया, जोधपुर के उद्योगपति घेवर चन्द कानूनगो ने शहर के बड़े-बड़े व्यापारियों को नाश्ते पर बुलाया है, गहलोत भी रहेंगे, आप भी आईये, अच्छी ''न्यूज़'' मिलेगी। नाश्ते के बाद कानूनगो ने 150-200 बड़े आमंत्रित

**रॉ के पूर्व चीफ दुलत साहब की किताब पर पुलिस के उच्चतम क्षेत्र में ''अनईज़िनैस'' थी, कि उन्होंने वो सब लिख दिया जो लोगों को मालूम तो था पर विश्वसनीयता संदिग्ध थी। किताब ने सब बातों को सत्यापित कर दिया। यही बात ''करप्शन'' को लेकर है। सब जानते थे कि थोड़ा करप्शन तो होता ही है, पर गहलोत ने विधायक को कॉन्स्टिट्युएंसी का मुख्यमंत्री बताकर करप्शन को सरकारी मान्यता दे दी। करप्शन इतना बेधड़क, खुल्लम-खुला होने लगा कि सचिवालय में सरकारी अलमारी में ''रिश्वत'' का सोना व रुपये पकड़े गये, पर जाँच की औपचारिकता ही पूरी हुई।**

**जिस बेशर्मी से, निर्दयता से, भ्रष्टाचार पनपाया गया, इतनी बेशर्मी, क्रूरता पहले कभी नहीं देखी गई। जायज़-नाजायज़ काम की कुंजी पैसा हो गयी। सरकारी महकमे ''कलैक्शन केन्द्र'' बन गये और हर सक्षम अधिकारी व जनप्रतिनिधि ''कलैक्शन एजेन्ट''।**

**एक उदाहरण जयपुर के नज़दीक कोटपूतली कस्बे का है। वहाँ ''तथाकथित'' सरकारी मापदण्ड के अनुसार रोड चौड़ी करने के लिए 150 घरों व दुकानों में भारी तोड़फोड़ की गई। कइयों के पास खेतड़ी राज्य के पट्टे मौजूद थे, अन्य के पास नगर पालिका द्वारा स्वीकृत नक्शे थे। पर स्थानीय प्रशासन के लिये विधायक क्षेत्र का ''घोषित मुख्यमंत्री'' था। पीड़ित जनता ने न्यायालय से भी आदेश प्राप्त किये, पर न्यायालय के आदेश भी तो अंततोगत्वा प्रशासन ही लागू करता है।**

**सन् 1989 के लोकसभा चुनाव प्रचार के दौरान जोधपुर वासी जिस भी काम के लिए कहते, उनका जवाब होता था, ''यह स्थानीय मामला है, कोई दिल्ली का काम हो तो बताओ'' तंग आकर एक आदमी ने हज़ार रुपये का नोट निकाल कर दिया और कहा, ''दिल्ली के चांदनी चौक में बाबा छाप ज़र्दे का तम्बाकू मिलता है, अगली बार दिल्ली से आयें तो दो डिब्बे लेते आइयेगा।''**

**गहलोत के मन में कहीं भी कुछ ग्लानि तक नहीं आती कि उन्होंने राज्य में प्रजातंत्र की जड़ें उखाड़कर फेंक दीं। वे मन से विश्वास करते हैं कि राजा को बनाये रखना ही राजधर्म है। करप्शन को राजधर्म बनाने के मूल सिद्धान्त को वे कतई बुरा नहीं मानते। उनकी सरकार जाने के ग्यारह माह बाद गहलोत के बारे में बात करने की उत्कंठा क्यों है? इस संदर्भ में रामायण का प्रसंग याद आता है। जब मूर्छित रावण को उनका सारथी लंका वापस ले जा रहा था, लक्ष्मण घायल रावण को खत्म करने के लिए तत्पर थे। राम ने उन्हें रोका और कहा कि रावण को सबके सामने युद्ध में पराजित करके मारना जरूरी है, ताकि यह साबित हो जाए कि अधर्म के रास्ते चल कर, फरेब से, छल से चाहे कोई सोने की लंका बना ले, उसका अन्त अशुभ व विध्वंसकारी होता है।**

**गहलोत जन आक्रोश की आंधी के कारण हार गये, यह तथ्य महत्वपूर्ण है, पर इससे भी ज्यादा जरूरी है, कि जनता गहलोत द्वारा प्रतिपादित शासन प्रणाली को जाने व पहचाने जिसने हमारे प्रजातंत्र को इतना विकृत बनाया।**

**सन् 1989 के लोकसभा चुनाव में गहलोत की जोधपुर से हार, इतिहास में एक मनोरंजक ''फुट नोट'' बनी। पर ग्यारह महीने पहले गहलोत के नेतृत्व में लड़े गये विधानसभा चुनाव में हुई हार ''फुट नोट'' नहीं, बल्कि देश के प्रजांतत्रीय इतिहास में एक ''काले युग'' के अंत के रूप में उल्लिखित रहेगी।**

**पुरानी लोकोक्ति थी, ''बर्बाद गुलिस्तां करने को एक ही उल्लू काफी है'', पर गहलोत ने तो हर डाल पर चुन-चुन कर हर स्तर पर ''उल्लू'' बिठा दिया, और साथ में ''फ्रीडम'' दे दी कि ''कमाओ और खाओ'' का सिद्धान्त पूर्णतया स्वीकार्य है।**

**गहलोत के तीसरे कार्यकाल में, भ्रष्टाचार की चरम सीमा की पृष्ठभूमि में अतिरिक्त मुख्य सचिव स्तर के एक कार्यरत अफसर ने मित्रतापूर्ण ढंग से मुस्कुराते हुए इन हालात के सन्दर्भ में कहा, ''आप सरकार से गलत समय लड़ लिये, यह लड़ने का नहीं कमाने का समय था। कोई सा भी प्रोजेक्ट ले जाइये मुख्यमंत्री के पास, प्रोजेक्ट पर चिन्तन, उससे लाभ की चर्चा नहीं होती, केवल यह पूछा जाता है, तुम्हें कितना लाभ होगा और उसमें ''हमारी'' क्या हिस्सेदारी होगी।''**

CMYK

# ........इतनी उत्कंठा क्यों?

> **तो आज गहलोत के पदच्युत् होने के ग्यारह महीने बाद क्यों गहलोत के व्यक्तित्व पर लिखने की उत्कण्ठा हुई। उत्कण्ठा का कारण था, कि अगर जनता समय से नहीं जागती और गहलोत की शासन प्रणाली को समय की पुकार मानते हुए स्वीकार कर लिया जाता, तो यह स्थापित हो जाता कि जनता तो बेमायने है, हार जीत नारों की विविधता पर निर्भर करती है, नारों के क्रियान्वन पर नहीं।**

***गहलोत ने अपने कार्यकाल में सरकार और मीडिया के संबंध को भी अपने फायदे अनुसार तोड़ने-मरोड़ने के लिए हर तरह के हथकंडे अपनाए। ज्यादातर स्थानीय मीडिया को विज्ञापनों का प्रलोभन दिया, वहीं अन्य मीडिया को स्पष्ट कह दिया गया कि ''हमारी न्यूज़ छापो, तभी विज्ञापन मिलेंगे।'' विरोधात्मक सोच रखने वाले 42 पत्रकारों के खिलाफ गंभीर आरोप लगाते हुए एफ.आई.आर. भी दर्ज की गई थी। जो मीडिया गहलोत से कृतार्थ थी उसने बेधड़क और बिना सूझ-बूझ के वॉट्सएप पर प्रसारित की जा रही फोन-टैपिंग की रिकॉर्डिंग प्रकाशित की, और जाने अनजाने में स्वयं को भी इस राजनैतिक षड्यंत्र का भागीदार बना लिया। क्योंकि गहलोत के मित्र और पार्टी व्हिप महेश जोशी ने इन प्रकाशनों की बिसात पर ही पायलट व उनके गुट के खिलाफ देशद्रोह जैसे गंभीर आरोप लगाते हुए एफ.आई.आर. दर्ज कराई थी।***

> **मुख्यमंत्री गहलोत में मॉरल (नैतिक) वैल्यू सिस्टम का अभाव, सुप्त अन्तरात्मा, असहाय व मजबूर-सी अफसर शाही, नारे गढ़ने में मास्टरी, आदि, आदि, कारणों ने एक साथ मिलकर पूरे सरकारी ढांचे, प्रशासनिक तंत्र को छकझोर दिया, इतना कि अब उसे पटरी पर आने में कई दशक लगेंगे।**

व्यापारियों को सम्बोधित करते हुए कहा, अपने अशोक जी एक बार फिर एम.पी. का चुनाव लड़ रहे हैं, अपनी ड्यूटी बनती है, कि तन, मन, धन से पूरा सहयोग करें।

पर उल्लेखनीय बात यह है, कि इस भारी (तन,मन, धन के) समर्थन के बावजूद गहलोत वह चुनाव हार गये थे, जसवन्त सिंह के सामने।

गहलोत यह चुनाव हारेंगे, इसका आभास उस वाकये से हो गया था, जो जोधपुर में लोग-बाग चटकारे ले ले कर आज भी सुनाया करते हैं। वाकये के अनुसार, चुनाव व जन सम्पर्क अभियान के दौरान गहलोत शहर के मोहल्लों व कॉलोनियों में जा रहे थे, जनता के शिकवे, शिकायत सुनने के लिए। एक जगह एकत्रित लोगों ने शिकवे सुनाते हुए कहा, ''सड़क बहुत खराब है, चलना मुश्किल हो रहा है।'' गहलोत ने जवाब में कहा, ''यह स्थानीय प्रशासन का मामला है, कोई दिल्ली का काम हो तो बतायें।'' लोगों ने बिजली की कम वोल्टेज और बहुत कम समय के लिए बिजली आने का रोना रोया, तो फिर गहलोत ने वो ही जवाब दिया, ''यह तो आर.एस.ई.बी. का काम है, कोई दिल्ली का काम हो तो बतायें।'' किसी ने लॉ एण्ड ऑर्डर, बढ़ती हुई चोरी-चकारी व गुण्डागर्दी की शिकायत की, पुनः गहलोत की ओर से जवाब मिला, ''यह स्थानीय पुलिस के ''डील'' करने का मामला है, कोई दिल्ली का काम हो तो बतायें।'' तंग आकर एक आदमी ने हज़ार रुपये का नोट निकाल कर दिया और कहा, ''दिल्ली के चांदनी चौक में बाबा छाप जर्दे का तम्बाकू मिलता है, अगली बार दिल्ली से आयें तो दो डिब्बे लेते आइयेगा।'' व्यंगात्मक टिप्पणी में जनता की कुंठा साफ झलक रही थी। गहलोत का वह चुनाव हारना कोई आश्चर्य की बात नहीं थी।

सन् 1989 के लोकसभा चुनाव में गहलोत की जोधपुर से हार, इतिहास में एक मनोरंजक ''फुट नोट'' बनी, जिसे पुराने लोग आज भी तत्कालीन युवा गहलोत के राजनीतिक गुरूर व अपरिपक्वता का प्रतीक मानकर, चटकारे लेते हुए याद करते हैं। पर ग्यारह महीने पहले गहलोत के नेतृत्व में लड़े गये विधानसभा चुनाव में हुई हार ''फुट नोट'' नहीं, बल्कि देश के प्रजांतत्रीय इतिहास में एक ''काले युग'' के अंत के रूप में उल्लिखित रहेगी।

यह हार किसी भी तरह एक युवा मंत्री की नादानी, नासमझी, मासूमियत के उदाहरण के रूप में प्रस्तुत नहीं की जा सकती। क्योंकि, उस सरकार का नेतृत्व एक ऐसा मुख्यमंत्री कर रहा था, जिसकी, सबसे बड़ी ''क्वालिटी'' (गुण) उसकी राजनीतिक कुटिलता व प्रशासनिक अनुभव थे। जिसका मुख्य ध्येय था, गहलोत को मुख्यमंत्री बनाए रखना। जो भी इस ध्येय को प्राप्त करने में मददगार था उसके सौ खून (भ्रष्टाचार के कारनामे) आदि माफ थे, चाहे वो कितना भी भ्रष्ट हो। इस नीति को जायज़ ठहराने के लिए तर्क दिया गया कि, पैसे दिल्ली पहुंचाने पड़ते हैं, तो ''कलैक्शन'' तो करना ही पड़ेगा। आश्चर्य तो यह है कि दिल्ली ने इस स्थिति को कैसे स्वीकार कर लिया। क्योंकि, इस रणनीति से हाईकमान को नुकसान ही नुकसान था। पहला मैसेज यह गया कि, दिल्ली इतनी कमज़ोर है कि क्षेत्रीय क्षत्रप, मनमर्जी से बिना लगाम राज चला रहे हैं। दूसरा निष्कर्ष यह निकला कि हाई कमान को भी इस भ्रष्टाचार की कमाई से कोई परहेज नहीं है। परंतु गहलोत को लाभ ही लाभ था इस व्यवस्था से। एक तो उनका भ्रष्टाचार ''जायज़'' हो गया, दूसरा विधायकों की निष्ठा व वफादारी सौ प्रतिशत गहलोत के प्रति हो गई और गहलोत ही क्यों मुख्यमंत्री रहें, इसे ''जस्टिफाई'' करने के लिए (जायज़ ठहराने के लिए) एक और तर्क दिया गया कि मुख्यमंत्री पद के लिए उनके प्रतिद्वंदी, तत्कालीन उप मुख्यमंत्री व प्रदेशाध्यक्ष सचिन पायलट ''राजद्रोही'' हैं और उनके खिलाफ ''सैडिशन'' (देशद्रोह) का मुकदमा ठोक दिया गया। ''सैडिशन'' के पक्ष में ''सबूत'' दिये गये कि पायलट अपने समर्थक विधायकों के साथ मिलकर भाजपा से हाथ मिलाने वाले थे, गहलोत को मुख्यमंत्री पद से हटाने और कांग्रेस की सरकार गिराने के लिए।

कहानी पुरानी है तथा इससे सब भली-भांति परिचित हैं, तो आज, गहलोत सरकार गिरने के ग्यारह महीने बाद इस घटनाक्रम की चर्चा क्यों चली है, क्योंकि बड़ी मुश्किल से प्रजातंत्र बचा है।

प्रेस को रौब से दबाने की, या प्यार से सुलाने की नैसर्गिक फितरत होती है हर सरकार की, बहुत कम प्रशासन इस प्रवृत्ति से बच पाते हैं। इस प्रवृत्ति के बारे में स्वर्गीय उपराष्ट्रपति कृष्ण कान्त ने ऐसे ही प्रकरण के बारे में राज्यसभा में बड़े सटीक ढंग से कहा था, ''जब आप खबरों के प्रवाह को जनता तक पहुंचने का मार्ग अवरूद्ध करते हैं, तब आप, अपने तक जानकारियां पहुंचने का रास्ता भी ब्लॉक करते हैं।''

> **प्रेस को रौब से दबाने की, या प्यार से सुलाने की नैसर्गिक फितरत होती है हर सरकार की। इस प्रवृत्ति के बारे में स्वर्गीय उपराष्ट्रपति कृष्ण कान्त ने ऐसे ही प्रकरण के बारे में राज्यसभा में बड़े सटीक ढंग से कहा था, ''जब आप खबरों के प्रवाह को जनता तक पहुंचने का मार्ग अवरूद्ध करते हैं, तब आप, अपने तक जानकारियां पहुंचने का रास्ता भी ब्लॉक करते हैं।''**

गहलोत तीन बार मुख्यमंत्री बने, अतः वे अच्छी तरह जानते थे, समझते थे, जनता अपना मन किस तरह और कैसे बनाती है। इस ''प्रक्रिया'' में क्या-क्या ''फैक्टर्स'' काम करते हैं। उनके पास यह जानकारी भी इकट्ठी हो गई थी कि, राजस्थान में कौन-कौन सी जाति/जात कहां-कहां बसती हैं और जाति/जात का राजनीति की दृष्टि से चुनाव में क्या महत्व है। साथ ही लम्बे काल तक दिल्ली में सक्रिय रहने के कारण, पूर्ण आभास था, कि दिल्ली कैसे निर्णय लेती है, प्रदेशों में पार्टी के नेताओं के बारे में। दिल्ली में किसकी चल रही है, माखनलाल फोतेदार की, सीताराम केसरी की, अहमद पटेल की, गुलाम नबी आजाद की या किसी अन्य की। उन्होंने अपने सेक्रेटरी टु. सी.एम., ललित पंवार को, इस पद से हटा दिया था, क्योंकि देर रात को माखन लाल फोतेदार की मां की मृत्यु हो जाने पर पंवार ने उन्हें तुरंत उठाकर यह जानकारी नहीं दी, और सुबह गहलोत को मृत्यु की खबर बताई। गहलोत ने इस घटनाक्रम से उत्पन्न पीड़ा व व्यथा उस समय मेरे साथ शेयर की, जब वे घर आये थे, और नये सेक्रेटरी टु सी.एम. के चयन के बारे बात कर रहे थे। उन्होंने पंवार को हटाने का निर्णय ले तो लिया था, पर उनकी पीड़ा यह थी कि, उन्होंने एक योग्य व लायक एस.सी. अफसर को इतने महत्वपूर्ण पद से हटा तो दिया था, और उन्हें इसका भारी राजनीतिक खामियाजा भुगतना पड़ेगा।

पर, उन्हीं के शब्दों में, वे राजनीतिक दृष्टि से ऐसे ''अपरिपक्व'' अफसर को संवेदनशील पद (सेक्रेटरी टु सी.एम.) पर कैसे रख सकते हैं, जिसे कांग्रेस की राजनीति में माखन लाल फोतेदार का महत्व मालूम नहीं, और जिसने उन्हें यह खबर देने में इतना विलम्ब कर दिया कि वो संवेदना व्यक्त करने के लिए पहुंचने वाला पहला व्यक्ति होने से वंचित रह गये।

> **गहलोत की राजनीतिक सूझबूझ में कोई कमी नहीं थी, पर इस ज्ञान का वे ''सलैक्टिव'', अपनी सुविधा व व्यक्तिगत हित को देखते हुए प्रयोग करते थे और सुविधानुसार, पार्टी का हित, गौण हो जाता था। जब उन्होंने अपने पुत्र को जालौर से टिकट देने का मन बना लिया, उसे राजनीति में स्थापित करने के लिए तो, कलबियों की संख्या का तर्क गौण हो गया। पर जातियां उनके मन के अनुसार गौण या महत्वपूर्ण नहीं हो जातीं, और उनके पुत्र की डेढ़ लाख वोटों से करारी हार हुई।**

एक बार राजस्थान के विधानसभा चुनाव के बारे में बातचीत करते हुए बार-बार वे जालौर से किसी ''कलबी'' को टिकट देने पर जोर दे रहे थे। अन्त में मैंने, जो उस समय तक जालौर जिले के जातिगत विश्लेषण से ज्यादा परिचित नहीं था, पूछा कि ''कलबी'' कौन होते हैं और उनको जालौर से टिकट देने पर, इतना जोर क्यों दे रहे हैं वे। उन्होंने समझाया, कलबी, जाटों जैसी मजबूत खेतहर कम्युनिटी है, जालौर में। पर इस कम्युनिटी को अभी तक किसी पार्टी ने टिकट नहीं दिया है। अतः किसी ''कलबी'' को इस बार यदि कांग्रेस टिकट देती है, तो पश्चिमी राजस्थान के इस क्षेत्र में कई सीटों पर फायदा होगा। उनकी राजनीतिक सूझबूझ में कोई कमी नहीं थी, पर इस ज्ञान का वे ''सलैक्टिव'', अपनी सुविधा व व्यक्तिगत हित को देखते हुए प्रयोग करते थे और सुविधानुसार, पार्टी का हित, गौण हो जाता था। जब उन्होंने अपने पुत्र को जालौर से टिकट देने का मन बना लिया, उसे राजनीति में स्थापित करने के लिए तो, कलबियों की संख्या का तर्क गौण हो गया। पर जातियां उनके मन के अनुसार गौण या महत्वपूर्ण नहीं हो जातीं, और उनके पुत्र की डेढ़ लाख वोटों से करारी हार हुई, जालौर की सीट पर। कलबी ''कम्युनिटी'' को काफी सख्त नाराज़गी थी, ''कलबी'', जो कांग्रेस के परम्परागत वफादार समर्थक रहे हैं, को ''कलबी'' बाहुल्य सीट से, ''कलबी'' का टिकट काट कर, एक बाहरी को, अपने पुत्र को, टिकट देने से।

मेदांता हॉस्पिटल में हुए मेरे छोटे भाई के कैंसर के ''ट्रीटमैंट'' के दौरान एक बात समझ आई। बत्तीस राउण्ड हुए थे रेडिएशन के। एक रेडिएशन के राउण्ड में तीन अलग-अलग पावरफुल रेडिएशन की किरणें, कैंसर ग्रसित गांठ पर एक साथ पहुंचती थीं, तथा ये तीन किरणें एक साथ मिल कर इतनी पावरफुल बन जाती थीं कि कैंसर की गांठ बत्तीस राउण्ड के बाद ''डिज़ॉल्व'' हो गई थी। राजस्थान में सरकारी कामकाज में थोड़ा बहुत भ्रष्टाचार तथा जातिवाद/जातवाद सम्भवतया शुरू से ही रहा है। पर, कुछ परम्पराओं का दबाव, लोक लाज की शर्म, अन्तरात्मा की आवाज़, सरकारी कामकाज की प्रक्रिया से पूर्ण परिचय ना होना, कुछ अफसरों की पढ़ाई व एक्सपोज़र राजनीतिज्ञों से ज्यादा व बेहतर होना, ने एक अंकुश का काम किया। राजनीतिज्ञों और नेताओं को मनमानी करने से रोका। प्रारंभिक दिनों में अधिकतर सरकारी अफसर राजस्थान के रहने वाले नहीं थे, अतः स्थानीय परिस्थितियों से ज्यादा परिचित होने का, जनता की नब्ज़ समझने का नारा दिया नेताओं ने, और धीरे-धीरे अफसरों पर हावी हो गये।

तीन बार मुख्यमंत्री रहने के कारण वे सरकारी प्रक्रिया से काफी सुपरिचित हो गये थे। सिस्टम को कैसे और कितना तोड़ा-मरोड़ा जा सकता है, अपने राजनीतिक हित व स्वार्थ की पूर्ति के लिए, यह खूब समझ गये थे, और किस अफसर को दबाव से, किसको प्रलोभन से, किसको व्यक्तिगत सम्बन्धों से फुसलाकर अपने राजनीतिक स्वार्थ को पूरा करने के लिए उपयोग में लाया जा सकता है, और यह भी कि यदि अफसर फिर भी काबू नहीं आता तो, उसे कहाँ और किस टांड पर रखा जा सकता है, उसके रिटायरमेंट तक। दूसरी ओर दिल्ली पर ''नियंत्रण'' पा लिया, दिल्ली व दिल्ली की ''आवश्यकता'' की पूर्ति करके।

नतीज़ा वो ही हुआ, रेडिएशन से कैंसर के ट्रीटमैंट जैसा। तत्कालीन मुख्यमंत्री गहलोत में मॉरल (नैतिक) वैल्यू सिस्टम का अभाव, सुप्त अन्तरात्मा, असहाय व मजबूर-सी अफसर शाही, नारे गढ़ने में मास्टरी, आदि, आदि, कारणों ने एक साथ मिलकर पूरे सरकारी ढांचे, प्रशासनिक तंत्र को छकझोर दिया, इतना कि अब उसे पटरी पर आने में कई दशक लगेंगे। उदाहरण के लिए, ''फोन टैपिंग'' का प्रकरण एक और महत्वपूर्ण मामला है, जिसे बारीकी से देखा जाना चाहिए। पहले तो ऐसा ''फुलप्रूफ'' सिस्टम तैयार किया गया कि कोई सबूत न रहे कि कोई टैपिंग हुई है। प्रशासनिक व्यवस्था के अनुसार, किसी व्यक्ति का फोन ''टैप'' किया जा सकता है, और अगर टैपिंग की अवधि एक सप्ताह से कम है, तो इस टैपिंग की स्वीकृति के लिए कोई फाइल चलाने की कोई जरूरत नहीं होती। अतः प्रक्रिया यह अपनायी गयी कि पांच-छः दिनों के लिए फोन ''टैप'' किया गया और फिर एक दो-दिन के लिए फोन को ''टैपिंग' की लिस्ट से निकाल दिया गया, और फिर दो दिन बाद पुनः पांच-छः दिन की ''टैपिंग लिस्ट'' में डाल दिया गया।

गृह विभाग के सभी वरिष्ठ अधिकारी इस टैपिंग को सात दिन से ज्यादा जारी करने की स्वीकृति नहीं देते, तीन महीने के बाद इस टैपिंग का सारा रिकॉर्ड नष्ट कर दिया जाता था।

पर प्रदेश में फोन टैपिंग कांड सिर्फ गैर-कानूनी तरीके से की गई जासूसी का ही एक उदाहरण नहीं है, बल्कि राजनैतिक लाभ के लिए कुटिलता से रचित एक ऐसा प्रकरण है जिससे अपने राजनैतिक प्रतिद्वंदियों की विश्वसनीयता को धूमिल करने का एक षड्यंत्र किया गया। गहलोत सरकार के इशारों पर, पायलट और पायलट गुट की छवि धूमिल करने के लिए दो नेताओं की फोन टैपिंग का कुछ अंश पहले ''वॉट्सएप'' पर सरक्युलेट करवाया गया और फिर अखबारों में छपवाया गया। हैरानी की बात है, इन फोन टैपिंग की रिकॉर्डिंग को प्रसारित करने से पहले किसी भी स्थानीय बड़े अखबार या मीडिया हाउस ने फोन टैपिंग की ''जैन्विननैस'' व उद्देश्य पर सवाल नहीं उठाए। पंद्रह दिन के पश्चात् जब यह शोर गुल बिल्कुल ही ठंडा हो गया कि ''पायलट भाजपा में जा रहे हैं'', तब मान-हानि के मुकदमों से डर कर, अखबारों ने यह छाप दिया कि उन्हें फोन टैपिंग की रिकॉर्डिंग मुख्यमंत्री के ओ.एस.डी. ने दी थी। गहलोत का व्यक्तित्व इस बात से उजागर होता है कि एक तरफ उन्होंने फोन टैपिंग का प्रचार-प्रसार करवाया और फिर इस प्रकरण से दूरी बनाए रखने के लिए अपने ही ओ.एस.डी. को निष्कासित किया और पुलिस की जांच झेलने में झोंक दिया।

> **''ट्रांज़ेक्शनरी एप्रोच'' (लेन-देन, खरीद-फरोख्त के व्यवहार) के कारण लोग जुड़े तो सही, आखिर सबका सरकार से कुछ न कुछ काम तो रहता है। पर, उनके लम्बे राजनीतिक जीवन में, दिल से कोई साथ नहीं जुड़ा। अतः जब तक पद बना रहा, आस-पास मंडराते रहे, पर, मुख्यमंत्री का पद जाते ही भीड़ छंट गई, और राजनीतिक अस्तित्व, रोगी-शैय्या से वक्तव्य देने तक सीमित रह गया।**

> **प्रशासनिक व्यवस्था के अनुसार, किसी व्यक्ति का फोन ''टैप'' किया जा सकता है, और अगर टैपिंग की अवधि एक सप्ताह से कम है, तो इस टैपिंग की स्वीकृति के लिए कोई फाइल चलाने की कोई जरूरत नहीं होती। अतः प्रक्रिया यह अपनायी गयी कि पांच-छः दिनों के लिए फोन ''टैप'' किया गया और फिर एक दो-दिन के लिए फोन को ''टैपिंग' की लिस्ट से निकाल दिया गया, और फिर दो दिन बाद पुनः पांच-छः दिन की ''टैपिंग लिस्ट'' में डाल दिया गया। गृह विभाग के सभी वरिष्ठ अधिकारी इस टैपिंग को सात दिन से ज्यादा जारी करने की स्वीकृति नहीं देते, इसलिए तीन महीने के बाद इस टैपिंग का सारा रिकॉर्ड नष्ट कर दिया जाता था।**

पाठकों को याद दिला दें कि जब फोन टैपिंग के आरोप कर्नाटक सरकार पर लगे थे, तब तत्कालीन मुख्यमंत्री रामकृष्ण हेगड़े को मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देना पड़ा था। परंतु गहलोत ने अपने पिछले कार्यकाल में पुलिस और गृह विभाग को जैसे तोड़ा और मरोड़ा उससे ''सत्ता के दुरुपयोग'' की परिभाषा ही बदल जाती है।

> **गहलोत ने किस तरह से फोन टैपिंग का प्रचार-प्रसार करवाया और फिर इस प्रकरण से दूरी बनाए रखने के लिए अपने ही ओ.एस.डी. को निष्कासित किया और पुलिस की जांच झेलने में झोंक दिया।**

सरकारी काम-काज में थोड़ा बहुत भ्रष्टाचार तो शायद शुरू से ही रहा होगा, गहलोत ने इस ''भ्रष्टाचार'' में सबको पार्टनर बना दिया, अफसरशाही, राजनीतिज्ञ आदि। इसकी धुरी बना दिया स्थानीय विधायक को। उदाहरण के लिए, बजरी का अवैध काम, स्थानीय नाके के कर्मचारी, छोटे-मोटे पंच-सरपंच स्तर के नेता, छोटे बीट कॉन्स्टेबल से लेकर उच्चतम स्थानीय नेता (विधायक, मंत्री) शीर्षस्थ स्थानीय पुलिस अधिकारी (थानेदार, डी.वाय.एस.पी., एस.पी.) तथा स्थानीय उच्चतम प्रशासनिक अधिकारी, सभी की इस ''धंधे'' में हिस्सेदारी तय कर दी गई और धड़ल्ले से ''धंधा'' चला। यह ''इन्स्टिट्यूशनलाइज़ेशन'' सभी विभागों में प्रचलित हो गया, पर स्थानीय स्तर पर धुरी विधायक/मंत्री को ही रखा गया। क्योंकि, अपने राजनीतिक करियर की शुरुआत से ही, जब पहली बार, ''इमरजैन्सी'' के बाद वे जोधपुर से एम.पी. बने थे, तथा प्रायः दिल्ली ही रहने लगे थे, तब गहलोत ने निष्कर्ष निकाल लिया था, कि कांग्रेस के किसी राजनीतिज्ञ को सफल होने के लिए सबसे ज्यादा जरूरी है, कि दिल्ली के पास, उस मुख्यमंत्री की शिकायतें नहीं पहुंचें और ये शिकायतें पहुंचाने का काम विधायक करते हैं। अतः विधायकों को ''खुश'' रखना प्रथम जिम्मेवारी है, किसी भी मुख्यमंत्री के लिए। अतः अपने प्रथम काल में उन्होंने ''डिज़ायर'' कल्चर शुरू किया, किसी भी ''ट्रांसफर, पोस्टिंग'' के चले आ रहे विषय के लिए जिले में विधायक की ''डिज़ायर'' को ही महत्व दिया जायेगा, पार्टी के किसी अन्य नेता को नहीं, चाहे वो कितना भी वरिष्ठ, व कद में राष्ट्रीय स्तर का माना जाता हो।

> **तीन बार मुख्यमंत्री रहने के कारण वे सरकारी प्रक्रिया से काफी सुपरिचित हो गये थे। सिस्टम को कैसे और कितना तोड़ा-मरोड़ा जा सकता है, अपने राजनीतिक हित व स्वार्थ की पूर्ति के लिए किस अफसर को दबाव से, किसको प्रलोभन से, किसको व्यक्तिगत सम्बन्धों से फुसलाकर उपयोग में लाया जा सकता है, और यह भी कि यदि अफसर फिर भी काबू नहीं आता तो, उसे कहाँ और किस टांड पर रखा जा सकता है।**

पूर्व विधानसभा अध्यक्ष, गिरिराज प्रसाद तिवाड़ी, पूर्व केन्द्रीय पेट्रोलियम मंत्री, प्रदेशाध्यक्ष व ए.आई.सी.सी. के महासचिव नवल किशोर शर्मा व नरसिम्हाराव सरकार में प्रधानमंत्री कार्यालय (पी.एम.ओ.) के मंत्री भुवनेश चतुर्वेदी ने इस ''डिज़ायर'' कल्चर के अपने अनुभव शेयर किये। कोटा के भुवनेश चतुर्वेदी, आजीवन अविवाहित रहे पर अपने वृहत् परिवार के मुखिया के रूप में जिम्मेवारी निभाते रहे। उनका एक भतीजा, जो सरकार की मेडिकल सर्विसेज़ विंग में डॉक्टर था, डेपुटेशन पर एस.एम.एस. मेडिकल कॉलेज में ''पोस्टेड'' था। यह कोई खास बड़ी बात नहीं थी। यह सुविधा, जरा सा भी जो ''कनैक्टेड'' व्यक्ति था उसके रिश्तेदारों को सदा से मिलती आई है। पर अचानक, भुवनेश चतुर्वेदी के भतीजे का एस.एम.एस. से ट्रांसफर हो गया। रामलुभाया उस समय स्वास्थ्य सचिव थे तथा कोटा में कलैक्टर रह चुके थे और भुवनेश चतुर्वेदी के ''महत्व'' से अच्छी तरह परिचित थे। तीन चार बार भुवनेश चतुर्वेदी ने अपने भतीजे के एस.एम.एस. अस्पताल से ट्रांसफर को रद्द करने को कहा, रामलुभाया ने आखिर रद्द कर दिया। तब यह प्रशासनिक प्रथा थी, कि हर महत्वपूर्ण ट्रांसफर, चाहे किसी की भी डिजायर आये, सी.एम.ओ. की स्वीकृति से ही होता था। मुख्यमंत्री ने रामलुभाया को तलब किया और पूछा, ''ये ट्रांसफर रद्द करने के आदेश कैसे निकले, सी.एम.ओ. ने ऐसी कोई ''डिज़ायर'' नहीं भेजी थी।'' सकुचाते हुए रामलुभाया ने जवाब दिया, ''भुवनेश जी कांग्रेस के पुराने वरिष्ठ व प्रतिष्ठित नेता हैं, उनका कई बार फोन आया, अतः...।'' दो टूक जवाब मिला रामलुभाया को, ''कांग्रेस में कौन वरिष्ठ है और उनकी ''रिक्वैस्ट'' के बारे में क्या निर्णय लेना है, यह सी.एम.ओ. का कार्य क्षेत्र है, आपका नहीं, आगे से ध्यान रखें।''

पूर्व विधानसभा अध्यक्ष गिरिराज किशोर तिवाड़ी के दामाद का भी कुछ ऐसा ही मामला था। घरेलू परिस्थितियों की वजह से (किसी रिश्तेदार की बीमारी के कारण) दामाद की जयपुर पोस्टिंग चाहते थे। तत्कालीन स्वास्थ्यमंत्री, तिवाड़ी जी से काफी जूनियर थे पार्टी में, अतः तिवाड़ी जी ने पोस्टिंग के लिए बातचीत की तो मालूम पड़ा स्वास्थ्य मंत्री से मिलना होगा। वो बेहिचक मंत्री महोदय से मिलने, मंत्री जी के दफ्तर पहुंचे। मंत्री ने बहुत आवभगत की, सम्मान दिया, ''आप जब नेता थे, तब मैं दरी उठाने वाला साधारण कार्यकर्ता था। आपके आदेश की तुरन्त पालना होगी।'' पर काफी समय बाद भी काम नहीं हुआ तो तिवाड़ी जी ने तहकीकात की, मालूम पड़ा काम तो तभी होगा, जब स्थानीय विधायक अपनी ''डिज़ायर'' स्वीकृति लिख कर भेज देगा।

पण्डित नवल किशोर शर्मा का भी कटु अनुभव कुछ ऐसा ही था। वे विधायक थे, आमेर से, तथा जयपुर के उनके वफादार कार्यकर्ता का विधायकपुरी थाने में कुछ जायज़ काम था। अतः उन्होंने सीधे थानेदार को फोन किया पर काम नहीं हुआ। हर बार कार्यकर्ता नवलजी के पास जाकर पुनः फोन करने का दबाव बनाता रहा। थानेदार का भाई, पी.सी.सी. में विधि सैल का उच्चाधिकारी था, अतः पी.सी.सी. में नवल किशोर शर्मा की वरिष्ठता से खूब परिचित था। पर, थानाधिकारी नवलजी की अवहेलना करता रहा। नवलजी ने अन्त में फोन पर गुस्से में काफी जोरों से डांट-डपट की। एक कार्यकर्ता/नेता ने दबी जुबान में कहा, ''थानेदार तब तक कुछ नहीं करेगा, बाबूजी, जब तक महेश जोशी उसे निर्देश नहीं देता, क्योंकि मुख्यमंत्री गहलोत ने जयपुर का चार्ज उसे दे रखा है।''

गहलोत जब दूसरी बार मुख्यमंत्री बने तो उनकी इस पकड़ में और ''निखार'' आया और तीसरी बार मुख्यमंत्री बनने पर तो उन्हें इस धारणा पर स्वयं भी पूर्ण विश्वास हो गया, कि राजस्थान में उनका कोई विकल्प नहीं हो सकता, क्योंकि हाई कमान उन्हें कुछ कहने की स्थिति में नहीं है और अधिकांश विधायक अब उनके पार्टनर बन चुके थे। अतिरिक्त मुख्य सचिव स्तर के एक कार्यरत अफसर ने मित्रतापूर्ण ढंग से मुस्कुराते हुए इन हालात के सन्दर्भ में कहा, ''आप सरकार से गलत समय लड़ लिये, यह लड़ने का नहीं कमाने का समय था। कोई सा भी प्रोजेक्ट ले जाइये मुख्यमंत्री के पास, प्रोजेक्ट पर चिन्तन, उससे लाभ की चर्चा नहीं होती, केवल यह पूछा जाता है, तुम्हें कितना लाभ होगा और उसमें ''हमारी'' क्या हिस्सेदारी होगी।'' भगवान करे, यह टिप्पणी, केवल मजाक के रुप में कही गयी हो। उसी अफसर ने आगे इसी टोन (लय) में कहा, ऐसा लग रहा है, कि सारे सरकारी तंत्र का एक ध्येय व उद्देश्य था, कि मुख्यमंत्री की कुर्सी बचाई जाये।

> **पाठकों को याद दिला दें कि जब फोन टैपिंग के आरोप कर्नाटक सरकार पर लगे थे, तब तत्कालीन मुख्यमंत्री रामकृष्ण हेगड़े को मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देना पड़ा था। परंतु गहलोत ने अपने पिछले कार्यकाल में पुलिस और गृह विभाग को जैसे तोड़ा और मरोड़ा उससे ''सत्ता के दुरुपयोग'' की परिभाषा ही बदल जाती है। सरकारी काम-काज में थोड़ा बहुत भ्रष्टाचार तो शायद शुरू से रहा होगा, गहलोत ने इस ''भ्रष्टाचार'' में सबको पार्टनर बना दिया, अफसरशाही, राजनीतिज्ञ आदि। इसकी धुरी बना दिया स्थानीय विधायक को।**

उदाहरण के लिए, जब ''नीट'' का पेपर लीक हुआ और बाज़ार में उपलब्ध होने लगा और पेपर ''लीक'' होने की चर्चा आम होने लगी, तो पहले तो मुख्यमंत्री स्तर पर इन चर्चाओं की, इन खबरों की अनदेखी की गई। शायद आशा थी, ये खबरें अपने आप जनता भूल जायेगी। पर, जब पानी नाक तक आ गया तो एक वक्तव्य आया, कि यह केवल राजस्थान में ही नहीं हो रहा, बल्कि देश के सभी राज्यों में हो रहा है। इस अनदेखी और सतही चेपा-चापी के ''एटिट्यूड'' से पेपर लीक करने का कारोबार धड़ल्ले से चला और नई-नई ''टैक्नीक'' विकसित हुईं। नकली उम्मीदवार बैठने लगे परीक्षा में, सही कागजातों से सुसज्जित हो कर। दायरा भी बढ़ता गया। ''नीट'' का सफल मॉडल, एस.आई. की परीक्षा में लागू कर दिया गया और फिर हर सरकारी परीक्षा में, जो सरकारी नौकरी के लिए ली जाती हैं। नौकरी उन्मुख सरकारी परीक्षाओं में थोड़ी बहुत चीटिंग व सिफारिशें, शायद पहले भी चलती होंगी। पर, गहलोत ने इसे सुसंगठित किया, व्यवस्थित किया और सरकार का प्रश्रय दिया। क्योंकि, मन में यह ''विश्वास'' था, उनसे अधिक योग्य कोई नहीं, और उनका कोई विकल्प नहीं है। क्योंकि उन्होंने सब देवता प्रसन्न कर रखे हैं, चाहे दिल्ली का हाईकमान हो, या राजस्थान के विधायक, चाहे विपक्ष के नेता और बड़े से बड़े अफसर।

> **प्रथम कार्यकाल में उन्होंने ''डिज़ायर'' कल्चर शुरू किया, कि, किसी भी ''ट्रांसफर, पोस्टिंग'' के चले आ रहे विषय के लिए जिले में विधायक की ''डिज़ायर'' को ही महत्व दिया जायेगा, पार्टी के किसी अन्य नेता को नहीं, चाहे वो कितना भी वरिष्ठ, व कद में राष्ट्रीय स्तर का माना जाता हो। पूर्व विधानसभा अध्यक्ष, गिरिराज प्रसाद तिवाड़ी, पूर्व केन्द्रीय पेट्रोलियम मंत्री, प्रदेशाध्यक्ष व ए.आई.सी.सी. के महासचिव नवल किशोर शर्मा व नरसिम्हाराव सरकार में प्रधानमंत्री कार्यालय (पी.एम.ओ.) के मंत्री भुवनेश चतुर्वेदी ने इस ''डिज़ायर'' कल्चर के अपने अनुभव शेयर किये।**

''करप्शन'' (भ्रष्टाचार) में भागीदारी, ''ऑफिशियल'' हिस्सेदारी देकर, राजनीतिज्ञों, विधायकों की वफादारी खरीद तो ली गहलोत ने, पर विधायक व स्वयं मुख्यमंत्री यह अच्छी तरह जानते थे, अनभिज्ञ नहीं थे, कि इस हिस्सेदारी व भागीदारी की गारंटी तब तक ही है, जब तक गहलोत मुख्यमंत्री हैं। जब वे पद से हट गये तो, भ्रष्टाचार करने के लिए दिया गया उनका अभयदान बेअसर हो जायेगा। गहलोत ने बखूबी यह समझाया विधायकों को कि, अगर अभयदान बरकरार रखना है और भ्रष्टाचार करने की खुली छूट बरकरार रखनी है, तो गहलोत को दोबारा मुख्यमंत्री बनाना जरूरी है। पर, समझाइश के बावजूद गहलोत व राजनीति की उनकी पद्धति हारी, क्योंकि आम जनता, जिससे भ्रष्टाचार के मार्फत उगाही की जा रही थी, वह भी देख रही थी, ''क्या खेला हो रहा है।'' ममता जी का यह खेला, बंगाल में चल गया, क्योंकि वहां उन्हें 30 प्रतिशत जनता (मुसलमानों) का पूर्ण समर्थन एक मुश्त प्राप्त था, पर यह स्थिति राजस्थान में नहीं थी, किसी जात/जाति का एक मुश्त समर्थन प्राप्त नहीं था गहलोत को।

ममता बनर्जी को भ्रष्टाचार में भागीदारी का नुस्खा मुख्य रूप से मुसलमानों या उनके कुछ सहयोगियों तक ही सीमित रखना था, पर गहलोत को यह स्कीम पूरे राजस्थान में, सभी चयनित जनप्रतिनिधियों व उनकी दृष्टि में प्रभावशाली वर्गों पर लागू करनी पड़ी, क्योंकि प्रारम्भ से उनका खुद का कोई अपना ''पर्सनल'' वोट बैंक नहीं है और ना ही तीन बार मुख्यमंत्री रहने के बाद बना पाये।

''ट्रांज़ैक्शनरी एप्रोच'' (लेन-देन, खरीद-फरोख्त के व्यवहार) के कारण लोग जुड़े तो सही, आखिर सबका सरकार से कुछ न कुछ काम तो रहता है। पर, उनके लम्बे राजनीतिक जीवन में, दिल से कोई साथ नहीं जुड़ा। अतः जब तक पद बना रहा, आस-पास मंडराते रहे, पर, मुख्यमंत्री का पद जाते ही भीड़ छंट गई, और राजनीतिक अस्तित्व, रोगी-शैय्या से वक्तव्य देने तक सीमित रह गया।

> **''नीट'' का पेपर लीक हुआ और बाज़ार में उपलब्ध होने लगा और पेपर ''लीक'' होने की चर्चा आम होने लगी, तो पहले तो मुख्यमंत्री स्तर पर इन चर्चाओं की, इन खबरों की अनदेखी की गई। जब पानी नाक तक आ गया तो एक वक्तव्य आया, कि यह केवल राजस्थान में ही नहीं हो रहा, बल्कि देश के सभी राज्यों में हो रहा है। इस अनदेखी और सतही चेपा-चापी के ''एटिट्यूड'' से पेपर लीक करने का कारोबार धड़ल्ले से चला और नई-नई ''टैक्नीक'' विकसित हुईं। नकली उम्मीदवार बैठने लगे परीक्षा में।**

तो आज गहलोत के पदच्युत होने के ग्यारह महीने बाद क्यों गहलोत के व्यक्तित्व पर लिखने की उत्कण्ठा हुई। उत्कण्ठा का कारण था, कि अगर जनता समय से नहीं जागती और गहलोत की शासन प्रणाली को समय की पुकार मानते हुए स्वीकार कर लिया जाता, तो यह स्थापित हो जाता कि जनता तो बेमायने है, हार जीत नारों की विविधता पर निर्भर करती है, नारों के क्रियान्वन पर नहीं। ■

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

# राष्ट्रदूत

अजमेर

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

अजमेर, शनिवार 26 अक्टूबर, 2024

KEDIA सेजस्थान

महा दिवाली

FIXED PRICE GUARANTEED

NO MIDDLE-MEN

15 लाख
15 लाख
15 लाख

दिवाली पर 15 लाख रेट बढ़ेगी !

दिवाली बाद करोड़ों में मिलेगी कोठी !

SPORTS AMENITIES

- BASKET BALL COURT
- BADMINTON COURT
- SKATING RINK
- LAWN TENNIS COURT
- MINI GOLF
- CRICKET PRACTICE NET
- BOX CRICKET
- JOGGING LOOP
- CYCLING TRACK

OUTDOOR AMENITIES

- RASHI GARDEN
- OPEN AIR THEATRE
- WETLAND PARK
- KID'S PLAY AREA
- SANDPIT
- OPEN GYM
- LAP POOL
- KID'S POOL
- ROOF TOP WALK
- MULTI PURPOSE LAWN
- MEDITATION ZONE
- VOCATIONAL WORKSHOP SPACE
- SENSORY WALK
- NATURE TRAIL
- SAVANNA ELEVATED TRAIL
- PICNIC POINTS
- ADVENTURE PLAY AREA

INDOOR AMENITIES

- TUITION ROOM
- LIBRARY
- ART AREA
- KID'S WORKSHOP AND PLAY AREA
- DISNEY THEME GAME ROOM
- CONFERENCE ROOM
- GYMNASIUM
- YOGA AREA
- CARD AREA
- CHESS AREA
- CARROM AREA
- TABLE TENNIS
- BILLIARDS

वॉक-अप अपार्टमेंट्स

63.45 लाख से शुरु

कोठी

84.60 लाख से शुरु

गिनती की कुछ ही कोठी बची हैं।

KEDIA सेजस्थान

KOTHI & WALK-UP APARTMENT

अजमेर रोड़, जयपुर

POSSESSION: DEC. 2025

बड़ी-बड़ी कोठी, बड़े-बड़े फ्लैट

KEDIA®

1800-120-2323
78770-72737

info@kedia.com
www.kedia.com

www.rera.rajasthan.gov.in
RERA No. RAJ/P/2023/2387

SCAN QR FOR
- LOCATION
- ROUTE MAP
- SITE 360 TOUR
- E-BROCHURE
- WALKTHROUGH

*T&C Apply

## विचार बिन्दु

**शास्त्र पढ़कर भी लोग मूर्ख होते हैं, किन्तु जो उसके अनुसार आचरण करता है वो ही वस्तुतः विद्वान है। –अज्ञात**

# त्योहारी सीज़न में ऑनलाइन धोखाधड़ी से सावधान रहें

हमारे देश में घर-घर में डिजिटल क्रांति प्रवेश कर चुकी है। अब हमारे खरीद फरोख्त के लगभग सभी काम डिजिटली होने लगे हैं। बच्चे से बुजुर्ग तक के हाथों में स्मार्ट फोन आने से अब शायद ही कुछ ऐसी चीज बची हो जिसके लिए आप डिजिटल पेमेंट ना करते हो। लोग कैश रखने के बजाय डिजिटली पेमेंट देना ज्यादा पसंद करते हैं। इस समय देश में त्योहारी सीज़न चल रहा है जो नवंबर के प्रथम पखवाड़े तक चलेगा। इस दौरान लोग जमकर खरीदारी कर रहे हैं। ऑनलाइन खरीदारी का जबरदस्त क्रेज बना हुआ है। प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में अमेजन और फ्लिपकार्ट जैसे दर्जनों प्लेटफॉर्म पर जोरदार सेल का धमाका देखने को मिल रहा है। लोग धड़ाधड़ खरीदारी में जुटे है। प्रतिदिन लाखों-करोड़ों रुपयों की खरीदारी हो रही है। लेकिन इसके साथ ही त्योहारी सीजन में खरीदारी के दौरान डिजिटल पेमेंट फ्रॉड का जोखिम भी बढ़ गया है। लोग आकर्षक लुभाने वाले ऑफर्स और डिस्काउंट्स के चलते लोग भारी खरीदारी त्योहारी सीजन में करते हैं। एक-दूसरे से आगे निकलने की होड़ में कई बार उपभोक्ता प्लेटफॉर्म की वैधता की जांच को नजरअंदाज कर देते हैं। फ्रॉड होने का खतरा भी उतना ही बढ़ गया है। डिजिटल पेमेंट्स के जरिए लोगों को धोखा देकर फंसाना भी आसान हो गया है। धोखाधड़ी के तरीके भी अब काफी आसान हो गए हैं। इस बीच साइबर जालसाज भी काफी सक्रिय हो गए हैं और साइबर अपराध को अंजाम देने के लिए नए तरीकों का इस्तेमाल करते हैं। उपभोक्ताओं को ऑफलाइन खरीदारी की अपेक्षा ऑनलाइन खरीदारी करना अधिक पसंद आता है। ऑनलाइन खरीदारी करना फायदेमंद होता है जहां अपनी पसंद की और कम कीमत पर कई वैराइटी देखने को मिल जाती हैं। लेकिन कई बार ऑनलाइन खरीदारी करना भारी भी पड़ जाता है। ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर सेल शुरू होते ही जालसाज भी सक्रीय हो जाते हैं। जो आपकी एक गलती पर आपका बैंक खाता खाली कर सकते हैं। मीडिया में ऐसी घटनाओं के समाचार रोज ही पढ़ने को मिल रहे है। नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया ने उपभोक्ताओं को डिजिटल पेमेंट के दौरान हर स्तर पर सावधानी बरतने की सलाह दी है ताकि साइबर क्राइम से बचा जा सके। डिजिटल पेमेंट करें तो आप खास तौर पर ध्यान रखें, जिनसे आपको फ्रॉड से बचने में मदद मिलेगी। आप किसी लिंक के जरिए या किसी ऐप के जरिए डिजिटल पेमेंट कर रहे हों तो यह ध्यान रखे यह पेमेंट सुरक्षित है या नहीं। उस कंपनी के बारे में ऑनलाइन रिव्यू चेक करें। उस वेबसाइट के बारे में पता करें। इस सीजन में खरीदारी के दौरान सावधानी और सतर्कता बहुत जरूरी है। कहते है सावधानी हटी और दुर्घटना घटी।

भारत में डिजिटल पेमेंट की शुरुआत साल 2016 में हुई थी। इसके बाद लगातार देश इस क्षेत्र में अपनी बढ़त बनाये हुए है। भारत डिजिटल पेमेंट में दुनिया में नंबर वनबन गया है और इससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को फायदा मिल रहा है। तेजी से बढ़ता डिजिटल लेनदेन बढ़ती हुई खपत को दर्शाता है। यह डिजिटल पेमेंट इकोसिस्टम के लिए भी अच्छा है। आरबीआई के डाटा के अनुसार देश भर में पेमेंट परफॉर्मेंस और पेमेंट इन्फ्रास्ट्रक्चर ढांचे में वृद्धि की वजह से डिजिटल पेमेंट की संख्या में बढ़ोतरी हुई है। यह वृद्धि सभी मापदंडों में हुई है। डाटा के मुताबिक 31 मार्च 2024 तक देश भर में डिजिटल पेमेंट में 12.6 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। आरबीआई का डिजिटल पेमेंट इंडेक्स मार्च 2024 के अंत में 445.5 पर था, जबकि सितंबर 2023 में 418.77 और मार्च 2023 में 395.57 था। भारत में मोबाइल पेमेंट स्मार्टफोन के आने और इंटरनेट की बढ़ती पहुंच के बाद बहुत आसान हो गया। विशेषकर युवाओं में मोबाइल से भुगतान बहुत तेजी से आगे बढ़ा है। ग्लोबल डेटा के मुताबिक 2028 तक भारत में मोबाइल वॉलेट के माध्यम से भुगतान 531.8 ट्रिलियन रुपये के आंकड़े को पार करने का अनुमान है।

> **नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया ने उपभोक्ताओं को डिजिटल पेमेंट के दौरान हर स्तर पर सावधानी बरतने की सलाह दी है ताकि साइबर क्राइम से बचा जा सके। डिजिटल पेमेंट करें तो आप खास तौर पर ध्यान रखें, जिनसे आपको फ्रॉड से बचने में मदद मिलेगी। आप किसी लिंक के जरिए या किसी ऐप के जरिए डिजिटल पेमेंट कर रहे हों तो यह ध्यान रखे यह पेमेंट सुरक्षित है या नहीं।**

एक अधिकृत जानकारी के अनुसार देश भर में पेमेंट परफॉर्मेंस और पेमेंट इन्फ्रास्ट्रक्चर ढांचे में वृद्धि की वजह से डिजिटल पेमेंट की संख्या में बढ़ोतरी हुई है। यह वृद्धि सभी मापदंडों में हुई है। वित्तीय वर्ष 2024-25 के पहले पांच महीनों में डिजिटल पेमेंट का मूल्य बढ़कर 1,669 लाख करोड़ रुपये हो गया है। इसी अवधि के दौरान डिजिटल पेमेंट का लेन-देन 8,659 करोड़ तक पहुंच गया। यूपीआई लेन-देन का मूल्य 138 प्रतिशत की सीएजीआर पर 1 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर 200 लाख करोड़ रुपये हो गया है। इसके अलावा पिछले 5 महीनों में कुल लेन-देन का मूल्य बढ़कर 101 लाख करोड़ रुपये हो गया है। वित्त मंत्रालय ने बताया कि यूपीआई ने देश में डिजिटल पेमेंट में क्रांति ला दी है जहां वित्त वर्ष 2017-18 में यूपीआई लेनदेन 92 करोड़ से बढ़कर वित्त वर्ष 2023-24 में 129 प्रतिशत की सीएजीआर से 13,116 करोड़ हो गया है। जैसे तेज पेमेंट सिस्टम को अपनाने में तेजी लाने के प्रयासों ने वित्तीय लेन-देन के तरीके में क्रांतिकारी बदलाव किया है, जिससे लाखों लोगों के लिए रीयल-टाइम, सुरक्षित और सीमलेस पेमेंट संभव हुआ है। मार्केट रिसर्च फर्म डेटाम इंटेलिजेंस की रिर्पोट के अनुसार इस साल त्योहारी सीजन में ऑनलाइन बिक्री 12 बिलियन डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है, जो पिछले साल के 9.7 बिलियन डॉलर से 23 प्रतिशत अधिक है।

एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक देश में तीस करोड़ से ज्यादा लोग ऑनलाइन भुगतान करते है। दुकानदार और ऑनलाइन कम्पनियाँ जहां इन त्योहारों में आकर्षक ऑफर तथा डिस्काउंट की पेशकश कर ग्राहकों को रिझाने का प्रयास करते हैं, वहीं ग्राहक भी इन आकर्षक ऑफरों का लाभ उठाकर जमकर खरीदारी करते हैं। सरकारी बैंकों सहित कई कम्पनियाँ और निर्माता उपभोक्ताओं को लुभावनी छूट से भी लाभान्वित कर रहे है। खुदरा व्यापारी ऑनलाइन सेल का विरोध कर रहे है और अपने व्यापार के चौपट होने की दुहाई दे रहे है मगर उपभोक्ता ऑनलाइन व्यापार से खुश नजर आ रहे है। उन्हें बाजार की धकमपेल से छुटकारा मिल रहा है। ऑनलाइन सेल में सामान सस्ता जरूर मिल रहा है मगर उपभोक्ता को सावधानी रखनी पड़ेगी क्योकि ठगी करने वाले गिरोह भी सक्रीय हो गए है। जो भोले भले लोगों को सस्ते माल के चक्कर में फंसा कर अपना उल्लू सीधा कर रहे है। ऐसे में लोगों ने सतर्कता नहीं रखी तो सस्ते में माल खरीदना महंगा भी पड़ सकता है।

**–अतिथि संपादक,**
**बाल मुकुन्द ओझा**
**वरिष्ठ लेखक एवं पत्रकार**

## राशिफल शनिवार 26 अक्टूबर, 2024

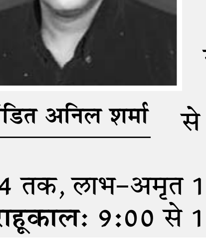

पंडित अनिल शर्मा

कार्तिक मास, कृष्ण पक्ष, दशमी तिथि, शनिवार, विक्रम संवत 2081, आश्लेषा नक्षत्र प्रातः 9:46 तक, शुक्ल योग रविवार प्रातः 5:57 तक, वणिज करण सायं 4:23 तक, चन्द्रमा आज प्रातः 9:46 से सिंह राशि में संचार करेगा।

**ग्रह स्थितिः** सूर्य-तुला, चन्द्रमा-कर्क, मंगल-मिथुन, बुध-तुला, गुरू-वृष, शुक्र-वृश्चिक, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में। आज ज्वालामुखी योग प्रातः 9:46 तक है। भद्रा सायं 4:23 से आरम्भ होगी। महापात योग रात्रि 2:10 से आरम्भ होगा।

**श्रेष्ठ चौघड़ियाः** शुभ 8:00 से 9:24 तक, चर 12:11 से 1:34 तक, लाभ-अमृत 1:34 से 4:21 तक।

**राहूकालः** 9:00 से 10:30 तक। सूर्योदय 4:37, सूर्यास्त 5:45

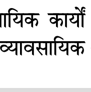

**मेष**
परिजनों के व्यवहार के कारण मन खिन्न हो सकता है। परिवार में स्वास्थ्य संबंधित परेशानी रहेगी। व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

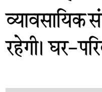

**सिंह**
नौकरीपेशा व्यक्तियों को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिल सकती है। व्यावसायिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। घर-परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी।

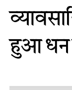

**धनु**
व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। शुभ संदेश प्राप्त होंगे।

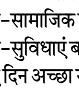

**वृष**
घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी।

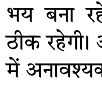

**कन्या**
आर्थिक मामलों में परेशानी हो सकती है। धन हानि का भय बना रहेगा। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। आज घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है।

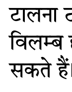

**मकर**
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। यात्रा टालना ठीक रहेगा।

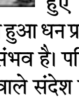

**मिथुन**
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक यात्रा संभव है। परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे।

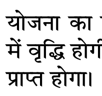

**तुला**
व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा।

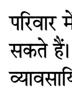

**कुंभ**
घर-परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

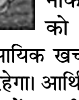

**कर्क**
नौकरीपेशा व्यक्तियों को भागदौड़ रहेगी। व्यावसायिक खर्चों पर नियंत्रण रखना ठीक रहेगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में आपसी मतभेद बढ़ सकते हैं।

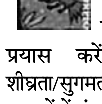

**वृश्चिक**
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। आर्थिक मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा।

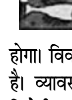

**मीन**
स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

# प्रजातंत्र में संसद, सड़क और संस्कृति

प्रो. कैलाश सोडाणी

सैकड़ों वर्षों की गुलामी और गरीबी से मुक्ति के लिए लगभग 200 वर्षों के लम्बे संघर्ष के बाद 1947 में जाकर आजाद भारत का स्वप्न साकार हुआ। आजाद भारत किस मार्ग पर चलेगा इसके लिए प्रजातंत्र के तत्कालीन आदरणीय पुरोधाओं ने भारतीय संविधान का निर्माण किया। उसी संविधान के तहत। देश को देश के मतदाताओं से सृजित संसद जैसा एक शानदार तौहफा प्राप्त हुआ।

संसद कोई इमारत नहीं है अपितु भारत के मतदाताओं की भावनाओं की सशक्त अभिव्यक्ति है। इसी अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता ने भारतीय प्रजातंत्र को दुनियाँ की विभिन्न शासन व्यवस्थाओं में श्रेष्ठ पायदान पर पहुँचाया है। संसद पक्ष और विपक्ष दोनों के लिए अपना मत एवं विचार प्रकट करने के लिए श्रेष्ठ एवं सर्वोच्च प्लेटफार्म है। हमारी संसद में अनेक बार महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा, परिचर्चा एवं बहस बड़ी विद्वत्तापूर्ण एवं रोचक रही है। संसद की बहस को गरिमा प्रदान करने वालों में प्रमुख है – वी.के. कृष्णामेनन, पीलू मोदी, फिरोज गाँधी, राममनोहर लोहिया, मधु लिमये, सोमनाथ चटर्जी, अटल बिहार वाजपेयी, प्रमोद महाजन, सुषमा स्वराज, सुधांशु त्रिवेदी। साथ ही सांसदों द्वारा आये दिन होने वाली नारेबाजी एवं बहिष्कार से संसद का बहुमूल्य समय बहुत खराब होता है। इस प्रकार का शोर-शराबा संसद की गरिमा एवं हमारी संस्कृति के अनुरूप नहीं है।

संसद की गरिमा बनाये रखने की जिम्मेदारी पक्ष एवं विपक्ष दोनों की है, इसके लिए सभी सांसदों से मर्यादित एवं अनुशासित आचरण अपेक्षित है। इस सम्बन्ध में लोकसभा अध्यक्ष से भी यह अपेक्षा रहती है कि वे विपक्ष को अपनी बात रखने का पर्याप्त समय एवं अवसर प्रदान करें। सौभाग्य से यह काम हमारे वर्तमान लोकसभा अध्यक्ष बखूबी निभा रहे हैं। एतदर्थ विपक्षी सांसद उनके प्रति विश्वास एवं श्रद्धा का भाव रखते हैं।

अब मैं आलेख के मूल विषय पर आता हूँ कि प्रजातंत्र में संसद के साथ-साथ सड़क की राजनीति का भी अपना महत्वपूर्ण स्थान एवं वजूद है। जब विपक्ष को यह लगता है कि संसद के माध्यम से वह अपनी बात कह नहीं पा रहा है तो फिर विपक्ष धरना, प्रदर्शन, बन्द इत्यादि के माध्यम से सड़क की राजनीति प्रारम्भ करता है, जिसे हमारे देश में पर्याप्त प्रेस कवरेज़ भी मिल जाता है। अंततः विपक्ष अपनी बात मतदाताओं तक पँहुचाने में सफल भी होता है। 1972-74 में जयप्रकाश नारायण का जन आन्दोलन, 1990-91 में श्री राम जन्मभूमि के लिए लालकृष्ण आडवाणी की रथ-यात्रा, 2013-14 में भ्रष्टाचार के खिलाफ अन्ना हजारे के नेतृत्व में धरना-प्रदर्शन, 2023-24 में राहुल गाँधी की भारत जोड़ो यात्रा आदि कुछ ऐसे उदाहरण है जो यह दर्शाते हैं कि संसद के बाहर भी अपनी बात को बहुत बेबाक तरीके से समाज के समक्ष रखा जा सकता है।

संसद और सड़क की राजनीति की श्रेष्ठता के लिए हमें हमारी गौरवशाली सनातन संस्कृति को हमेशा याद रखना होगा। भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों के अनुरूप ही संसद एवं सड़क पर अनुशासित संवाद एवं आचरण होना चाहिये। निःसन्देह प्रजातंत्र को जीवन्त बनाये रखने के लिए धरना, प्रदर्शन, आन्दोलन सभी आवश्यक है परंतु आन्दोलन में भी हमें हमारी संस्कृति एवं मूल्यों को नहीं भूलना चाहिये। आन्दोलन का मतलब अनुशासनहीनता नहीं है। जैसे किसान आन्दोलन के समय राष्ट्रीय राजमार्ग को अवरुद्ध करना, राजस्थान में आरक्षण को लेकर रेलों के आवागमन को बाधित करना, दिल्ली के शाहीन बाग में सड़क पर किये धरना-प्रदर्शन से महीनों तक दिल्लीवासियों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ा। आन्दोलन के नाम पर आगजनी, तोड़फोड़, बाजार बन्द, चक्का जाम आदि शुद्ध अनुशासनहीनता है। यह प्रजातंत्र के दुरुपयोग के साथ-साथ हमारे सांस्कृतिक मूल्यों की अवहलेना भी है। व्यक्ति या समूह सरकार से अपनी मांगें मनवाने के लिए आन्दोलन करने के लिए स्वतंत्र हैं परन्तु आम नागरिकों को उनके आन्दोलन से कोई असुविधा एवं कष्ट नहीं होना चाहिये। किसी भी प्रकार का आर्थिक नुकसान न तो किसी नागरिक को होना चाहिये और न ही सरकार को। यह देखना भी आंदोलनकारियों का कर्तव्य है। भारतीय प्रजातंत्र की मजबूती एवं प्रखरता के लिए संसद और सड़क दोनों जगह भारतीय संस्कृति के अनुरूप मर्यादित एवं अनुशासित आचरण रखना होगा।

**–प्रो. कैलाश सोडाणी,**
**कुलपति वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय, कोटा**

# प्रयाग महाकुंभ-2025 : सांस्कृतिक महत्व

राजेन्द्र जोशी

अमृत कहां बरसेगा। यह पहले से तय है। हिंदू धर्म की मान्यताओं के अनुसार, जब बृहस्पति कुंभ राशि में और सूर्य मेष राशि में प्रवेश करता है तो कुंभ मेले का आयोजन होता है। प्रयाग का कुंभ मेला सभी मेलों में अधिक महत्व रखता है। कुंभ का अर्थ है- कलश, ज्योतिष शास्त्र में कुंभ राशि का भी यही चिह्न है। कुंभ मेले की पौराणिक मान्यता अमृत मंथन से जुड़ी हुई है। इस बार त्रिवेणी संगम प्रयाग में 45 दिन का अमृत काल होगा। महाकुंभ 2025 प्रयागराज में 13 जनवरी से 26 फरवरी 2025 तक आयोजित हो रहा है। यह शब्द ऋग्वेद और अन्य प्राचीन हिन्दू ग्रन्थों में भी पाया जाता है। इस प्रकार, कुम्भ मेले का अर्थ है अमरत्व का मेला है।

इन दिनो महाकुंभ 2025 के सफल आयोजन हेतु इंडिया थिंक काउंसिल भारत के विभिन्न स्थानों पर कुंभ कॉन्क्लेव का आयोजन कर रहा है। कुंभ कान्क्लेव का आयोजन छोटी काशी में गोलमेज सम्मेलन का आयोजन 3 अक्टूबर 2024 को किया गया। इस कॉन्क्लेव में महाकुंभ मेले के संदर्भ में सार्थक चर्चा हुई। कुंभ मेले के सांस्कृतिक संदर्भ विषय पर इस तरह की यह पहल सराहनीय है। ऐसी चर्चा के आयोजन के लिए इंडिया थिंक एवं प्रोफेसर मनोज दीक्षित जी का आभार प्रकट करना चाहिए जिन्होंने महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय एवं राजस्थान पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय के कुलपति के रूप में एक सार्थक चर्चा का आयोजन किया।

वैसे भी बीकानेर और संगम का एक महत्वपूर्ण रिश्ता जुड़ता है, प्रयाग में तीन नदियों का संगम है, जहां गंगा, यमुना और पौराणिक सरस्वती नदियों के संगम को त्रिवेणी संगम कहा जाता है। और इतिहास यह कहता है कि थार के मरुस्थल बीकानेर में कभी सरस्वती नदी का प्रवाह हुआ करता था। हम अभी सरस्वती नदी की गोद में रह रहे हैं। इसका मतलब हम भी कल्पवास का हिस्सा है। महाकुंभ मेला भव्य- दिव्य और नव्य थीम पर आयोजित हो रहा है। 400 मिलियन लोगों की संभावना 40 करोड लोग इस महाकुंभ में शामिल होंगे।

संगम की पवित्र धरती प्रयाग का महाकुंभ 13 जनवरी 2025 पौष पूर्णिमा से लेकर 26 फरवरी 2025 महाशिवरात्रि के स्नान पर्व तक संचालित होगा। कुल 45 दिनों तक चलने वाले महाकुंभ में देश-विदेश से हजारों-हजार श्रंदालु प्रयागराज पहुँच रहे है। महाकुंभ की तैयारियां तेज हो गई हैं, 2025 में आयोजित होने वाले महाकुंभ को पॉलीथीन फ्री और ग्रीन कुंभ के तौर पर पेश करने की तैयारी हो रही है। इसके लिए जहां महाकुंभ में पॉलिथीन को प्रतिबंधित किए जाने की तैयारी है. वहीं तीन लाख पौधे भी लगाए जा रहे हैं।

इन पौधों को सरकार संरक्षित भी करेगी। महाकुंभ के आयोजन हेतु 5154 करोड़ की 327 परियोजनाओं पर काम चल रहा है।इसके साथ ही 1264 करोड़ की 75 विभागीय परियोजनाओं पर भी काम प्रारंभ हो चुका है। महाकुंभ से जुड़ी सभी स्थाई और अस्थाई परियोजनाओं को अक्टूबर 2024 तक पूरा करने का लक्ष्य तय किया गया है। महाकुंभ के सफल आयोजन के लिए अनुभवी अधिकारियों की टीम दिन-रात काम में जुटी है।

**इन प्रोजेक्ट्स पर चल रहा काम :-** 2019 में आयोजित दिव्य और भव्य कुंभ से भी 2025 को बेहतर आयोजित करने की तैयारी चल रही है। महाकुंभ के बेहतर आयोजन के लिए प्रयागराज मेला प्राधिकरण द्वारा इसका क्षेत्रफल जहां बढ़ाया जा रहा है, वहीं मेले में अतिरिक्त सुविधाएं भी मुहैया कराए जाने की तैयारी है। मेले का क्षेत्रफल बढ़ाकर 4000 हेक्टेयर कर दिया गया है. कुल 25 सेक्टर में मेला बसाया जाएगा, जबकि 1900 हेक्टेयर में छह पार्किंग बनाई जा रही है, जिसमें 5 लाख से ज्यादा वाहनों की पार्किंग की व्यवस्था रहेगी। महाकुंभ मेले में 25000 लोगों के लिए पब्लिक अकोमोडेशन, मोटरबोट, चेंजिंग रूम, पूजा स्थल और फ्लोटिंग जेटी बनाई जाएगी। मेले में इस बार 10 डिजिटल खोया पाया केंद्र भी बनेंगे, पहली बार यमुना नदी के वीआईपी घाट पर पक्के घाट का निर्माण कराया जा रहा है। इसके साथ ही दशाश्वमेध घाट पर भी पक्का घाट बन रहा है। यातायात की समस्या को देखते हुए तेलियरगंज से संगम क्षेत्र तक 13 किलोमीटर का रिवर फ्रंट भी बनाया जा रहा है। वर्ष भर घाटों पर जल का प्रवाह बना रहे इसके लिए ड्रेजिंग भी कराई गई। महाकुंभ से जुड़ी अन्य परियोजनाओं में सड़कों और चौराहों का चौड़ीकरण व सौंदर्यीकरण किया जा रहा है। प्रयागराज जंक्शन रेलवे स्टेशन और एयरपोर्ट विस्तार के साथ ही अनेक फ्लाई ओवर बनाए जा रहे है।

महाकुंभ में आने वाले श्रद्धालुओं के लिए अक्षय वट, पाताल पुरी, सरस्वती कूप, हनुमान मंदिर, श्रृंगवेरपुर धाम और भारद्वाज कॉरिडोर का भी निर्माण कराया जा रहा है। अक्टूबर - दिसंबर 2024 तक मेले में सभी संस्थाओं को जमीन और सुविधाओं का आवंटन कर दिया जाएगा। इस बार खास तौर पर ऑनलाइन सॉफ्टवेयर के जरिए जमीनों और सुविधाओं के आवंटन की तैयारी की गई है।

**श्रद्धालुओं के लिए खास व्यवस्थाः** -श्रद्धालु और पर्यटक सुगमता से महाकुंभ मेले में आकर सुरक्षित वापस जा सके इसके लिए तैयारी की जा रही हैं। एयरपोर्ट पर जहां एक नया टर्मिनल बनाया जा रहा है, वहीं एयरपोर्ट से लेकर महाकुंभ मेले तक पहुंचने के लिए बनाई जा रही सड़क को विश्व स्तरीय स्मार्ट रोड बनाया जा रहा है। इस सड़क के दोनों ओर ग्रीन बेल्ट और कुंभ कलश बनाए जाएंगे। इसके अलावा सड़क किनारे आकर्षक पेंटिंग की जाएगी ताकि एयरपोर्ट से महाकुंभ मेले के अंदर आने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों को सुखद अनुभूति का एहसास कराया जा सके। प्रयागराज के अंतर्गत आने वाले नौ रेलवे स्टेशनों पर भी बुनियादी सुविधाओं में इजाफा किया जा रहा है।

**आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का भी प्रयोग**

महाकुंभ मेले की सुरक्षा को लेकर भी व्यापक इंतजाम किए जा रहे हैं सीसीटीवी कैमरे से लेकर ड्रोन कैमरे और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का भी प्रयोग किया जाएगा। 45 दिनों तक चलने वाले महाकुंभ में इस बार भी तीन शाही स्नान होंगे। पहला स्नान पर्व 13 जनवरी को पौष पूर्णिमा का होगा। जबकि 14/15 जनवरी को मकर संक्रांति का पहला शाही स्नान होगा। 29 जनवरी मौनी अमावस्या का दूसरा शाही स्नान एवं 3 फरवरी बसंत पंचमी को तीसरा और आखिरी शाही स्नान प्रयागराज में होगा। जिसके बाद 5 फरवरी को अचला सप्तमी का स्नान पर्व होगा। जबकि 12 फरवरी को माघी पूर्णिमा के स्नान पर्व के साथ कल्पवास का समापन होगा। 26 फरवरी को महाशिवरात्रि के स्नान पर्व के साथ महाकुंभ मेले का समापन हो जाएगा।

प्रयागराज (पूर्व में इलाहाबाद) जिले में गंगा, यमुना और पौराणिक सरस्वती नदियों के संगम पर अस्थायी तम्बू शहर के प्रस्तावित 25 सेक्टरों में सड़क परियोजनाओं, अस्थायी पुलों, अस्पतालों, बाजारों आदि की एक श्रृंखला विकसित की जाएगी। श्रद्धालु हिंदू प्रयागराज को सबसे पवित्र शहरों में से एक मानते हैं, जहां संगम पर स्नान करने से मोक्ष की प्राप्ति होती है।

संभवतः, दुनिया का सबसे बड़ा 4,000 हेक्टेयर का टेंट सिटी उत्तर प्रदेश में बनाया जा रहा है, जहां दुनिया का सबसे बड़ा जनसमूह, प्रयागराज महाकुंभ 2025 में अनुमानित 400 मिलियन तीर्थयात्रियों की मेजबानी की जाएगी।

जनवरी-फरवरी 2025 में महाकुंभ के पावन 45 दिनों के दौरान 400 मिलियन लोगों का एकत्रीकरण, जो अमेरिका और ब्रिटेन की संयुक्त जनसंख्या के बराबर होगा, उत्तर प्रदेश की वर्तमान जनसंख्या, जो 250 मिलियन है, का 1.6 गुना होगा।

उत्तर प्रदेश सरकार के अनुसार, 67,000 स्ट्रीट लाइटों से जगमगाने वाले इस टेंट शहर में पर्यटकों की सेवा के लिए 2,000 टेंट और 25,000 सार्वजनिक आवास होंगे

**स्वच्छता का माडल होगा महाकुंभ**

स्वच्छता के माडल के रूप में दुनिया के सामने प्रस्तुत करने की तैयारी कर रही है। इसके लिए 1.45 लाख शौचालय बनाए जाएंगे।

**भव्य-दिव्य और नव्य थीम**

पिछले कुंभ 2019 का थीम दिव्य व भव्य कुंभ था। इस बार 2025 के महाकुंभ में एक शब्द और जोड़ दिया गया है। भव्य-दिव्य और नव्य महाकुंभ इस बार का थीम होगा। सरकार की ओर से इस पर स्वीकृति भी दे दी गई है।

सरकार महाकुंभ-2025 को भव्य, दिव्य और नव्य स्वरूप दे रही है। कुंभ नगर को जिले का दर्जा मिलेगा और यहां जिला स्तरीय अधिकारी तैनात होंगे। महाकुंभ में आने वाले श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए कुंभ क्षेत्र का विस्तार किया गया है। महाकुंभ में 40 करोड़ से अधिक लोगों के आने के अनुमान के मुताबिक ही बसावट में बदलाव किया गया है।

कुंभ मेला क्षेत्र का विस्तार 4000 हेक्टेयर से अधिक क्षेत्रफल में होगा। पिछला कुंभ 3200 हेक्टेयर में बसा था। इस बार 25 सेक्टर में महाकुंभ बसाया जाएगा। सेक्टर का क्षेत्रफल भी बढ़ेगा। एक सेक्टर से दूसरे सेक्टर जाने के लिए गंगा पर 30 पांटून पुल बनेंगे। पिछली बार 22 पांटून पुल बने थे, जबकि इस बार 30 पांटून पुलों का निर्माण होगा।

**–राजेन्द्र जोशी,**
**शिक्षाविद्-साहित्यकार**

# खाटूश्यामजी में मिठाई की दुकानों का निरीक्षण, 360 किलो दूषित मिठाई नष्ट कराई

## बेसन के लड्डू, बेसन की चक्की दूषित मिली, सोयाबिन तेल खराब मिला

**खाटूश्यामजी/सीकर,** (निसं)। दीपावली त्योहार पर आमजन को शुद्ध व ताजा खाद्य वस्तुएं उपलब्ध हो, इसके लिए लगातार कार्रवाई की जा रही है। जिला कलेक्टर मुकुल शर्मा व सीएमएचओ डॉ. निर्मल सिंह के निर्देशन में शुक्रवार को चिकित्सा विभाग की ओर से खाटूश्यामजी में कार्रवाई की गई। सीएमएचओ डॉ. निर्मल सिंह ने बताया कि खाटूश्यामजी में खाद्य एवं सुरक्षा विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुये 360 किलो दूषित मिठाई की नष्ट की साथ ही बूंदी के लड्डू व सोयाबीन के नमूने लिए।

एफएसओ मदनलाल बाजिया, महमूद अली व नंदराम मीणा ने अंतिमा स्वीट स्टोर का निरीक्षण किया। इस दौरान 250 किलो बेसन के लड्डू, 110 किलो बेसन की चक्की दूषित पाई गई तथा 25 लीटर सोयाबिन तेल खराब पाया गया, जिनको मौके पर ही नष्ट करवाया गया तथा बेसन बूंदी के लड्डू, वनस्पती घी के नमूने लिए गए। इस दौरान श्याम प्रेमी शुद्ध मिष्ठान भंडार के यहां से केशर मावा पेड़ा, शेखावत मिष्ठान भंडार के यहां से मावा पेड़ा, श्री श्याम फूड प्लाजा के यहां बेसन बूंदी लड्डू के सैम्पल लिए गए। सभी सैम्पलों को जांच के लिए जन स्वास्थ्य प्रयोगशाला जयपुर भेजा गया। खाद्य कारोबारियों को दीपावली पर्व पर आवश्यकता से अधिक मिठाई नहीं बनाने तथा फूड कलर का उपयोग एफएसएसएआई के निर्धारित मानकों के अनुसार ही करने के लिए पाबंद किया गया। टीम में अतिरिक्त खाद्य सुरक्षा अधिकारी नन्दराम मीणा, श्रवण कुमार, दिनेश कुमार, राजेन्द्र सिंह, दिलीप सिंह, कुलदीप सिंह, सुमेर सिंह व अरविंद फोगाट शामिल रहे।

> ■ **दूषित मीठाइयों को मौके पर नष्ट कराया, ''शुद्ध आहार मिलावट पर वार अभियान'' के तहत कार्रवाई की**

**रामगढ़ शेखावाटी तहसील में 26 घरेलू गैस सिलेण्डर जप्त किये :** जिला रसद अधिकारी सीकर नरेश शर्मा ने बताया कि जिले में अवैध एलपीजी रिफिलिंग एवं दुरूपयोग को रोकने के लिए शुक्रवार को जिला रसद विभाग की 6 प्रवर्तन निरीक्षकों की टीम ने रामगढ़ शेखावाटी तहसील में कार्रवाई के दौरान 26 घरेलू गैस सिलेण्डर जप्त किये गए जो घरेलू गैस सिलेण्डरों का होटल, मिठाई बनाने आदि में व्यवसायिक दुरूपयोग किया जा रहा था। उन्होंने बताया कि रसद विभाग की यह कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।

# भारत को विश्वगुरु बनाने के लिए युवा आगे आएं : राज्यपाल बागड़े

**अचरोल,** (निसं)। अपेक्स यूनिवर्सिटी के द्वितीय दीक्षांत समारोह का आयोजन अचरोल कैंपस में हुआ, जहां प्रशासनिक भवन से दीक्षांत परेड प्रारंभ होकर दीक्षांत स्थल तक पहुंची। समारोह का प्रारंभ राष्ट्रगान के साथ हुआ। समारोह के मुख्य अतिथि राज्यपाल हरिभाऊ बागडे, अध्यक्षता कर रहे युनिवर्सिटी के चेयरपर्सन डॉ. रवि जूनीवाल और विशिष्ट अतिथि आचार्य बालकृष्ण, कुलपति पतंजलि विश्वविद्यालय, हरिद्वार एवं निहालचंदए भूतपूर्व सांसद लोकसभा क्षेत्र श्री गंगानगर ने बेस्ट स्टूडेंटस को डॉ. सागरमल जूनिवाल मेमोरियल अवार्ड सहित विभिन्न संकायों में 15 टॉपर्स को गोल्ड मैडल प्रदान किए गए। आयुर्वेद, योग के क्षेत्र में नए अनुसंधान को बढ़ावा देने और स्वास्थ्य सेवाओं में योगदान देने के लिए अपने असाधारण और अविस्मरणीय योगदान के लिए आचार्य बालकृष्ण एवं सबसे कम उम्र में लोकसभा सांसद बने और पाँच बार सांसद रह चुके भूतपूर्व सांसद और केंद्रीय मंत्री निहालचंद को समाज के प्रति उनकी उत्कृष्ट सेवाओं के लिए डीण् लिटण् की मानद उपाधि प्रदान की गई ।

दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा कि विद्या का दान सर्वश्रेष्ठ दान है। विद्या वही है जो जीवन की समस्याओं का सटीक हल खोजने में सहायता करे। मुझे प्रसन्नता है कि अपेक्स विश्वविद्यालय इसी दिशा में काम कर रहा है। आर्थिक रूप से पिछड़े छात्रों को आगे लाकर शिक्षा देने का आपका प्रयास सराहनीय है। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा कि भारत ने विश्व को बहुत से नवाचार और आविष्कार दिए हैं। आप इस महान परम्परा को आगे बढ़ाएं। ज्ञान का उद्देश्य केवल रोजगार प्राप्त करना नहीं है, ज्ञान आपको आगे बढाता है, आप देश को आगे ले जाएं। मैं आपको विभिन्न स्तरों पर उपाधि प्राप्त करने के लिए बहुत.बहुत बधाई देता हूं।

विशिष्ट अतिथि आचार्य बालकृष्ण ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया। युनिवर्सिटी के चेयरपर्सन डॉ रवि जूनीवाल ने अपने दीक्षांत भाषण में डिग्री पाने वाले सभी प्रतिभाओं को बधाई दी। इस दीक्षांत समारोह में यूजीए पीजी एवं रिसर्च स्टूडेंट्स को डिग्रियां वितरित की गई।

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

# राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

अजमेर

Rashtradoot

फोनः- 2627612, 2427249 फैक्सः- 0145-2624665 वर्षः 29 संख्याः 88 प्रभात अजमेर, शनिवार 26 अक्टूबर, 2024 आर.जे./ए.जे./73/2015-2017 पृष्ठ 8 मूल्य 2.50 रु.

## महाराष्ट्र चुनाव में हरियाणा के चुनाव नतीजों का असर नहीं होगा

### क्योंकि हरियाणा में भाजपा का मुकाबला सीधे कांग्रेस से था, पर, महाराष्ट्र में कांग्रेस, गठबंधन की जूनियर पार्टनर मात्र है

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 25 अक्टूबर। दो सौ अठयासी सीटों वाले महाराष्ट्र तथा 81 सीटों वाले आदिवासी बहुल झारखंड के विधानसभा चुनाव ऐसे समय पर हो रहे हैं, जब हरियाणा के चौंका देने वाले परिणामों ने इन दोनों राज्यों के चुनावों को और भी ज्यादा दिलचस्प बना दिया है। महाराष्ट्र में विरोधाभास साफ जाहिर हैं। एक तरफ तो भाजपा, एकनाथ शिंदे सरकार, जो भ्रष्टाचार, सत्ता के दुरुपयोग तथा लोक-लुभावन योजनाओं के नाम पर राजकोष को खाली कर देने के आरोपों से जूझ रही है, को समर्थन दे रही है। वहीं बिडम्बना यह है कि झारखंड में भाजपा सत्ता में आने के लिये जे.एम.एम. सरकार पर यही आरोप लगा रही है।

हरियाणा में, भाजपा ने काँटे की टक्कर के तहत बिखरी हुई कांग्रेस को मात दे दी थी। उसका आंशिक कारण तो यह रहा कि कांग्रेस, भाजपा से कुल 22,000 वोटों के अन्तर से 9 सीटें हार गई, जिसमें इंडियन नैशनल लोक दल (आई.एन.एल.डी.) से हारी सीट भी शामिल हैं। लेकिन महाराष्ट्र एवं झारखंड की चुनावी स्थितियाँ पूरी तरह भिन्न हैं। दोनों ही राज्यों में कांग्रेस, गठबंधन में जूनियर पार्टनर की भूमिका में है। महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे तथा शरद पवार एवं झारखंड में हेमन्त सोरेन की टक्कर के करिश्माई नेता भाजपा के पास नहीं है, इसीलिये भाजपा पूरी तरह से नरेन्द्र मोदी की छवि और अमित शाह की राजनैतिक चतुराई पर भरोसा करने के लिए मजबूर है।

- **महाराष्ट्र में भाजपा के पास शरद पवार व उद्धव ठाकरे जैसा करिश्माई नेता भी नहीं है। हालांकि भाजपा ने शरद पवार को कमज़ोर करने के लिए अजित पवार का और उद्धव ठाकरे को कमज़ोर करने के लिए एकनाथ शिंदे का प्रयोग किया, पर, उसे सफलता नहीं मिली।**
- **जबकि, हरियाणा में भाजपा का सामना धरातल पर बिखरी हुई व गुटबाजी से त्रस्त कांग्रेस से था, यही वजह रही कि कांटे की टक्कर में भाजपा ने जीत हासिल कर ली।**

महायुति गठबंधन में अजित पवार सबसे कमज़ोर कड़ी माने जाते हैं। अभी हाल ही तक, वे अपने चाचा शरद पवार के गुट में लौटने के लिये, उनसे समझौता वार्ता करने की कोशिश कर रहे थे। जब वे एन.सी.पी. को तोड़कर, भाजपा के पक्ष में गये थे, उस समय ई.डी. 80,000 करोड़ रूपए के सिंचाई घोटाले में उनके खिलाफ जाँच करने वाला था। लेकिन उनकी सारी परेशानियाँ भाजपा में शामिल होने के बाद समाप्त हो गईं। दरअसल, अजित पवार का प्रभाव कुछ सीमित क्षेत्रों में ही है, जबकि शरद पवार का जनाधार व्यापक और मजबूत है। पिछले लोकसभा चुनावों में, अजित पवार जैसे-तैसे एक सीट जीत पाये थे तथा उनकी पत्नी सुनेत्रा पवार, शरद पवार की पुत्री सुप्रिया सुले से बारामती सीट पर बुरी तरह हार गई थीं।

मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की शिव सेना लोकसभा चुनाव में 7 सीटें तथा भाजपा मात्र 9 सीटें जीत पाई थी। शिंदे गुट, लोकसभा चुनाव परिणाम के आधार पर, अब सीटों के आनुपातिक आवंटन पर जोर दे रहा है। लेकिन चुनावों की घोषणा होते ही, भाजपा ने 99 सीटों पर अपने प्रत्याशी उतार दिये हैं तथा शिंदे और पवार गुट को दरकिनार कर दिया है। बताया जाता है कि भाजपा ने दिल्ली में शिंदे को यह स्पष्ट कर दिया था कि भाजपा ज्यादा सीटें प्राप्त करने की अपेक्षा रखती है क्योंकि भाजपा ने उन्हें मुख्यमंत्री बनाकर तथा देवेन्द्र फड़नवीस उनका अधीनस्थ उप मुख्यमंत्री बनाकर, एक बड़ी कुर्बानी दी है। भाजपा यह दलील देती है कि लोकसभा चुनावों में शिंदे गुट को ज्यादातर वोट उत्तर भारत के प्रवासियों से मिले थे, जो परम्परागत रूप से मुम्बई तथा अन्य क्षेत्रों में भाजपा का मजबूत जनाधार हैं।

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

## एडिशनल एस.पी. ने 34 लाख में राजीनामा कराया- डी.जी. जाँच करें

जयपुर, 25 अक्टूबर। राजस्थान हाईकोर्ट ने सवाई माधोपुर के गंगापुर थाने में दर्ज मामले में बिना जांच अधिकारी होते हुए, तत्कालीन स्थानीय एडिशनल एस.पी. की ओर से 34 लाख रुपए में पक्षकारों के बीच राजीनामा कराने के मामले में डी.जी.पी. को जांच के आदेश दिए हैं। अदालत ने वरिष्ठ पुलिस अधिकारी की ओर से वर्दी में नोटों के साथ बैठकर पक्षकारों में राजीनामा कराने को गंभीर माना है। अदालत ने कहा कि पुलिस अधिकारी का मध्यस्थता कराना व्यक्तिगत कर्तव्य नहीं माना जा सकता। ऐसे में डी.जी.पी. से यह अपेक्षा की जाती है कि वे मामले की पुनः जांच कराएं अन्यथा पूर्व में तैयार की गई जांच रिपोर्ट के आधार पर उसे एडिशनल एस.पी. की सेवा पुस्तिका में लगाया जाए। इसके साथ ही, अदालत ने मामले के आरोपी पवन कुमार को जमानत पर रिहा करने को कहा है। जस्टिस उमाशंकर व्यास ने यह

- **हाई कोर्ट ने कहा, एडिशनल एस.पी. जाँच अधिकारी नहीं थे, पर वर्दी में नोटों के साथ पक्षकारों के साथ बैठकर समझौता कराया, यह गंभीर मामला है।**

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

## राजस्व अधिकारी-अधिशाषी अधिकारी परीक्षा निरस्त

### आर.पी.एस.सी. ने हाईटैक डिवाइस से नकल की पुष्टी होने पर यह निर्णय लिया

अजमेर, 25 अक्टूबर (कासं)। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा परीक्षा के आयोजन के दौरान गोपनीयता भंग होने की जानकारी के बाद, राजस्व अधिकारी ग्रेड- द्वितीय एवं अधिशाषी अधिकारी वर्ग-चतुर्थ स्वायत्त शासन विभाग प्रतियोगी परीक्षा 2022 (14 मई 2023) को निरस्त कर दिया गया है। परीक्षा के बारे में प्राप्त शिकायतों के संबंध में आयोग ने 12 जून 2024 को शिकायतों की जांच के लिए ए.टी.एस. एवं एस.ओ. जी. को लिखा था। आयोग अब समस्त आवेदित अभ्यर्थियों के लिए 23 मार्च 2025 को पुनः परीक्षा का आयोजन करेगा।

- **अतिरिक्त महानिदेशक एस.ओ.जी. ने 28 अगस्त की रिपोर्ट में आयोग को बताया कि परीक्षा की गोपनीयता के संबंध में गंभीर तथ्य सामने आये हैं।**
- **समस्त आवेदित अभ्यर्थियों की पुनः परीक्षा 23 मार्च 2021 को होगी।**

आयोग सचिव के अनुसार, आयोग ने पाया कि परीक्षा आयोजन के दौरान ही कतिपय परीक्षा केन्द्रों पर वांछित शुचिता का पूर्ण अभाव रहा है। कई अभ्यर्थियों द्वारा ब्लूटूथ से नकल करने के संबंध में दर्ज तीन प्राथमिक रिपोर्ट, उनके अनुसंधान उपरान्त, अपराध प्रमाणित पाये जाने पर स्पष्ट हुआ है कि राजस्व अधिकारी ग्रेड-द्वितीय एवं अधिशाषी अधिकारी वर्ग-चतुर्थ (स्वायत्त शासन विभाग) परीक्षा, 2022 (परीक्षा 14 मई 2023) की गोपनीयता खंडित हुई है। इसीलिए आयोग ने राजस्व अधिकारी ग्रेड-द्वितीय एवं अधिशाषी अधिकारी वर्ग-चतुर्थ (स्वायत्त शासन विभाग) प्रतियोगी परीक्षा, 2022 को निरस्त कर समस्त आवेदित अभ्यर्थियों की पुनः परीक्षा आयोजित किये जाने का निर्णय लिया है।

आयोग द्वारा 14 मई 2023 को 111 पदों के लिए आयोजित राजस्व अधिकारी ग्रेड-द्वितीय एवं अधिशाषी अधिकारी वर्ग-चतुर्थ स्वायत शासन विभाग प्रतियोगी परीक्षा-2022 में 1,96,483 अभ्यर्थी सम्मिलित हुए थे। दस्तावेज सत्यापन के उद्देश्य से जारी सूची में कुल 311 अभ्यर्थी सम्मिलित थे।

दस्तावेज सत्यापन में सम्मिलित अभ्यर्थियों के संदिग्ध प्रतीत होने पर आयोग ने भी 02 अगस्त 2024 से दिनांक 08 अगस्त 2024 तक अनेक अभ्यर्थियों के दस्तावेजों की पुनः जांच कर पूछताछ नोट तैयार किया और 14 अगस्त 2024 को अतिरिक्त महानिदेशक, ए.टी.एस. एवं एस.ओ.जी. को अग्रिम अनुसंधान करने के लिए लिखा था। इस क्रम में अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस, ए.टी.एस. एवं एस.ओ.जी., राजस्थान, जयपुर ने 28 अगस्त 2024 को आयोग को अवगत कराया है कि उक्त परीक्षा आयोजन तिथि के दौरान परीक्षा की गोपनीयता के सम्बन्ध में गंभीर तथ्य सामने आये हैं। नकल के इसी प्रकरण में 24 अक्टूबर 2024 को अतिरिक्त एस.ओ.जी., जयपुर ने भी एस.ओ.जी. थाना जयपुर में 19 अक्टूबर 2024 को एफ.आई.आर. संख्या 66/2024 दर्ज की गई है एवं अनेक अभियुक्तों की गिरफ्तारी हुई है।

## क्या सिद्दीकी की हत्या के लिए हथियार पाकिस्तान से आए थे?

### मुम्बई पुलिस को शक है कि हथियार ड्रोन के जरिए भेजे गए थे

मुंबई, 25 अक्टूबर। महाराष्ट्र के राजनेता बाबा सिद्दीकी की हत्या के दौरान हत्यारों के पास पांच अलग-अलग तरह की पिस्तौलें थीं। मुंबई क्राइम ब्रांच को मामले में गिरफ्तार आरोपी राम कनौजिया के घर से एक पिस्तौल मिली है। मुंबई पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी है। मुंबई पुलिस ने संदेह जताया है कि ये पिस्तौलें पाकिस्तान से आई हैं। पुलिस को शक है कि ये ड्रोन के जरिए भेजी गई हैं। इन हथियारों की तस्वीरें राजस्थान पुलिस को भी भेजी गईं हैं।

पुलिस के मुताबिक, पिस्टल रायगढ़ जिले के प्लसपे नाम की जगह से बरामद की गई है, जहां पर आरोपी राम कनौजिया का किराए का घर है। पुलिस को इस मामले में अब कुल 4 पिस्टल मिल चुकी हैं। मुंबई क्राइम ब्रांच को जांच के दौरान पता चला कि हत्यारों के पास कुल 5 अलग-अलग तरह की पिस्टल थी।

- **मुम्बई पुलिस के सूत्रों ने बताया कि हथियारों की तस्वीरें राजस्थान पुलिस को भी भेजी गई हैं।**
- **मुम्बई क्राइम ब्रांच को जाँच के दौरान पता चला कि हत्यारों के पास 5 अलग-अलग तरह की पिस्तौलें हैं। पुलिस चार पिस्तौलें बरामद कर चुकी है।**

पुलिस सूत्रों के अनुसार, शूटर्स के मोबाइल को जब खंगाला गया तो उनमें पिस्तौलों की तस्वीरें मिली थीं। पूछताछ के बाद क्राइम ब्रांच अन्य पिस्तौल ढूंढने में लग गई। मुंबई क्राइम ब्रांच को ऑस्ट्रेलिया मेड ब्रेटा पिस्तौल की तलाश है।

पुलिस के अनुसार, हरियाणा के रहने वाले गुरमेल बलजीत सिंह और उत्तर प्रदेश के निवासी धर्मराज कश्यप के साथ आरोपी शिवकुमार गौतम ने बाबा सिद्दीकी पर गोली चलाई थी, जबकि पुणे के प्रवीण लोनकर के भाई शुभम का संबंध कथित तौर पर जेल में बंद गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के गिरोह से है। उसने और अन्य आरोपियों ने हमले को अंजाम देने की साजिश रची थी और शूटरों को हथियारों की सप्लाई की थी।

हत्या से पहले सिद्दीकी की सुरक्षा में मौजूद पुलिस अधिकारी पर मिर्च पाउडर फेंका गया था। वहीं, पुलिस के अनुसार, पुणे के एक स्क्रैप डीलर हरीश कुमार निसाद ने हत्या के लिए वित्तीय मदद दी थी। मुख्य शूटर शिवकुमार गौतम के साथ ही मुख्य आरोपी शुभम लोनकर और मोहम्मद जीशान अख्तर फिलहाल फरार हैं।

पुलिस सूत्रों बताया कि मुख्य आरोपी जीशान अख्तर अन्य सभी आरोपियों के संपर्क में था और उसने काम पूरा होने पर उन्हें मोटी रकम और फॉरेन टूर का वादा किया था।

## 'विभागीय कार्यवाही लंबित होने पर विदेश यात्रा से नहीं रोक सकते'

जयपुर, 25 अक्टूबर। राजस्थान हाईकोर्ट ने अपने एक फैसले में कहा है कि विभागीय कार्यवाही का लंबित होना, किसी व्यक्ति को विदेश यात्रा करने से रोकने का आधार नहीं हो सकता। भारत के संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत, व्यक्तिगत स्वतंत्रता की अभिव्यक्ति का दायरा व्यापक है, जिसमें विदेश जाने का अधिकार भी शामिल है। अदालत ने कहा कि किसी व्यक्ति को कानून द्वारा स्थापित प्रक्रिया के अनुसार ही विदेश जाने से वंचित किया जा सकता है। विदेश जाने की स्वतंत्रता का सामाजिक महत्व है, यह महत्वपूर्ण बुनियादी मानव अधिकार का प्रतिनिधित्व करता है। इसके साथ ही अदालत ने याचिकाकर्ता को 30 अक्टूबर से 4 नवंबर तक उसके बेटे से मिलने के लिए सिंगापुर जाने की सशर्त अनुमति भी दे दी। जस्टिस अनूप कुमार ढंड ने यह आदेश नीरज सक्सैना की

- **राजस्थान हाई कोर्ट ने नीरज सक्सेना की याचिका पर बेटे से मिलने सिंगापुर जाने की सशर्त अनुमति दी।**

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

## 'घर का जोगी जोगना आन गाँव का सिद्ध'

### नोबल पुरस्कार विजेता कोरिअन लेखक की किताब कोरिया में ही प्रतिबंधित

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 25 अक्टूबर। ''कोरिअन हैरल्ड'' की चाई जाँग हून ने सिओल से खबर दी है कि दक्षिण कोरिया की उपन्यासकार हन कांग को 2024 का साहित्य का नोबल पुरस्कार मिलने के बाद देश भर में उल्लास का माहौल है, किन्तु, इस सबके बीच कांग की एक किताब को लेकर भारी वाद विवाद छिड़ गया है, जिसे ''युवाओं के लिए हानिकारक'' माना जा रहा है।

विवाद उस समय शुरू हुआ, जब यह पता चला कि, गत वर्ष ग्याँगी प्रांत के तकरीबन 2490 एलिमैन्टरी, मिडिल व हाई स्कूलों की लाइब्रेरी से जो 2528 किताबें हटाई गई थीं, उनमें कांग की किताब ''द वैजिटेरियन'' भी शामिल थी। हटाई गई सभी पुस्तकों को छात्रों के लिए हानिकारक माना गया था।

- **किताब में बच्चों को आरम्भ से ही सैक्स एजुकेशन देने की बात कही गई है, जो सारे विश्व में सराही जा रही है, पर, कोरिया के परम्परावादी खेमों ने इस किताब का सख्त विरोध किया है और इस किताब को उन स्कूलों व पुस्तकालयों में प्रतिबंधित कर दिया है, जहाँ बच्चे पढ़ते हैं।**

इन पुस्तकों में हन कांग की किताब ही नहीं बल्कि, एक और नोबल पुरस्कार विजेता लोक होज़े सारामागो की पुस्तक ''ब्लाइन्डनैस'' माइकल रोइज़न की, ''यू: द ओनर्स मैनुअल'', जिसे जर्मनी में ''साइन्स बुक ऑफ द ईयर'' अवॉर्ड मिला था तथा टाइम्स एजुकेशनल सप्लिमैंट्स सीनियर इन्फॉर्मेशन ऑफ द ईयर अवॉर्ड जीतने वाली, सूज़न मैरडिथ की ''वॉट्स हैपनिंग टु मी'' शामिल है। आखिरी दो किताबें, किशोरों के लिए सैक्स एजुकेशन तथा मानव शरीर के बारे में हैं।

यह कदम तब उठाया गया, जब ग्याँगी प्रोविंशियल ऑफिस ऑफ एजुकेशन एक रूढ़िवादी एन.जी.ओ. की सलाह पर स्कूलों को पुस्तकों के बारे में मैमो भेजा। एन.जी.ओ. ने स्कूलों को सैक्स संबंधी किताबें हटाने की सलाह दी थी। तथापि, मिनिस्ट्री ऑफ कल्चर, स्पोर्ट्स एण्ड टूरिज़्म के तहत आने वाली पब्लिकेशन इण्डस्ट्री प्रमोशन एजेन्सी ऑफ कोरिया ने हटाई गई किताबों में से केवल एक किताब को युवाओं के लिए हानिकारक माना।

हान की, लिटरेचर में नोबल की ऐतिहासिक जीत के बारे में स्कूलों और घरों में मिश्रित प्रतिक्रिया हुई।

दो बेटियों की माँ, ली ने कहा, ''मेरी बेटी, जो आठवीं कक्षा में है, ने कहा कि वो हान की किताब ''द वैजिटेरियन'' पढ़ना चाहती है, लेकिन उसके टीचर्स ने उसे ''ह्यूमन एक्ट्स'' नाम की दूसरी किताब पढ़ने की सलाह दी। ली ने आगे कहा, ''द वैजिटेरियन'' को मेरी बेटी की उम्र के बच्चों के लिए अनुपयुक्त बताया गया।

माताओं के एक लाइन कैफे में एक

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

## सुशांत डैथ केस में रिया चक्रवर्ती को राहत

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 25 अक्टूबर। सर्वोच्च न्यायालय ने इस सप्ताह के शुरु में सी.बी.आई. तथा महाराष्ट्र की उस अपील को ''सारहीन'' बताते हुये खारिज कर दिया, जिसमें बॉम्बे हाई कोर्ट के उस आदेश को चुनौती दी गई थी, जिसमें अभिनेत्री रिया चक्रवर्ती तथा भाई शोविक चक्रवर्ती के खिलाफ जारी किये गये ''लुक आउट सर्कुलर्स'' (एल.ओ.सी.) को रद्द कर दिया गया था।

रिया चक्रवर्ती, शोविक चक्रवर्ती तथा उनके पिता लेफ्टिनेन्ट कर्नल इन्द्रजीत चक्रवर्ती को ''लुक आउट सर्कुलर'' सी.बी.आई. द्वारा अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की मृत्यु की जाँच के सिलसिले में जारी किये गये थे।

- **सुप्रीम कोर्ट ने सी.बी.आई. द्वारा अभिनेत्री रिया चक्रवर्ती, उसके भाई शोविक और पिता रिटायर्ड सैन्य अधिकारी इंद्रजीत चक्रवर्ती के खिलाफ जारी ''लुक आउट सर्कुलर'' को रद्द कर दिया।**

एल.ओ.सी. को रद्द कर देने वाले बॉम्बे हाई कोर्ट के आदेश को चुनौती देने वाली सी.बी.आई. की याचिका को ''सारहीन'' बताते हुये, न्यायमूर्ति बी.आर. गवई तथा के.वी. विश्वनाथन की बैंच ने कहा कि जाँच एजेंसी इस शीर्ष अदालत में केवल इसलिये आई है, क्योंकि आरोपी हाई प्रोफाइल वाले लोग हैं।

इसके बाद, बैंच ने सी.बी.आई. की याचिका खारिज कर दी। सी.बी.आई. ने इनके खिलाफ एल.ओ.सी. उस समय जारी किये थे, जब राजपूत के परिवार ने पटना में एक एफ.आई.आर. दर्ज करके, राजपूत की मृत्यु की जाँच की माँग की थी।

उच्च न्यायालय ने ये एल.ओ.सी. फरवरी 2024 में रद्द कर दिये थे तथा कहा था कि सी.बी.आई., एल.ओ.सी. जारी करने के कारण नहीं बता पाई है।

## विख्यात वैज्ञानिक रोहिणी गोड़बोले का निधन

नयी दिल्ली, 25 अक्टूबर। विज्ञान के क्षेत्र में महिलाओं के लिए समान अवसरों की वकालत करने वाली प्रमुख आवाज़ों में से एक भौतिक विज्ञानी रोहिणी गोडबोले का शुक्रवार को निधन हो गया। वह 72 वर्ष की थीं।

पद्म श्री से सम्मानित गोडबोले 25 वर्षों से अधिक समय तक भारतीय विज्ञान संस्थान बेंगलुरु में उच्च ऊर्जा भौतिकी केंद्र से जुड़ी रहीं। उन्होंने 2018 में सेवानिवृत्ति के बाद मानद प्रोफेसर के रूप में काम किया है। पुणे में जन्मी गोडबोले एसपी कॉलेज और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आई.आई.टी.), बॉम्बे की पूर्व छात्रा थीं। बारह नवंबर 1952 को जन्मी गोडबोले ने 1979 में अमेरिका के स्टोनी ब्रूक्स विश्वविद्यालय से डॉक्टरेट किया।

- **प्रधानमंत्री मोदी ने शोक जताया।**

प्रधानमंत्री ने गोडबोले के निधन पर शोक व्यक्त किया है। उन्होंने सोशल मीडिया एक्स पर अपने शोक संदेश में कहा, रोहिणी गोडबोले जी के निधन से बहुत दुःख हुआ। वह एक अग्रणी वैज्ञानिक और नवोन्मेषक थीं, जो विज्ञान की दुनिया में अधिक महिलाओं की

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

## प्रैस काउन्सिल ऑफ इंडिया एक्ट में और दम डालने की जरुरत है

### प्रैस काउन्सिल ऑफ इंडिया की मीटिंग में सदस्यों ने सर्व सम्मति से प्रस्ताव पारित किया, पर, अध्यक्ष ने इसमें ''असहमति पत्र'' भी संलग्न किया

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 25 अक्टूबर। प्रेस काउन्सिल ऑफ इंडिया ने एक प्रस्ताव पारित किया है, जिसमें केन्द्र सरकार से पत्रकारों की सुरक्षा व संरक्षण के लिए नैशनल कानून बनाने और लागू करने का आग्रह किया है। हालांकि इसकी अध्यक्ष रंजना प्रकाश देसाई ने इस पर असंतोष जताया है। ज्ञातव्य है कि प्रेस काउन्सिल ऑफ इंडिया (पी.सी.आई.) एक वैधानिक निकाय है, जिसका गठन संसद ने किया है।

पत्रकारों की गिरफ्तारी, गैर कानूनी तरीके से बन्दी बनाने और धमकाने के खिलाफ यह प्रस्ताव पी.सी.आई. सदस्य गुरबीर सिंह ने बनाया था, जिसे 27 सितम्बर को बहुमत से स्वीकार किया गया था।

इसमें प्रेस काउन्सिल ऑफ इंडिया एक्ट को ज्यादा शक्तियां देने की मांग की गई है, ताकि यह लोकतंत्र के चौथे स्तम्भ के लिए उभर रही चुनौतियों व खतरों से निपटने में सक्षम हो सके।

सिंह लिखते हैं कि अभी पी.सी.आई. सिर्फ सलाहकारी आदेश ही दे सकती है, जो बाध्यकारी नहीं होता है, इसलिए उन तत्वों पर अंकुश नहीं लगाया जा सकता है। रिपोर्ट में मांग की गई है कि पुलिस के लोगों को लोकतंत्र के चौथे स्तम्भ के प्रति संवेदनशील बनाया जाए और उनके साथ आचरण के नियम बनाए जाएं।

- **प्रैस काउन्सिल की मीटिंग में पत्रकार गुरबीर सिंह ने कहा कि वर्तमान में राज्य सरकारें काउन्सिल के आदेश को उपदेश मात्र मानकर उपेक्षित कर देती हैं तथा आदेश की परवाह नहीं करती हैं और पत्रकारों को धमकाती हैं।**
- **प्रस्ताव में बताया गया है कि वर्ष 2023 में भारत में 5 पत्रकारों की हत्या हुई तथा 226 पत्रकारों को सरकारों, राजनेताओं ने और असामाजिक तत्वों ने निशाना बनाया।**

उदाहरण के लिए, एक पत्रकार की गिरफ्तारी से पूर्व संपादक या प्रकाशन से पुष्टि की जाए कि क्या संबंधित पत्रकार किसी विषय पर काम कर रहा था।

सिंह ने कहा कि उच्चस्तर से लेकर निम्नस्तर के काँस्टेबल तक, सभी के लिए गंभीर ट्रेनिंग कार्यक्रम चलाया जाए और उन्हें पत्रकारों के साथ सम्मान से व्यवहार करना सिखाया जाए।

रिपोर्ट कहती है कि वर्ष 2023 में देश भर में पत्रकारों की हत्या हुई हैं तथा 226 को राज्य सरकारों ने या असामाजिक तत्वों ने निशाना बनाया है।

सिंह ने कहा कि प्राइवेट सर्वे के अनुसार भारतीय समाचार संघ गंभीर दबाव में काम कर रहे हैं। प्रैस फ्रीडम की जहां तक बात है, वर्ल्ड प्रैस फ्रीडम इन्डैक्स, 2024 में भारत का स्थान 180 देशों में 159 वां है।

प्रस्ताव में पत्रकारों से जुड़े कई मामलों का जिक्र है, जिनमें समाचार पोर्टल न्यूज़क्लिक पर दिल्ली पुलिस की रेड भी शामिल है। दिल्ली पुलिस ने 3 अक्टूबर 2023 को न्यूज़क्लिक के 86 पत्रकारों पर रेड की थी। न्यूज़ क्लिक पोर्टल के संस्थापक संपादक प्रबीर पुरकायस्थ और इसके मानव संसाधन चीफ अमित चक्रवर्ती को गिरफ्तार किया गया था।

दिल्ली के दंगों को कवर कर रहे कारवां मैगज़ीन के पत्रकार पर दंगे भड़काने का आरोप लगाया गया था।

इस रिपोर्ट पर पी.सी.आई.

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

# केवल डिग्री नहीं वरन रोजगारपरक शिक्षा ले युवा : देवनानी

**अजमेर।** विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा कि राज्य सरकार पांच लाख युवाओं को रोजगार देगी। करीब एक लाख पदों की विज्ञप्तियां जारी की जा चुकी हैं। युवाओं को केवल डिग्री आधारित शिक्षा की बजाए रोजगारपरक शिक्षा लेनी चाहिए। सिर्फ रूपए कमाना जीवन का उद्देश्य ना हो बल्कि हम समाज और देश के विकास को ध्यान में रखकर काम करें। रोजगार कार्यालय तथा राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण के संयुक्त तत्वावधान में शुक्रवार को राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान माखुपुरा अजमेर के परिसर में रोजगार सहायता शिविर का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य आतिथि विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा कि आज के समय में युवा पीढ़ी के सामने रोजगार प्राप्त करना एक चुनौती है। हर बालक-बालिका रोजगार प्राप्त करना चाहता है। रोजगार प्राप्त करना जीवन का एक अंग है। कौशल, नियोजन एवं उद्यमिता विभाग ने आशार्थियों को रोजगार प्रदान करने के लिए नियोजनकर्ताओं को आमंत्रित किया है। इस विभाग ने नियोजनकर्ताओं और आशार्थियों के मध्य समन्वयक का काम किया है। बालकों को डिग्री पर आधारित न होकर रोजगारपरक शिक्षा लेनी चाहिए तथा किसी भी संस्थान से जुड़कर अपने क्षेत्र के काम का अनुभव ग्रहण करना चाहिए। सिर्फ रूपए कमाना ही जीवन का उद्देश्य नहीं होना चाहिए बल्कि इस समाज और देश के विकास को ध्यान में रखकर काम करना चाहिए।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने 5 लाख से अधिक बेरोजगार युवाओं को रोजगार देने का निर्णय लिया है। एक लाख से अधिक पदों की विज्ञप्तियां जारी हो चुकी है। रोजगार का मतलब सरकारी नौकरी प्राप्त करना ही नहीं है बल्कि अपने हुनर को सही तरीके से काम में लेकर देश का विकास करना है। उन्होंने कहा कि आज हमारे देश में रोजगार की कमी नहीं है। विभिन्न ऐसे निजी संस्थान और उद्योग है जहां युवा अपने स्किल के द्वारा रोजगार प्राप्त कर सकता है। युवाओं को अपने जीवन में हमेंशा अनुभव लेते रहना चाहिए। किसी भी काम के प्रति मेहनत, लगन तथा समर्पण की भावना रखनी चाहिए। अनुशासन को अपने जीवन में आत्मसाथ करना चाहिए तथा समय के हमेशां पाबंद रखें। जीवन में हमेशां नई-नई चीजों को सीखते रहना चाहिए।

उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी देश को 2047 तक विकसित भारत बनाने की सोच रखते है। हम सबको इसका भागीदार बनना है। भारत के लोगों की विदेश में एक मेहनती आदमी के रूप में सराहना की जाती है। जीवन में व्यावहारिक ज्ञान लेना चाहिए। बाद में कार्यक्रम में विधायक अनिता भदेल ने भी मार्गदर्शन प्रदान किया। अतिरिक्त जिला कलैक्टर ज्योति ककवानी ने बताया कि आज एक ही छत के नीचे नियोजनकर्ता और आशार्थी उपस्थित है। आशार्थी अपने स्किल के द्वारा ज्यादा से ज्यादा लाभ उठाएं। राज्य सरकार बेरोजगारों को रोजगार देने की दिशा में अच्छा प्रयास कर रही है।

शिविर में आई.टी.आई. संभाग अजमेर के संयुक्त निदेशक एस.बी.माथुर, उप निदेशक आई.टी.आई. अनिल शर्मा, प्राचार्य महिला आई.टी.आई. शेलेन्द्र माथुर, आर.एस.एल.डी.सी. के जिला समन्वयक निखिल बत्रा, भाजपा महिला मोर्चा की अध्यक्ष भारती श्रीवास्तव, जिंक कौशल केन्द्र कायड़ के विनित कल्ला के साथ-साथ अन्य गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित थे। इस शिविर में निजी क्षेत्र के प्रमुख नियोजकों यथा इण्डस्ट्रीयल एस्टेट एसोसिएशन, मुद्गल मोटर्स, मित्तल हॉस्पिटल, टेक्सवे ग्रुप, श्री भगवती मशीन प्रा.लि., स्टोनेक्स इण्डिया, ए.यू स्माल फाईनेन्स, विजन प्लस, नेक्सा नवनीत मोटर्स, आदि के साथ-साथ यूनाईटेड इण्डिया इंश्योरेन्स, भारतीय जीवन बीमा निगम सहित 22 कम्पनियों/संस्थानों तथा प्रशिक्षण प्रदाता संस्थानों यथा जिंक कौशल केन्द्र, आरसेटी. आरएसएलडीसी द्वारा भाग लिया गया।

## आम जन दर्ज करवा सकता हैं चुनाव से संबंधित शिकायत

**नागौर।** भारत निर्वाचन आयोग द्वारा (110) खींवसर विधानसभा उप-चुनाव 2024 के लिए नियुक्त पर्यवेक्षकों से आम जन निर्वाचन विषयक शिकायत दर्ज कर सकते हैं।

जिला निर्वाचन अधिकारी (जिला कलक्टर) अरुण कुमार पुरोहित ने बताया कि विधानसभा उप-चुनाव 2024 के संदर्भ में आमजन अपनी परिवेदना के लिए सर्किट हाऊस, नागौर के कमरा सं. 201 में सामान्य पर्यवेक्षक श्री संजीव कुमार झा, मोबाईल नम्बर 8000648940 तथा लेण्ड लाईन नम्बर 01582-299582 एवं कमरा सं. 202 में व्यय पर्यवेक्षक अमित कुमार सिंह चौहान, मोबाईल नम्बर 9057272892 तथा लेण्ड लाईन नम्बर 01582-299581 और कमरा सं. 205 में पुलिस पर्यवेक्षक श्री सुभाष चन्द्र शाक्य, मोबाईल नम्बर 7976138860 पर सम्पर्क कर सकते हैं। इसके लिए समय निर्धारित किया गया हैं आमजन प्रात: 11 बजे से दोपहर 01 बजे तक सम्पर्क कर सकते हैं।

## शिक्षक ही राष्ट्र का निर्माता है: विधायक शंकर सिंह रावत

**ब्यावर,** (निसं) राजस्थान शिक्षक संघ राष्ट्रीय जिला ब्यावर के दो दिवसीय शिक्षक सम्मेलन का शुभारंभ आदर्श विद्या मंदिर में हुआ।प्रथम सत्र के मुख्य वक्ता रवि शंकर पारीक,जय देव पाठक ने व्याख्यान माला अहिल्याबाई होलकर के जीवन पर प्रकाश डाला।

कार्यक्रम के द्वितीय सत्र के मुख्य अतिथि शंकर सिंह रावत, अध्यक्ष वीरेंद्र सिंह कानावत, विशिष्ठ अतिथि गणपत सिंह रावत, प्रधान पंचायत समिति जवाजा, अजय कुमार गुप्ता, जिला शिक्षा अधिकारी, दिनेश शर्मा प्रदेश पर्यवेक्षक एवं प्रदेश उपाध्यक्ष मंडल अजमेर के सानिध्य में संपन्न हुआ । कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती की पूजा अर्चना वंदना से हुआ। जिला अध्यक्ष पंकज शर्मा ने अतिथियों के सम्मान में स्वागत उद्बोधन दिया। मुख्य अतिथि रावत ने कहा कि शिक्षक ही राष्ट्र निर्माता है। शिक्षक को हमेशा बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए तत्पर रहना है ताकि राष्ट्र निर्माण में उनका सहयोग रहे। विधायक मसूदा कानावत ने शिक्षकों की समस्या के समाधान के लिए हमेशा तत्पर रहने का कहा।

अजय कुमार गुप्ता जिला शिक्षा अधिकारी , गणपत सिंह रावत ,प्रधान जवाजा ने भी अपना उद्बोधन दिया ।कार्यक्रम में धन्ना सिंह पूर्व जिला अध्यक्ष, रामनारायण,जिला संरक्षक धीरज तर्क, प्रदेश उपसभा अध्यक्ष हेमेंद्र सिंह, विष्णु दत्त गोयल, कोषाध्यक्ष लक्ष्मण सिंह, पायलट जिला मंत्री जिला संगठन मंत्री शर्मिला त्रिपाठी, जिला संगठन मंत्री शिमला, जिला महिला मंत्री, गोपाल सिंह रावत जवाजा, अध्यक्ष मंगल सिंह रघुवीर सिंह चौहान, राजेंद्र प्रजापति, गुरु शरण गोयल, पूर्व विभाग संगठन मंत्री,गोपाल शर्मा नारायण लाल प्रजापति, लेखपाल सिंह, भगवान सिंह, लालपुरा, मसूदा, मुकेश प्रजापति ब्यावर, रविंद्र सिंह बड़ा खेड़ा मंगल सिंह, दिनेश कुमार सोलंकी, जैतारण चेतन प्रकाश राहुरिया, रायपुर रामदेव रेगर, विनोद त्रिपाठी, विजयनगर राजा पृथ्वी पाल सिंह, मंत्री मसूदा हेमराज, बगदाराम जैतारण, अशोक कुमार, मुकेश कुमार गुर्जर, रघुवीर सिंह देवल जवाजा, महेंद्र भट्ट ब्यावर, बगदाराम गुर्जर जैतारण, मुकेश कुमार गुर्जर, रायपुर आदि उपस्थित थे।

## हार्मोनल असंतुलन के इलाज में आयुर्वेद की भूमिका

**पुष्कर।** राजकीय आयुर्वेदिक ओषधालय आयुष्मान आरोग्य मंदिर, पुष्कर में आयोजित किए जा रहे आरोग्य सप्ताह के अंतर्गत गुरुवार को पुष्कर के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में बालिकाओं को स्वास्थ्य संबंधी जानकारी दी गई स्कूल की प्रधानाध्यापिका श्रीमती सीमा के सहयोग से यह कार्यक्रम आयोजित हुआ है बालिकाओं पोषण एव स्वच्छता संबधित जानकारी दी गई डॉ अंजू कटारे ने बताया कि हम अपनी जीवन शैली में बदलाव करके स्वस्थ और सुखी जीवन जी सकते है।

बालिकाओ को मासिक धर्म के समय साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखने के लिए प्रेरित किया गया कार्यक्रम में वरिष्ठ नर्स श्रीमती सुनीता वर्मा उपस्थित रहीं योग प्रशिक्षक श्रीमती नेहा शर्मा ने योग के बारे में बताया किस समय कौन से योग, प्राणायाम, आसन करना चाहिए और उनसे क्या लाभ मिलते है।

डॉ कटारे ने बताया कि हार्मोनल असंतुलन के लक्षण, हार्मोन के आधार पर व्यापक रूप से भिन्न हो सकते हैं।

## महावीर भगवान निर्वाण महोत्सव एक से

**अजमेर।** वर्तमान शासन नायक भगवान महावीर जिनको जैन धर्म का 24वां तीर्थंकर कहा गया है जियो और जीने दो का संदेश देने वाले प्रभु महावीर का इस वर्ष 2024 में 2550 पर निर्वाण उत्सव आ रहा है संपूर्ण देश एवं विश्व में इस महोत्सव को बड़े धूमधाम से मनाया जा रहा है श्री दिगंबर जैन मुनि संघ सेवा जागृति मंच अजमेर के तत्वाधान में 1 नवंबर को प्रात:काल 7:30 बजे से यह उत्सव प्रारंभ हो जाएग । विद्यासागर तपोवन छतरी योजना मैं बना हुआ है पावापुरी तीर्थ जल मंदिर मुनि श्री प्रमाण सागर जी महाराज के चातुर्मास के पश्चात 2016 में यह बनकर तैयार हुआ और निर्वाण महोत्सव कार्यक्रम में संपूर्ण अजमेर समाज यहां एकत्रित होकर मोदक अर्पित करता है बड़ा धड़ा पंचायत के अध्यक्ष प्रदीप पाटनी ने बताया कि 2016 से ही यह महोत्सव बड़े स्तर पर यहां मनाया जा रहा है । मोदक अर्पित होने के रजत पालकी में भगवान महावीर स्वामी को बिठाकर विद्यासागर तपोवन में बने तीर्थ सम्मेद शिखर के चारों ओर तीन परिक्रमा लगाई जाएगी जिन परिवारों को मोदक अर्पित करना है वह भी पालकी के साथ भगवान महावीर के जयकारे लगाते हुए चलेंगे

महोत्सव कार्यक्रम के दौरान ही जैन समाज के प्रतिभावान होनहार बालक एवं बालिकाओं का समाज द्वारा शिक्षा क्षेत्र में योग्य स्थान प्राप्त करने पर स्वागत अभिनंदन किया जाएगा प्रवक्ता संदीप बोहरा ने बताया कि 10 12 में 90 से अधिक नंबर लाने वाले विद्यार्थी चार्टर्ड अकाउंटेंट मास्टर डिठाी एवं अन्य क्षेत्रों में योग्य स्थान प्राप्त करने वाले सामाजिक प्रतिभाओं का सम्मान होगा । श्री दिगंबर जैन मुनि संघ सेवा जागृति मंच के तत्वाधान में होने जा रहा है यह कार्यक्रम के लिए मंच के द्वारा संपूर्ण अजमेर दिगंबर जैन समाज के मंडल समितियां संस्था को आमंत्रित किया गया है जागृति मंच के सुनील जैन होकरा महावीर अजमेरा सुनील पालीवाल कमल बड़जात्या मानक बड़जात्या गौरव पाटोदी विशाल अजमेरा विपिन चांदीवाल आदि इस आयोजन को सफल बनाने में लगे हुए हैं।

## सीएम शर्मा का किशनगढ़ में स्वागत

**मदनगंज-किशनगढ़,** (निसं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के जयपुर से किशनगढ़ एयरपोर्ट पहुंचने पर स्वागत किया गया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के साथ भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़, केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत मौजूद रहे। विशेष विमान से सीएम किशनगढ़ एयरपोर्ट पहुंचे। इसके बाद मुख्यमंत्री भजनलाल हेलीकॉप्टर से खींवसर के लिए प्रस्थान कर गये। किशनगढ़ में कलेक्टर लोकबंधु, उपखंड अधिकारी निशा सहारण, नगर परिषद आयुक्त सीता वर्मा, भाजपा युवा नेता सुभाष चौधरी ने स्वागत कर मुख्यमंत्री की अगवानी की। खींवसर में जनसभा को संबोधित कर सीएम भजनलाल वापस किशनगढ़ पहुंच विशेष विमान से उदयपुर के लिए रवाना हो गये।

## शैक्षिक सम्मेलन में अरांई से 135 शिक्षकों ने भाग लिया

**अरांई।** राजस्थान शिक्षक संघ राष्ट्रीय के दो दिवसीय जिला शैक्षिक सम्मेलन का आयोजन राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय व्यापारिक नसीराबाद में किया गया। इस शैक्षिक सम्मेलन में उपशाखा अरांई से 135 से अधिक शिक्षकों ने भाग लिया। उपशाखा के अध्यक्ष रामावतार राव ने जानकारी दी कि अरांई के 135 से अधिक शिक्षकों ने बढ़ चढ़ कर भाग लिया ।

इस शैक्षिक सम्मेलन के मुख्य अतिथि वासुदेव देवनानी विधानसभा अध्यक्ष राजस्थान विधानसभा रहे। अध्यक्षता राजस्थान शिक्षक संघ राष्ट्रीय के प्रदेशाध्यक्ष रमेश चंद्र पुष्कर्णना ने की। अति विशिष्ट अतिथि के रूप में नसीराबाद विधायक रामस्वरूप जी चौधरी उपस्थित रहे । शिक्षक सम्मेलन का समापन 26 अक्टूबर 2024 को होगा। इस दो दिवसीय शिक्षक सम्मेलन में विभिन्न शैक्षिक समस्याओं के समाधान पर विचार विमर्श किया गया। प्रदेश अध्यक्ष रमेश चंद्र पुष्करणा ने शिक्षकों की विभिन्न मांगों को मुख्य अतिथि के सामने उठाकर के अपील की कि राजस्थान सरकार को शिक्षकों की समस्याओं के समाधान पर समुचित ध्यान देना चाहिए ताकि शिक्षकों की समस्याओं का समाधान हो और शिक्षक समस्या मुक्त होकर के विद्यार्थियों के शिक्षण कार्य में अधिक भागीदारी निभा सके।

शिक्षकों की वेतन विसंगति को दूर करने हेतु खेमराज कमेटी के सुझावों को सार्वजनिक कर शीघ्र लागू किया जाए, शिक्षकों के स्थानांतरण की एक स्थाई स्थानांतरण नीति बनाकर के लागू की जाए ताकि शिक्षकों पर किसी प्रकार का राजनीतिक दबाव ना हो और वे स्वतंत्र रूप से कार्य कर सके। साथ ही विगत चार वर्षो से बकाया डीपीसी शीघ्र करवाई जाए, जिससे शैक्षिक उन्नयन का कार्य हो सके और रिक्त पदों पर सीधी भर्ती से शिक्षक लगाया जाए। जिन विद्यालयों में अब भी पद सृजित होना बाकी है उन विद्यालयों में शीघ्र पदों का सृजन किया जाए जैसी विभिन्न मांगे अध्यक्ष महोदय पुष्करणा जी ने मंच समक्ष रखी।

## ट्रैफिक व्यवस्था सुधारने के निर्देश

**मदनगंज-किशनगढ।** अजमेर ट्रैफिक सीओ आयुष वशिष्ठ ने किशनगढ पहुंचकर ट्रैफिक व्यवस्था सुधारने के लिये आमजन सहित दुकानदारों को अपने वाहन व्हाइट लाइन के अंदर खडा करने की सख्त हिदायत दी। साथ ही कहा की यातायात व्यवस्था को सुगम बनाने के लिये सभी की भागीदारी सुनिश्चित हो, ताकि आवागमन में राहत मिल सके। सीओ वशिष्ट ने पुराने बस स्टैंड से पुरानी मिल तक ट्रैफिक पुलिसकर्मियों के साथ पैदल वॉक कर व्यवस्था का जायजा लिया और ट्रैफिक पुलिस को निर्देश दिये की आदेश की अवहेलना करने पर नो एंट्री, नो पार्किंग जॉन में खड़े वाहनों के चालान बनाये। इस दौरान हेड कांस्टेबल संदीप, विजय, मुकेश, अरुण मौजूद रहे।

## पंवार सम्मानित

**मदनगंज-किशनगढ,** (निस)। सयुंक्त राष्ट्र स्थापना दिवस पर अंतराष्ट्रीय समरसता मंच की ओर से कृष्ण मेनन भवन दिल्ली में आयोजित दिव्य वैश्विक शांति समरसता सम्मेलन में शिक्षाविद प्रमुख समाजसेवी किशनगढ निवासी सत्यनारायण पंवार को पदम श्री अवार्ड से सम्मानित किया।

## आपसी भाईचारे के साथ त्योहार मनाए : आईजी ओम प्रकाश

**अजमेर।** आगामी दीपावली पर्व के मद्देनजर अजमेर रेंज के सभी जिलों में विशेष सतर्कता बरतने के लिए आईजी ओम प्रकाश ने पुलिस अधीक्षकों को निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने कहा कि दीपावली पर सभी जगह शांति बनी रहे इसके लिए एडवाइजरी जारी कर निर्देश दिए गए हैं कि सभी पुलिस अधीक्षक अपने-अपने क्षेत्र में विशेष सतर्कता बरते तथा अपराधियों पर नजर रखें जो शांति व्यवस्था को खतरा उत्पन्न करते हो उनके साथ सख्ती से निपटा जाए।

आईजी ओमप्रकाश ने बताया कि सभी जिलों में अवैध शराब की बिक्री पर सख्त कार्यवाही की जाएगी त्यौहारी सीजन में ऐसे तत्व सक्रिय हो जाते हैं जो अवैध शराब का कारोबार करते है, थोड़े से फायदे के लिए ऐसे ज़हरीली शराब बेच कर गरीब परिवारों को मौत के मुंह में झोंक देते हैं, ऐसे तत्वों के विरुद्ध सभी थाना प्रभारी क्षेत्रों में विशेष सतर्कता रखते हुए प्रभावी कार्यवाही करने के साथ आदतन अपराधियों पर भी सख्त के निर्देश दिए गए हैं।

मादक पदार्थों की बिक्री न हो इसके लिए असामाजिक तत्वों पर शिकंजा कसा जाएगा और हर थाना क्षेत्र में विशेष निगरानी रखते हुए इस कारोबार से जुड़े लोगों को पकड़ा जाए। उन्होंने कहा की दीपावली के दौरान पटाखों से कोई जनहानि न हो इसके लिए उन स्थानों पर जहां पटाखे की बिक्री होती है, उन स्थानों पर विशेष निगरानी रखी जाएगी ओर नियमों के अनुसार ही बिक्री हो इसके लिए दुकानदारों को पाबंद किया जाए। दीपावली पर के दौरान सभी जिलों में धारा 144 लागू कर असामाजिक तत्वों को एक साथ एकत्र नहीं होने दिया जाए। भीड़ वाले क्षेत्र और बाजारों में हथियार बंद जवान तैनात किए जाएंगे। आईजी ओमप्रकाश ने बताया कि अजमेर रेंज के दो जिलों में उपचुनाव होना है। नागौर के खींवसर और टोंक के उनियारा में उपचुनाव घोषित हुआ है। आदर्श आचार संहिता लागू हो राखी हैं, उसको ध्यान में रखते हुए सभी सीमाएं सील कर निष्पक्ष चुनाव कराए जाएंगे। दरगाह और पुष्कर में विशेष निगरानी रखने के निर्देश अधिकारियों को दिए गए हैं ताकि जिले में शांति व्यवस्था कायम रहे।

## सभी जिलों में प्रशिक्षण कार्यक्रम होंगे

**जयपुर।** प्रदेश में संस्थानिक एवं गैर संस्थानिक मृत्यु के कारणों का चिकित्सकीय प्रमाण-पत्र जारी करने के विषय पर शुक्रवार को स्वास्थ्य भवन में प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। निदेशक जनस्वास्थ्य डॉ. रवि प्रकाश माथुर ने बताया कि राजस्थान में मृत्यु के कारणों के चिकित्सकीय प्रमाण पत्र (एमसीसीडी) के लिए सभी जिलों में क्रमबद्ध रूप से प्रशिक्षण आयोजित किए जाएंगे। साथ ही, प्रदेश में गैर संस्थानिक मृत्यु (अस्पताल से बाहर) का भी चिकित्सकीय प्रमाण-पत्र जारी करने के लिए प्रक्रिया प्रारम्भ की जाएगी।

## जनता विकास के लिए प्रतिबद्ध भाजपा सरकार के साथ : भजनलाल शर्मा

**जयपुर।** भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने आज खींवसर, संलुबर और चौरासी विधानसभा उप चुनावों में भाजपा प्रत्याशियों के समर्थन में आयोजित जनसभाओं को संबोधित किया। मुख्यमंत्री शर्मा और प्रदेश अध्यक्ष राठौड़ ने खींवसर से भाजपा प्रत्याशी रेवंतराम डांगा, संलुबर से शांति देवी मीणा और चौरासी से कारीलाल ननोमा के समर्थन में जनसभा को संबोधित किया और क्षेत्र के विकास के लिए भाजपा के प्रत्याशी को भारी बहुमत के साथ विजय दिलाकर विधानसभा में भेजने का आव्हान किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा सरकार ने प्रदेश की सभी 200 विधानसभा क्षेत्रों में विकास के कार्य करवाए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में प्रदेश की डबल इंजन सरकार ने युवाओं के लिए रोजगार के अवसर सृजन करने का कार्य किया है। भाजपा सरकार खनिज बाहुल्य क्षेत्रों में स्थानीय लोगों को रोजगार मुहैया कराने के लिए प्रतिबद्ध है। इसके लिए राइजिंग राजस्थान के तहत अकेले संलुबर विधानसभा क्षेत्र में 250 करोड़ के 6 एमओयू साइन किए गए है। भाजपा सरकार की प्राथमिकता क्षेत्र का विकास करना है। वहीं दूसरी ओर महिलाओं के उत्पीडन, गुंडागर्दी और अपराध पर लगाम लगाने का भी कार्य किया जा रहा है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि लोकतंत्र में जनता जनार्दन सर्वोपरि है, इस जनता जनार्दन को कुछ लोग बहलाकर विधायक या सांसद बन गए लेकिन पद पाने के बाद इन लोगों ने इस जनता जनार्दन को ही भूला दिया। अब समय आ गया है कि इन लोगों को वापस खास से आम बना दिया जाए।

## दिव्यांग के एक वर्ग को आरक्षण का लाभ नहीं देने पर मांगा जवाब

**जयपुर।** राजस्थान हाईकोर्ट ने फार्मासिस्ट भर्ती-2023 में एक हाथ और एक पांव वाले दिव्यांग अभ्यर्थी को आरक्षण का लाभ नहीं देने पर केन्द्र सरकार, प्रमुख चिकित्सा सचिव और सिफू निदेशक को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। इसके साथ ही अदालत ने भर्ती की नियुक्तियों को याचिका के निर्णय के अधीन रखा है। सीएम एमएम श्रीवास्तव और जस्टिस आशुतोष कुमार की खंडपीठ ने यह आदेश पंकज कुमार खियानी की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

याचिका में अधिवक्ता हरेन्द्र नील ने अदालत को बताया कि राज्य सरकार ने 5 मई, 2023 को फार्मासिस्ट के 2859 पदों पर भर्ती निकाली। जिसमें दिव्यांगों को चार फीसदी आरक्षण देते हुए 111 पद आरक्षित रखे गए। वहीं यह शर्त लगाई गई कि केन्द्र सरकार की ओर से 4 नवंबर, 2021 को जारी गजट नोटिफिकेशन में दर्शाये दिव्यांग वर्ग को ही इसका लाभ मिलेगा। याचिका में कहा गया कि वह एक हाथ और एक पांव से दिव्यांग है, लेकिन केन्द्र सरकार के नोटिफिकेशन में इस वर्ग के दिव्यांगों को फार्मासिस्ट भर्ती में आरक्षण का लाभ नहीं दिया गया है। जबकि होम्योपैथी में फार्मासिस्ट कम क्लर्क के पदों पर दिव्यांग के इस वर्ग को आरक्षण का लाभ दिया गया है और उनका काम भी सामान्य फार्मासिस्ट के समान ही होता है। इसके अलावा नोटिफिकेशन में पदोन्नित से भरे जाने वाले चीफ फार्मासिस्ट पद के लिए भी इस वर्ग को आरक्षण का लाभ दिया गया है। याचिका में केन्द्र सरकार के इस नोटिफिकेशन को चुनौती देते हुए कहा गया कि यह नोटिफिकेशन समानता के अधिकार की अवहेलना करता है।

## दिया कुमारी ने सीकर रोड पर दीवाली लाइटिंग का शुभारम्भ किया

**जयपुर।** उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने शुक्रवार को सीकर रोड व्यापार मंडल द्वारा की जा रही बाज़ार साज-सज्जा में लाईट डेकोरेशन का शुभारम्भ किया। इस मौक़े पर हवामहल विधायक बालमुकुंदाचार्य भी मौजूद थे। उपमुख्यमंत्री ने सभी क्षेत्रवासियों को त्योहारों की बधाई देते हुए कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य की पूरी टीम विद्याधर नगर के सर्वांगीण विकास के लिए वचनबद्ध है औऱ तेज़ी से विकास के काम शुरु किये जा रहे है।

दिया कुमारी ने खातीपुरा व्यापार मंडल दीवाली कार्नीवाल का भी शुभारम्भ किया और क्षेत्रवासियो को बधाई थी। इस मौक़े पर जयपुर हेरिटेज मेयर डॉ सौम्या गुर्जर तथा पार्षदगण मौजूद रहे। दिया कुमारी ने उपस्थित व्यापारियों को आश्वासन दिया की विकास से संबंधित उनकी सभी माँगो पर कार्यवाही की जायेगी।

## गोपालपुरा बाइपास पर पावणा मिष्ठान भंडार में बेची जा रही पुरानी मिठाईयां नष्ट कराई

**जयपुर।** मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देश पर प्रदेशभर में चलाए जा रहे मिलावट के खिलाफ अभियान के तहत शुक्रवार को खाद्य सुरक्षा आयुक्त इकबाल खान के निर्देशन में टीमों ने जयपुर में विभिन्न स्थानों पर कार्रवाई की। अतिरिक्त आयुक्त पंकज ओझा ने बताया कि गोपालपुरा बाईपास पर पावणा मिष्ठान भंडार पर निरीक्षण के दौरान पुरानी मिठाई मिली, जिसको नष्ट कराया गया। साथ ही, यहां जमीन पर खाद्य सामग्री बनाने और गंदगी जैसी अनेक अनियमितताएं मिलीं। केक वर्ल्ड, गोपालपुरा बाईपास पर एक्सपायरी डेट के ढेर सारे रंग पाए गए। यहां गंदी ट्रे में खाद्य सामग्री तैयार की जा रही थी। साथ ही, मरे हुए चूहे की बदबू आ रही थी। खुले में सामग्री रखी हुई थी।

इसी तरह महिन्द्रा सेज इलाके में महापुरा रोड पर जयपुर कोल्ड स्टोरेज में तैयार बर्फ केक वर्ल्ड पर मिली, जिस पर 1 नवंबर, 2024 की मैन्यूफैक्चरिंग डेट लिखी हुई थी। इस फैक्ट्री को पूर्व में भी विभाग के द्वारा बंद करवाया गया था। जयपुर कोल्ड स्टोरेज द्वारा बर्फ का निर्माण कर पूरे जयपुर में बिना बिल और बिना चालान के सप्लाई किए जाने की जानकारी मिली है। केक वर्ल्ड के मालिक ने बताया कि फैक्ट्री संचालक बिल नहीं देता है, इसलिए उनके पास बिल की कॉपी उपलब्ध नहीं है। चालान की प्रति मांगे जाने पर वह भी नहीं पाई गई। जीएसटी सहित अन्य टैक्स की चोरी का भी मामला प्रतीत होता है, संबंधित विभागों को सूचित किया जा रहा है। कार्रवाई में खाद्य सुरक्षा अधिकारी दीपक सिंधी, नंद किशोर एवं राजेश नागर आदि शामिल रहे।

इसी प्रकार मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जयपुर प्रथम की टीम द्वारा महेश नगर में ब्रज वाटिका स्वीट्स पर निरीक्षण कर लगभग 150 किलो खराब मिठाई नष्ट करवाई गई और सैंपल लेकर नोटिस दिया गया। ओम मिष्ठान भंडार, महेश नगर में भी निरीक्षण कर सैम्पल लिया गया और इम्प्रूवमेंट नोटिस दिया गया। महेश नगर में ही दादू दयाल मिष्ठान भंडार पर भी निरीक्षण कर इंप्रूवमेंट नोटिस जारी किया गया। सभी खाद्य विक्रेताओं को साफ सफाई रखने के निर्देश दिए गए हैं।

# गुंडागर्दी और पत्थरबाजी हमारी सरकार में नहीं चलेगी : मुख्यमंत्री भजनलाल

## बीएपी ने सपने दिखाने और अशांति फैलाने का ही काम किया है : भजनलाल शर्मा

**सलूंबर/डूंगरपुर,** (निसं)। सलूंबर में भाजपा उम्मीदवार के समर्थन में भाजपा प्रत्याशी के समर्थन में सीएम भजनलाल शर्मा व प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने नामांकन सभा की।

आयोजित सभा में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि पहले सलूंबर और सराड़ा में कानून व्यवस्था की स्थिति कमजोर थी। सड़कों पर किस तरह की स्थिति होती थी उसको हमने मजबूत किया और इस तरह की घटनाएं हमारी सरकार ने रोकने का काम किया है। गुंडागर्दी और पत्थरबाजी हमारी सरकार में नहीं चलेगी। सीएम ने कहा कि मेरे पास सलूंबर के काम की बड़ी लिस्ट है। प्रताप से जुड़े ऐतिहासिक स्थलों को जोड़कर प्रताप सर्किट बनाने का काम हमारी सरकार करेगी। ये सब हमारे बजट में है। सरकार काम करेगी। सलूंबर के विकास के लिए कोई कसर नहीं छोड़ी और अमृतलाल मीणा के वायदे हम पूरे करेंगे। सीएम ने सबसे हाथ खड़े करवाए कि यहां से वे भाजपा को जीताएंगे। बाद में उन्होंने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा भाजपा उम्मीदवार शांता मीणा को दुपट्टा पहनाया। सभा को भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सांसद सीपी जोशी, उदयपुर सांसद डॉ. मन्नालाल रावत, जनजाति मंत्री बाबूलाल खराड़ी, राजस्व मंत्री हेमंत मीणा, उदयपुर ग्रामीण विधायक फूलसिंह मीणा आदि ने भी संबोधित किया।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का भाजपा नेताओं ने माला पहनाकर स्वागत किया।

■ भाजपा प्रत्याशी के समर्थन में सीएम भजनलाल शर्मा व प्रदेश अध्यक्ष राठौड़ ने नामांकन सभा की

वहीं सीएम भजनलाल शर्मा और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ शुक्रवार देर शाम को डूंगरपुर जिले के एक दिवसीय दौरे पर रहे। अपने दौरे के दौरान सीएम भजनलाल शर्मा और प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने सीमलवाड़ा में चौरासी विधानसभा उपचुनाव के तहत भाजपा उम्मीदवार कारीलाल ननोमा के समर्थन में नामांकन सभा को संबोधित किया और भाजपा के समर्थन में वोट मांगे। इस दौरान दोनों नेताओं ने कांग्रेस ओर बीएपी पर जमकर निशाना भी साधा। भाजपा नेताओं ने सीएम का माला पहनाकर उनका स्वागत किया। वहीं तीर कमान भेट किया। इसके बाद नामांकन सभा को भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने संबोधित किया। मदन राठौड़ ने जनता से क्षेत्र के विकास के लिए कड़ी से कड़ी जोड़ते हुए भाजपा उम्मीदवार कारीलाल को जिताकर विधानसभा भेजने का आव्हान किया।

सीएम भजनलाल शर्मा ने कहा कि 70 साल से राज करने वाली कांग्रेस ओर पिछले दो बार से जीतने वाले बीएपी के नेताओं ने क्षेत्र के विकास के लिए कुछ नहीं किया है। बीएपी के नेताओं ने क्षेत्र में सपने दिखाने ओर अशांति फैलाने का ही काम किया है। उन्होंने जनता से कहा कि आप लोग कारीलाल को जिताएं उसके बाद क्षेत्र में विकास की गारंटी हमारी है।

इस दौरान कैबिनेट मंत्री बाबूलाल खराड़ी, पूर्व सांसद कनकमल कटारा, पूर्व कैबिनेट मंत्री महेंद्रजीत सिंह मालविया, पूर्व मंत्री सुशील कटारा, जिलाध्यक्ष हरीश पाटीदार, सागवाड़ा विधायक शंकर लाल डेचा, कमलेश शास्त्री, गोविंद गुरुधाम के गिरवर गिरी महाराज, भंवरलाल कलासुआ, मंडल अध्यक्ष गोवर्धन पाटीदार, गोविंदराम पाटीदार, गोविंद अहारी, राजेश पाटीदार, दीन दयाल सिंह चौहान, हकरू मईडा, प्रदेश मंत्री अनिता कटारा, लीलाराम गमेती, बाबूलाल डामोर, जिला महामंत्री नानूराम परमार, मनोहर सिंह डामोर सहित कई नेता मौजूद रहे।

## एक और पैंथर पिंजरे में कैद हुआ

**उदयपुर,** (कासं)। उदयपुर जिले में इन दिनों पैंथर का आतंक चर्चा बना हुआ है। आदमखोर पैंथर की तलाश में अब भी वन विभाग की टीम जंगल में तैनात है। पिंजरे और ट्रैप कैमरे भी लगे हुए हैं। एक पैंथर शुक्रवार को भी पिंजरे में कैद हो गया। इस पैंथर को भी सज्जनगढ़ बायोलॉजिकल पार्क में शिफ्ट किया गया है। वहीं बायो पार्क से लापता पैंथर का अब तक कुछ पता नहीं चला है। इससे टूरिस्ट की एंट्री बंद है।

जानकारी के अनुसार गोगुंदा क्षेत्र के भूताला के पास मिंडावतों की भागल में पिछले दिनों पैंथर का मूवमेंट नजर आया था। इस कारण पिछले दिनों वन विभाग ने यहां भी पिंजरा लगाया था, जिसमें पैंथर कैद हो गया। पिंजरे से पैंथर दहाड़ लगा रहा था। आसपास के लोगों ने आवाज सुनकर देखा और वन विभाग को सूचना दी। वन विभाग मिंडावतों की भागल से कैद पैंथर को लाने को लेकर सतर्क है। यहां लाने के बाद भी पूरी निगरानी में रखा जाएगा।

उदयपुर शहर के पास लखावली में लगे पिंजरे में 21 अक्टूबर को भी एक पैंथर कैद हुआ था। उसे सज्जनगढ़ लाया गया था लेकिन यहां लाने के बाद वो कैद से 22 अक्टूबर को भाग गया। चार दिन बाद भी उसका पता नहीं चला है। विभाग की टीमें सर्च लाइट से भी बायो पार्क में उसकी तलाश कर रही है। वहां लगाए पिंजरे में भी अभी तक पैंथर नहीं आया और चार दिन में कहीं उसका मूवमेंट सीसीटीवी में या कैमरा ट्रेप में नहीं दिखा है। वन विभाग पैंथर के पार्क के अंदर ही होने की बात कह रहा है। इस कारण 22 अक्टूबर से अब तक टूरिस्ट की एंट्री बंद है।


**राजस्थान लोक सेवा आयोग, अजमेर**

क्रमांक-संक्षिप्त वि.सं.19/Exam/School Leet./RPSC/EP-1/2024-25 दिनांक- 25.10.2024

आयोग द्वारा माध्यमिक शिक्षा विभाग के लिए राजस्थान शिक्षा (राज्य एवं अधीनस्थ) सेवा नियम 2021 के अंतर्गत प्राध्यापक एवं कोच (स्कूल शिक्षा) के 24 विषयों के कुल 2202 पदों पर भर्ती हेतु ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं। शैक्षणिक योग्यता वर्गवार वर्गीकरण, आवेदन प्रक्रिया व अन्य विस्तृत जानकारी के लिए अभ्यर्थी उक्त पदों हेतु आयोग की वेबसाईट पर उपलब्ध विस्तृत विज्ञापन का अवलोकन करें। उक्त पदों हेतु आयु सीमा, आवेदन अवधि व अन्य विवरण निम्नानुसार है-

| | |
|---|---|
| आयु सीमा | दिनांक 01.01.2025 को न्यूनतम 21 वर्ष एवं अधिकतम 40 वर्ष से कम होनी चाहिये। |
| आवेदन अवधि | दिनांक 05.11.2024 से दिनांक 04.12.2024 रात्रि 12.00 बजे तक। |
| परीक्षा का स्थान व माह | परीक्षा स्थान व तिथि के संबंध में यथासमय सूचित कर दिया जायेगा। |

**अन्य बिन्दु व सूचना**-एकबारीय पंजीयन शुल्क, आवेदन प्रक्रिया, प्रमाण पत्रों से संबंधित सूचना एवं परीक्षा से संबंधित अन्य बिन्दु व सूचना के लिए आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध नवीनतम एवं संशोधित परीक्षार्थियों हेतु आवेदन व परीक्षा संबंधी सामान्य दिशा-निर्देश तथा सम्बन्धित सेवा नियमों का अध्ययन आवश्यक रूप से कर लें। इसके अतिरिक्त उक्त परीक्षा के संबंध में समय-समय पर जारी सूचनाओं का अवलोकन आयोग की वेबसाईट https://rpsc.rajasthan.gov.in पर कर सकते है। इसके अतिरिक्त किसी भी प्रकार के मार्ग निर्देशन/सूचना/स्पष्टीकरण हेतु राजस्थान लोक सेवा आयोग, अजमेर के परिसर में स्थित स्वागत कक्ष पर व्यक्तिगत रूप से अथवा दूरभाष सं.-0145-2635212 एवं 2635200 पर संपर्क किया जा सकता है। समस्त पत्र व्यवहार सचिव, राजस्थान लोक सेवा आयोग, अजमेर को सम्बोधित किया जाए।

DIPR/C/______/2024 राम निवास मेहता, सचिव

**बीकानेर नगर निगम**

नगर निगम मार्ग, बीकानेर (राजस्थान) फैक्स :- 0151-2226906, फोन :- 0151-2226902, 0151-2226905

E-Mail Address :- bikanernagarnigam@gmail.com, Web Site :- www.bikanermc.org

क्रमांक :- स्टेशनरी/2024-25/14951 दिनांक :- 23/10/2024

**निविदा सूचना संख्या 03/2024-25/स्टेशनरी**

नगर निगम बीकानेर द्वारा डिजिटल कैमरे से फोटोग्राफी व विडियोग्राफी का कार्य करने के इच्छुक सम्भरणकर्त्ता जो कार्य करने/सामग्री सम्भरण करने के लिए अधिकृत/पंजीकृत हो से दरें निर्धारित निविदा प्रपत्र में आमंत्रित की जाती हैं। निविदा से सम्बधित विवरण राज्य सरकार की ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल http://eproc.rajasthan.gov.ino http://sppp.rajasthan.gov.in तथा नगर निगम, बीकानेर की वेबसाईट www.bikanermc.org पर देखी व डाउनलोड की जा सकती हैं।

अनुमानित लागत राशि :-12.00 लाख

UBN Number: DLB2425SLOB11149

राज.संवाद/सी/24/6985 आयुक्त, नगर निगम, बीकानेर

Phone No.-02992-294622, Email ID eedist.jsl.phed@rajasthan.gov.in

**कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग, जिलाखण्ड जैसलमेर**

क्रमांक/अधि.अभि./निविदा/जैसल/2024-25/1715-28 दिनांक- 22.10.2024

**बिड आमंत्रण सूचना (NIB) संख्या-8(1-3)/2024-25**

राजस्थान के राज्यपाल की ओर से जन स्वा. अभि. विभाग राजस्थान के अन्तर्गत इस खण्ड के अधीन विभिन्न सिविल एवं अन्य कार्यो हेतु अनुमानित लागत रु. 35.12 लाख के कुल 3 कार्य हेतु राजस्थान सरकार के अधीन पंजीकरण नियमों के तहत उपर्युक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में निविदा आमंत्रित की जाती हैं। निविदाएं दिनांक 04.11.2024 सायं 06.00 बजे तक डॉउनलोड की जाकर दिनांक 05.11.2024 को सायं 1.00 बजे बिड शुल्क, ई-प्रक्रिया शुल्क, धरोहर राशि का चालान भौतिक रूप से इार्यालय में जमा कर उसी दिनांक 3.00 बजे उपस्थित निविदादाताओं के समक्ष खोली जायेगी। निविदा से संबंधित विवरण DIPR की वेबसाईट WWW.dipronline.org, www.sppp.raj.nic.in पर देखा जा सकता हैं। निविदा संख्या 8(1-3)2024-25 का विभागीय वेबसाइट www.sppp.raj.nic.in से प्राप्त NIB NO.-PHE2425A2621) UBN NO. निम्न प्रकार से है- PHE2425WSOB05711, PHE2425WSOB05712, PHE2425WSOB05713

(प्रेमा राम) अधिशाषी अभियन्ता, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग, जिला खण्ड-जैसलमेर

DIPR/C/10481/2024

**उदयपुर विकास प्राधिकरण, राजस्थान**

No.:F-2(01)Acct/Contract/2024-25/147-149 Date: 23-10-2024

**ई-निविदा सूचना संख्या : 40/2024-25**

उदयपुर विकास प्राधिकरण, उदयपुर द्वारा निम्नलिखित कार्यो मय डिफेक्ट लाईबिलिटी अवधि के लिये जो कि निविदा प्रपत्र में अंकित है के लिये उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदको से निर्धारित प्रपत्र में ई-टेण्डरिंग के माध्यम से ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है :-

| | | |
|---|---|---|
| निविदा कार्यो की कुल लागत | : | रूपये 432.05 लाख (11 कार्य) |
| ऑनलाईन निविदा प्रपत्र डाउनलोड/अपलोड करने की अवधि | : | 25-10-2024 को प्रातः 10.00 बजे से 06-11-2024 को सांयः 6.00 बजे तक |
| Online EMD, Tender Fee & Processing Fee जमा कराने की तिथी | : | 25-10-2024 को प्रातः 10.00 बजे से 06-11-2024 को सांयः 6.00 बजे तक |
| ऑनलाईन निविदा खोलने की तिथी | : | 07-11-2024 को प्रातः 11.00 बजे |

विस्तृत विवरण वेबसाईट urban.rajasthan.gov.in/uitudaipur, www.eproc.rajasthan.gov.in व www.sppp.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।

UBN : ITU2425WSOB00330 TO ITU2425WSOB00339

राज.संवाद/सी/24/7001 अधिशाषी अभियन्ता-विद्युत, उदयपुर विकास प्राधिकरण


# मिलावट की आशंका पर 550 किलो घी जप्त

**कोटपूतली,** (निसं)। पिछले काफी दिनों से सूचनाएं मिल रही थी कि बहरोड़ क्षेत्र के आसपास नकली एवं मिलावटी घी बेचा जा रहा है। सूचना को सत्यापित करते हुए मुखबिर द्वारा मिली सूचना के आधार पर खाद्य सुरक्षा दल अतिरिक्त जिला कलेक्टर ओमप्रकाश सारण के दिशा निर्देश में एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जिला कोटपूतली बहरोड आशीष सिंह शेखावत के नेतृत्व में मैसर्स सांनवारया एग्रो फूड्स कुंड रोड बहरोड पहुंचा। मौके पर पहुंचकर खाद्य सुरक्षा अधिकारी हेमंत कुमार यादव ने बताया कि मैसर्स सांनवारया एग्रो फूड्स कंपनी द्वारा बहरोड़ क्षेत्र में घी का कारोबार किया जाता है। मौके पर मौजूद कर्मचारियों द्वारा बताया गया कि मालिक द्वारा दिल्ली से लोहे के बड़े ड्रमों में देसी घी लाकर घी की मांग के अनुसार व्यापारियों को बेचा जाता है। उपस्थित कर्मचारी रमेश ने बताया कि प्रतिष्ठा का मालिक मनजीत जो कि हरियाणा के हिसार का रहने वाला है वह ये कार्य करता है।


**कार्यालय नगर परिषद, ब्यावर**

Tel No.: 01462-258665] 257509

E-mail Id : npbeawar@gmail.com

क्रमांक -69ए/2024-25/7915 दिनांक : 24.10.24

**आम सूचना**

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्री शान्ति लाल पुत्र श्री घीसु लाल निवासी नेहरू गेट, नेहरू रोड़ अभिषक भवन के सामने ब्यावर में मकान नं. 12 गली नं. 07 स्थित जायदाद क्षेत्रफल 99.75 वर्ग मीटर भूमि का आवेदन कर मिश्रित पट्टा विलेख हेतु 69 ए के तहत आवदन किया है।

अत: उपरोक्तानुसार श्री शान्ति लाल पुत्र श्री घीसु लाल के नाम से मिश्रित पट्टा विलेख जारी किये जाने के सम्बध में किसी को आपति हो तो मय साक्ष्य के 15 दिवस के अन्दर अन्दर आपत्ति अधोहस्ताक्षरकर्ता को प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद मियाद आपत्ति विचारणीय नहीं होगी।

आयुक्त, नगर परिषद ब्यावर


# डॉ. सतीश पूनिया ने महारावल चैतन्यराज सिंह से मुलाकात की

## डॉ. पूनिया ने चैतन्यराज सिंह को पीएम मोदी पर लिखित पुस्तक ''द रियल मोदी'' भेंट की

**जैसलमेर।** भाजपा हरियाणा प्रभारी एवं भाजपा राजस्थान पूर्व प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनियां ने जैसलमेर प्रवास पर महारावल चैतन्यराज सिंह के साथ मुलाकात कर उन्हें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर लिखित पुस्तक ''द रियल मोदी'' भेंट। वहीं राजस्थान सीनियर मैन्स फुटबॉल चैंपियनशिप 2024-25 में महत्वपूर्ण सफलता हासिल करने पर फुटबॉल टीम के खिलाड़ियों को हार्दिक बधाई एवं उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी।

जानकारी के अनुसार सतीश पूनिया ने भाजपा जिला कार्यालय जैसलमेर में पार्टी कार्यकर्ताओं से मुलाकात की। इस अवसर पर पूनिया ने कार्यालय में सदस्यता अभियान की कार्यशाला को संबोधित कर सदस्यता अभियान को बूथ, मंडल स्तर तक मजबूती से पहुंचाने का आव्हान किया, जिससे पूरे प्रदेश का देशभर में सदस्यता में ऐतिहासिक रिकॉर्ड बन सकेगा, यह कार्य पार्टी के कार्यकर्ता अपने परिश्रम की पूंजी से संभव कर दिखाएंगे।

डॉ. सतीश पूनियां ने जैसलमेर प्रवास पर महारावल चैतन्यराज सिंह को पुस्तक भेंट की।

पूनियां की संगठन की मजबूती और जिले के विकास कार्यों को लेकर कार्यकर्ताओं, पदाधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों से सकारात्मक चर्चा हुई। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष चंद्रप्रकाश शारदा, विधायक छोटूसिंह भाटी, जिला प्रमुख प्रताप सिंह सोलंकी, पूर्व विधायक डॉ. जितेंद्र सिंह, नाचना ठाकुर विक्रम सिंह, जिला महामंत्री सवाई सिंह गोगली, जिला महामंत्री सुशील व्यास, पूर्व प्रधान मूलाराम चौधरी, मनोहर सिंह, जिला अध्यक्ष अल्पसंख्यक मोर्चा कादर बक्स, नगर अध्यक्ष अरुण पुरोहित, पदम सिंह पूनमनगर, सुरेंद्र सिंह बडोडागांव, रघुवीरसिंह मंधा इत्यादि सहित पार्टी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जैसलमेर में सतीश पूनियां ने भाजपा पूर्व जिला महामंत्री एवं युवा मोर्चा पूर्व जिला अध्यक्ष दलपत मेघवाल के दु:खद निधन पर उनके निवास पर पहुंचकर श्रद्धांजलि अर्पित की एवं परिवारजनों को ढांढस बंधाया। पूनियां ने भाजपा नेता एवं पूर्व प्रधान मूलाराम चौधरी के निवास पर पहुंचकर उनकी माताजी नैनू देवी को श्रद्धांजलि अर्पित की।


**कृषि अनुसंधान केन्द्र**

(महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, उदयपुर)

दाहोद रोड़, बोरवट फार्म, बाँसवाड़ा (राज.) 327001

Mo. No. 8112207969 / 9414389929 Mail ID: zdr_arsb@yahoo.com, Visit us : www.mpuat.ac.in

क्रमांक : एफ ( )/कृअके/2024-25/118-24 दिनांक 22.10.2024

**निविदा सूचना (2024-25)**

कृषि अनुसंधान केन्द्र, बांसवाड़ा के लिये कृषि कार्य हेतु पंजीकृत संवेदक/ठेकेदार से अपेक्षित अनुभव क्षमताओं के साथ मासिक कार्य/कार्यानुसार हेतु खुली निविदाएं बंद लिफाफों में आमन्त्रित की जाती है। पंजीकृत संवेदक/ठेकेदारों को तकनीकी एवं वित्तीय निविदा अलग-अलग सील बन्द लिफाफों में देनी होगी। निविदा प्रारूप, सम्पूर्ण नियम एवं शर्ते विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.mpuat.ac.in एवं www.sppp.rajasthan.gov.in से डाउनलोड कर सकते है। निविदा प्रारूप प्राप्ति की अन्तिम तिथि 08.11.2024 प्रातः 11.00 बजे तक रहेगी। उक्त निविदायें उसी दिन दोपहर 11.30 बजे तक जमा की जाकर मध्यान्ह् 12.00 बजे कमेटी की उपस्थिति में खोली जावेगी। निविदा प्रारूप जमा करवाते समय कार्य के सामने वर्णित निविदा शुल्क एवं धरोहर राशि जमा करवानी होगी।

| कार्य का विवरण | अनुमानित लागत (रू.) | धरोहर राशि (रू.) | निविदा शुल्क (रू.) |
|---|---|---|---|
| कृषि अनुसंधान केन्द्र, बोरवट फार्म पर मक्का परियोजना में कृषि कार्य। | 390250/- | 8000/- | 500/- |

संभागीय निदेशक अनुसंधान

**माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर**

**बोली आमंत्रण सूचना**

बोर्ड परीक्षा 2025 हेतु विभिन्न प्रकार के लिफाफें निर्माण एंव आपूर्ति (अनुमानित राशि रू 15 लाख) के उपापन हेतु इच्छुक बोलीदाताओं से आनलाईन बोली दिनांक 06.11.2024 को अपरान्ह 3.00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। बोली संबंधी विस्तृत विवरण राज्य सरकार के उपापन पोर्टल (http://eproc.rajasthan.gov.in,http://sppp.raj.gov.in एवं बोर्ड वेबसाईट rajeduboard.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।

UBN CODE: SEB2425WSOB00034 सचिव

**RAJASTHAN AGRICULTURAL RESEARCH INSTITUTE**
**(S.K.N. AGRICULTURE UNIVERSITY, JOBNER)**
**DURGAPURA, JAIPUR**

Phone: 0141-2550229 (O) Phone & Fax: 0141-2550229 & 2550536

Email : director.rari@sknau.ac.in Mob.No. 9414639561

No.F.9( )/SKNAU/DIR-RARI/Estt.I/2024/2515 Dated: 25-10-2024

**ADVERTISEMENT**

Applications are invited for Two YP in Plant Breeding & Genetics and Plant Pathology at RARI, Durgapura-Jaipur. For details login the University website: sknau.ac.in

Raj.Samwad/C/24/7031 DIRECTOR

**कार्यालय नगर परिषद किशनगढ (अजमेर) राज.**

क्रमांक: न.प.कि./कृ.भूमि/2024/541 **आम सूचना** दिनांक: 17/10/2024

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि राजस्व ग्राम मदनगंज के खसरा संख्या 913/1 पर स्थित आवासीय (भूखण्ड संख्या 28 क्षेत्रफल 166.66 वर्गगज एवं भूखण्ड संख्या 29 क्षेत्रफल 207.08 वर्गगज इस प्रकार कुल क्षेत्रफल 373.74 वर्गगज) पर 1. श्री चन्द्रशेखर गौड पुत्र श्री गोपाल लाल गौड 2. श्रीमती राधा रानी गौड पत्नि श्री चन्द्रशेखर गौड ने आवेदन प्रस्तुत कर एकीकरण चाहा गया है। उक्त भूखण्ड की सीमाएं निम्नानुसार है -

पूर्व में : 40 फीट चौडा रास्ता पश्चिम में : भूखण्ड संख्या 21 व 30 फीट का रास्ता

उत्तर में : भूखण्ड संख्या 30 दक्षिण में : भूखण्ड संख्या 27

अत: उक्त एकीकरण प्रकरण में किसी भी व्यक्ति / संस्था को किसी भी प्रकार की कोई आपति हो तो सूचना के प्रकाशन की दिनांक से 07 दिवस में इस कार्यालय में प्रस्तुत करे अन्यथा बाद मयाद किसी भी प्रकार की आपति स्वीकार नही होगी।

प्रभारी, नगर परिषद, किशनगढ

**कार्यालय तहसीलदार (भू.अ.) अजमेर**

**सार्वजनिक सूचना**

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि- प्रार्थी श्री देवराज पुत्र स्व. ओमप्रकाश निवासी ग्राम बूबानी ने प्रस्तुत प्रार्थना पत्र प्रस्तुत कर ग्राम बूबानी के नया खाता संख्या 296 पुराना 233 के वर्किंग ख0न0 1558, 1560, 1561, 1960, 998 के हाल ख0न0 2083 रकबा 0.12, 2071 रकबा 0.04, 2072 रकबा 0.12, 2835/3080 रकबा 0.04 1377/3439 रकबा 0.01 1378 रकबा 0.44, 1379 रकबा 0.52 की खातेदार अपनी दादी फेफी पत्नी अन्ना जाति जाचक निवासी ग्राम बूबानी की मृत्यु दिनांक 03.12.2015 को होना बताते हुए उनके द्वारा प्रार्थी के पक्ष में की गई अपंजिकृत वसीयतनामा दिनांक 10.01.2011 के आधार पर नामान्तरकरण करने हेतु निवेदन किया है। पटवारी हल्का बूबानी की रिपोर्ट के अनुसार उक्त भूमि वसीयतकर्ता की पैतृक भूमि है।

अत: यदि प्रार्थी द्वारा प्रस्तुत अपंजिकृत वसीयतनामा दिनांक 10.01.2011 को अन्तिम मानते हुए उक्त वसीयतनामें के अनुसार नामान्तरकरण किये जाने के सम्बन्ध में किसी व्यक्ति / संस्था को आपत्ति हो तो विवरण सहित इस सार्वजनिक सूचना के प्रकाशन के 15 दिवस के भीतर स्वयं उपस्थित होकर अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष प्रस्तुत कर सकते हैं। बाद मियाद गुजरने पर कोई आपति ग्रहण नहीं की जावेगी तथा विधि सम्मत आदेश पारित कर दिया जायेगा। सूचित रहे।

तहसीलदार, अजमेर

**कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता सानिवि जिला खण्ड प्रथम बीकानेर**

क्रमांक-2246 दिनांक-21/10/24

**Notice Inviting Bid : 09/ 2024-25**

Bid for the Construction of Govt. Ambedkar SC Boys Hostal at Dantore (Khajuwala) District Bikaner are invited from interested bidders upto 29.10.2024 [09:30 AM] to 12.11.2024 [06:00 PM] & Open date 13.11.2024 [11:00 AM], other particulars of the bid may be visited on the procurement portal http://www. pwd.rajasthan.gov.in & eproc. rajasthan.gov.in & http://sppp.rajasthan.gov.in of the state and departmental website. The approximate value of the procurement is Rs. 215.00 Lakh.

UBN No. PWD 2425WSOBO8668

Executive Engineer, PWD Distt. Dn-i, Bikaner

DIPR/C/10456/2024

**कार्यालय जोधपुर विकास प्राधिकरण, जोधपुर**

रेल्वे अस्पताल के सामने, रातानाडा, जोधपुर - 342001

क्रमांक :- जोविप्रा/2024-25/EE HQ/1468 दिनांक : 24.10.2024

**:: ई-निविदा सूचना संख्या -मुख्यालय/29/2024-25 ::**

जोधपुर विकास प्राधिकरण, जोधपुर की ओर से प्राधिकरण एवं राजकीय विभाग में उपयुक्त श्रेणी मे पंजीकृत संवेदक जिनका पंजीयन 2 वर्ष की अवधि में पुनरावलोकन (Review) किया हुआ हो से निर्धारित प्रपत्र मे ई-प्रोक्युरमेन्ट प्रकिया से ऑन लाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है। इन कार्य की अनुमानित लागत, निविदा बेचे जाने तथा प्राप्त करने की दिनांक, निविदा, शर्ते आदि सम्पूर्ण विवरण वेबसाईट www.jodhpurjda.org, www.eproc.rajasthan.gov.in एवं www.sppp.raj.nic.in पर देखी जा सकती है।

UBN No. :- JOD2425WSOB00210 TO JOD2425WSOB00219

राज.संवाद/सी/24/7012 अधिशाषी अभियंता


# मिचेल सैंटनर के सामने पस्त नजर आए भारतीय बल्लेबाज

## 301 की बढ़त के साथ न्यूजीलैंड

पुणे, 25 अक्टूबर। मिचेल सैंटनर (सात विकेट) की घातक गेंदबाजी के बाद कप्तान टॉम लेथम (86) रनों की जूझारू पारी की बदौलत न्यूजीलैंड ने दूसरे टेस्ट मैच के दूसरे दिन शुक्रवार को भारत को पहली पारी में 156 के स्कोर पर समेट कर दूसरी पारी में पांच विकेट पर 198 रनों के साथ 301 की बढ़त हासिल कर मैच पर अपनी मजबूत पकड़ बना ली हैं।

दूसरी पारी में बल्लेबाजी करने उतरी कप्तान टॉम लेथम और डेवन कॉन्वे की सलामी जोड़ी ने सधी हुई शुरुआत की। 10वें ओवर में वॉशिंगटन सुंदर ने डेवन कॉन्वे (17) को पगबाधा आउट कर भारत को पहली सफलता दिलाई। इसके बाद आर अश्विन ने विल यंग (23) को पगबाधा आउट कर पवेलियन भेज दिया। रचिन रविंद्र (नौ), डैरिल मिचेल (18) तथा टॉम लेथम (86) को वॉशिंगटन ने अपना शिकार बनाया।

दिन का खेल समाप्त होने के साथ न्यूजीलैंड ने 53 ओवर में पांच विकेट के नुकसान पर 198 रन बना लिये थे और उसकी कुल बढ़त 301 रन हो गई है। टॉम ब्लंडल (नाबाद 30) और ग्लेन फिलिप्स (नौ) रन क्रीज पर थे।

भारत की ओर आज के हीरो भी वॉशिंगटन सुंदर रहे। उन्होंने 19 ओवर में 56 रन देकर चार विकेट लिये। वहीं आर अश्विन को एक विकेट मिला। इससे पहले न्यूजीलैंड ने भारत पहली पारी में 156 के स्कोर पर समेटते हुए 103 रनों की बढ़त हासिल कर ली थी।

कल के एक विकेट पर 16 रन से आगे खेलते हुए भारत को आज शुभमन गिल (30) के रूप में पहला झटका लगा। इसके बाद अगले बल्लेबाज विराट कोहली (एक) रन बनाकर पवेलियन लौट गये। न्यूजीलैंड के स्पिनरों की कसी हुई गेंदबाजी के सामने भारत ने यशस्वी जायसवाल (30), सरफराज खान (11) और ऋषभ पंत (18) भी बड़ी पारी खेलने में नाकाम रहे। आर अश्विन (चार) रन बनाकर आउट हुये। भोजनकाल तक भारत ने सात 107 के स्कोर पर अपने सात विकेट गवां दिये थे। लगातार गिरते विकेटों के बीच रवींद्र जडेजा ने 46 गेंदों पर (38) रनों की जूझारु पारी खेली। उनके आउट होने के बाद अगले बल्लेबाज आकाश दीप (छह) रन बनाकर आउट हुए। निचलेक्रम में बल्लेबाजी के लिए आए वाशिंगटन सुंदर ने नाबाद 18 रन की पारी खेली। भारतीय टीम 45.3 ओवर में 156 के स्कोर पर सिमट गई।

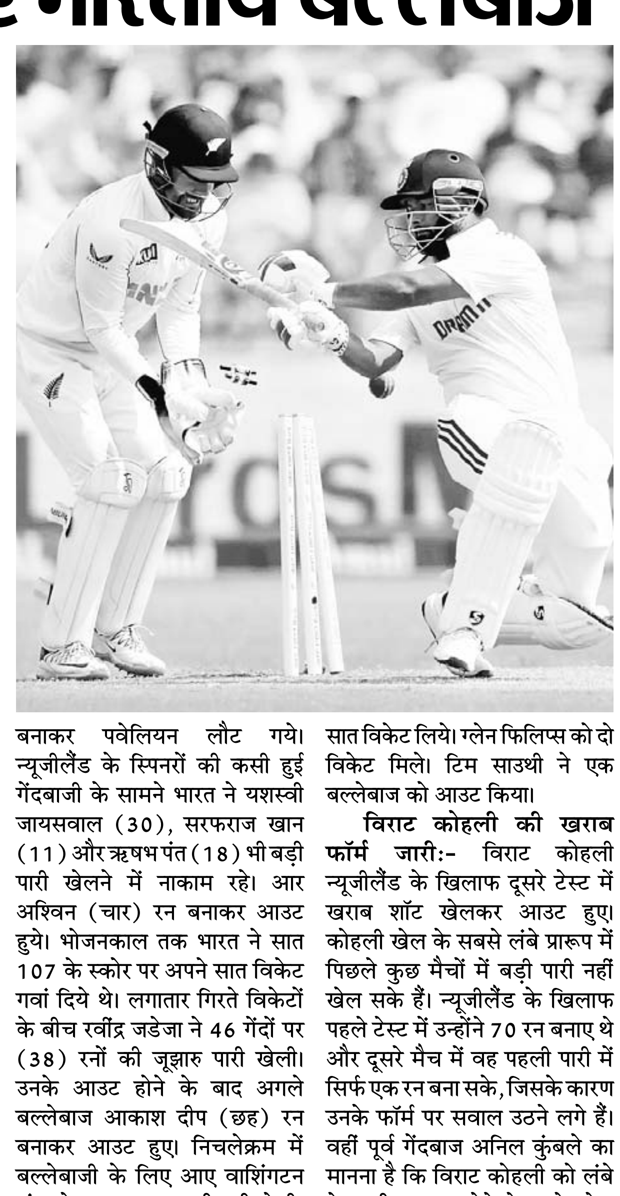

न्यूजीलैंड की ओर से मिचेल सैंटनर 19.3 ओवर में 53 रन देकर सात विकेट लिये। ग्लेन फिलिप्स को दो विकेट मिले। टिम साउथी ने एक बल्लेबाज को आउट किया।

**विराट कोहली की खराब फॉर्म जारी:-** विराट कोहली न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट में खराब शॉट खेलकर आउट हुए। कोहली खेल के सबसे लंबे प्रारूप में पिछले कुछ मैचों में बड़ी पारी नहीं खेल सके हैं। न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट में उन्होंने 70 रन बनाए थे और दूसरे मैच में वह पहली पारी में सिर्फ एक रन बना सके, जिसके कारण उनके फॉर्म पर सवाल उठने लगे हैं। वहीं पूर्व गेंदबाज अनिल कुंबले का मानना है कि विराट कोहली को लंबे टेस्ट सीजन शुरू होने से पहले घरेलू क्रिकेट में खेलने का फायदा हो सकता था। पहली पारी में विराट कोहली मिचेल सैंटनर की फुलटॉस गेंद पर क्लीन बोल्ड हो गए।


**कार्यालय ग्राम पंचायत मेडिया पंचायत समिति जवाजा जिला ब्यावर**

क्रमांक 24-25/168 **सार्वजनिक आपत्ति आमन्त्रण** दिनांक 24.10.2024

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता कि ग्राम पंचायत मेडिया के विभिन्न राजस्व ग्रामों के आवासीय मकान/भूखण्डो के पट्टे हेतु आवेदन प्राप्त हुए है जिनके पंचायती राज नियम 157 (क) व अन्य नियमों के तहत पट्टे जारी किया जाना प्रस्तावित है। जिन पर आपत्ति आमन्त्रित की जानी है। निम्न आवेदनकर्ताओं के संबंध में किसी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो ग्राम पंचायत मे आपत्ति मय दस्तावेज प्रस्तुत करे।

| क.स. | नाम | पिता/पति का नाम | जाति | ग्राम | आस पडौस |
|---|---|---|---|---|---|
| 1 | मनोहर गुर्जर | भाणु गुर्जर | गुर्जर | मेडिया | मिसल अनुसार |
| 2 | चौथमल | नारायण | गुर्जर | मेडिया | मिसल अनुसार |
| 3 | सुरजमल | लक्ष्मण | गुर्जर | मेडिया | मिसल अनुसार |
| 4 | विरेन्द्र सिंह | रणजीत | रावत | मेडिया | मिसल अनुसार |
| 5 | हितेश सिंह | जगदेव सिंह | रावत | मेडिया | मिसल अनुसार |
| 6 | दिनेश नायक | गेपर नायक | नायक | मेडिया | मिसल अनुसार |
| 7 | कंचन काठात | ईस्माइल | मेहरात | मेडिया | मिसल अनुसार |
| 8 | शंकर | बीरम गुर्जर | गुर्जर | मेडिया | मिसल अनुसार |
| 9 | सत्तु गुर्जर | बीरम गुर्जर | गुर्जर | मेडिया | मिसल अनुसार |
| 10 | कैलाश चीता | गोपी चीता | चीता | मकरेडा | मिसल अनुसार |
| 11 | गुलाबी | पोखर | जांगिड | मकरेडा | मिसल अनुसार |
| 12 | पिस्ता | शोभाराम | चीता | मकरेडा | मिसल अनुसार |
| 13 | जमना | सफी चीता | चीता | मकरेडा | मिसल अनुसार |
| 14 | तारा | शकुर | मेहरात | मकरेडा | मिसल अनुसार |
| 15 | बीरम | रमजान | चीता | मकरेडा | मिसल अनुसार |
| 16 | कंचन | रोशन | चीता | मकरेडा | मिसल अनुसार |
| 17 | भगवान सिंह | मिठू सिंह | चीता | मकरेडा | मिसल अनुसार |
| 18 | सुनिता | सलीम | चीता | मकरेडा | मिसल अनुसार |
| 19 | राकेश | प्रताप सिंह | रावत | रामपुरा मेवातियान | मिसल अनुसार |
| 20 | कालूराम | मोरपाल | बंजारा | शोभापुरा | मिसल अनुसार |
| 21 | गजेन्द्र सिंह | नाथू सिंह | रावणा राजपुत | शोभापुरा | मिसल अनुसार |
| 22 | गोपाल | सुरजमल | जांगिड | शोभापुरा | मिसल अनुसार |

नोट : - उपरोक्त सुची अनुसार यदि पूर्व में किसी भी स्तर से कोई भी पट्टा जारी हो किसी प्रकार का आपसी भाई बंटवारा और विवाद या किसी भी न्यायालय में प्रकरण दर्ज हो या किसी भी पडौसी व्यक्ति संस्था,सरकारी विभाग,राजस्व विभाग को उक्त सुची के आवेदनकर्ताओ के संबंध मे किसी प्रकार की कोई आपत्ति को तो आपत्ति प्रकाशन होने की तारिख के तीस दिवस के भीतर कार्यालय ग्राम पंचायत मेडिया मे आपत्ति मय दस्तावेज प्रस्तुत करे 7 बाद मियाद किसी भी कार्यवाही के लिये ग्राम पंचायत जिम्मेदार नही रहेगी और ना ही विचार किया जायेगा एवं पूर्व मे जारी पट्टे पर पट्टा जारी होना पाया जाता है तो स्वंय पट्टाधारक कानूनी कार्यवाही के लिये स्वंय जिम्मेदार होगा एंव समस्त जिम्मेदारी पट्टाधारक की होगी। अतः सूचित रहे।

ग्राम विकास अधिकारी, ग्राम पंचायत, मेड़िया, पं.स. जवाजा (ब्यावर)

सरपंच, ग्राम पंचायत, मेड़िया, पं.स. जवाजा (ब्यावर)

# हमारी सरकार ने किसानों का दुख-दर्द समझा है-भजनलाल

## खींवसर में भाजपा प्रत्याशी रेवंतराम डांगा की नामांकन सभा को मुख्यमंत्री ने संबोधित किया

खींवसर, 25 अक्टूबर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि हमारी सरकार किसानों के दुःख-दर्द को समझती है तथा किसानों से जुड़े प्रत्येक मुद्दे पर काम कर रही है। हमारी सरकार ने किसान सम्मान निधि से लेकर गेंहूँ की एम.एस.पी. तक में बढ़ोतरी की है। प्रदेश में अब सरकार मूँग की एम.एस.पी. पर खरीद कर रही है। उन्होंने कहा कि किसानों के लिए पेयजल एवं सिंचाई में पानी की महत्ता को समझते हुए हमने सरकार में आते ही ई.आर.सी.पी. और यमुना जल समझौते जैसे ऐतिहासिक निर्णय लिए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस किसानों की विरोधी है, क्योंकि इनके नेताओं ने तो हरियाणा विधानसभा चुनाव के घोषणा पत्र में यमुना जल समझौते को निरस्त करने का वादा किया था।

शर्मा शुक्रवार को खींवसर में विधानसभा उपचुनाव के भाजपा प्रत्याशी रेवंतराम डांगा के समर्थन में आयोजित नामांकन सभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी लूट और झूठ की पार्टी है। इन्होंने अपने घोषणा पत्र में किये गये किसी भी वादे को पूरा नहीं किया, जबकि हमने मात्र 10 महीने में ही संकल्प पत्र में किए गए 50 प्रतिशत वादे पूरे कर दिए हैं तथा आगे भी एक-एक वादे को पूरा किया जायेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि गत सरकार के समय हुए पेपरलीक मामलों से युवाओं के सपनों पर कुठाराघात हुआ था। हम युवाओं की आंखों में आंसू लाने वाले अपराधियों को नहीं बख्शेंगे। सरकार द्वारा इन मामलों में अब तक 200 से भी अधिक आरोपियों को सलाखों के पीछे पहुंचा दिया गया है। इनमें से कोई भी बचने वाला नहीं है। उन्होंने कहा कि परीक्षाओं को समय पर आयोजित करवाने के लिए हमने दो साल का भर्ती कलेण्डर परीक्षा परिणामों की तारीख सहित निकाला है। हमारी सरकार युवाओं को पांच वर्ष में चार लाख सरकारी नौकरी देगी, जिनमें से पहले साल में ही हम एक लाख नौकरी दे रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि नागौर राजस्थान की हृदयस्थली है। यहां के जवान-किसान मजबूती से काम करते हुए प्रदेश को आगे बढ़ा रहे हैं। हम किसानों को सुचारू रूप से पर्याप्त बिजली देने के लिए निरंतर कार्य कर रहे हैं। इसी क्रम में हमने राज्य को ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के लिए 2 लाख 24 हजार करोड़ के एम.ओ.यू. किए हैं।

मुख्यमंत्री ने आमजन से रेवंत राम डांगा को भारी मतों से जिताकर विधानसभा भेजने की अपील की। इस अवसर पर केन्द्रीय पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड, नगरीय विकास मंत्री झाबर सिंह खर्रा, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर, जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत, उद्योग राज्यमंत्री के.के. बिश्नोई, मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग, महिला एवं बाल विकास राज्यमंत्री मंजू बाघमार, किसान आयोग के अध्यक्ष सी आर चौधरी सहित, विधायक, वरिष्ठ पदाधिकारीगण और बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित थे।

- **उन्होंने जनसभा में कहा कि प्रदेश की भाजपा सरकार ने मात्र 10 महीने में 50 प्रतिशत वादे पूरे किये हैं। आगे भी एक-एक वादे को पूरा किया जायेगा।**
- **नामांकन सभा में केन्द्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत, प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़, राज्य के मंत्री गजेन्द्र खींवसर, झाबर सिंह खर्रा, सुरेश रावत, के.के. बिश्नोई, जोगेश्वर गर्ग, मंजू बाघमार, किसान आयोग के अध्यक्ष बी.आर. चौधरी, विधायक व पदाधिकारी उपस्थित थे।**

*मुख्यमंत्री भजनलाल ने शुक्रवार को खींवसर विधानसभा उपचुनाव में भाजपा प्रत्याशी रेवंतराम डांगा के समर्थन में आयोजित नामांकन सभा को संबोधित किया तथा भाजपा प्रत्याशी को जिताने का आव्हान किया।*

## 'घर का जोगी...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पोस्ट में लिखा था, "हान कांग की "वैजिटेरियन" मेरे बच्चे की स्कूल लाइब्रेरी में "टु बाय" (खरीदने) लिस्ट में है। हमारे बच्चे संभोग के ऐसे कामोत्तेजक वर्णन वाली किताब कैसे पढ़ सकते है?

पोस्ट लिखने वाली ने कहा कि वो स्कूल को इस संबंध में औपचारिक शिकायत करेगी। तथापि, कुछ लोगों का कहना है कि अपने बच्चों को विश्वभर में मान्यता प्राप्त किताब को पढ़ने से रोकना बेतुकी बात है। सिओल के एक हाई स्कूल के एक टीचर ने "द कोरिया हैरल्ड" को बताया "हमें गर्व होना चाहिए कि इस वर्ष का लिटरेचर का नोबल पुरस्कार दक्षिण कोरिया की लेखक को मिला है। वे साहित्य में विश्व का सबसे प्रतिष्ठित पुरस्कार पाने वाली इस क्षेत्र की पहली महिला हैं।"

## विख्यात ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

वकालत करती थीं। उनके शैक्षिणक प्रयास आने वाली पीढ़ि यों का मार्गदर्शन करते रहेंगे। उनके परिवार और प्रशंसकों के प्रति संवेदना। ओम शांति।"

# केजरीवाल पर पद यात्रा के दौरान हमला

## मुख्यमंत्री आतिशी ने भाजपा पर गुंडों द्वारा हमला कराने का आरोप लगाया

- **"आप" पार्टी का आरोप है कि शुक्रवार की शाम पश्चिम दिल्ली के विकास पुरी क्षेत्र में पद यात्रा के दौरान भाजपा के गुंडों ने अरविन्द केजरीवाल पर हमला किया तथा दिल्ली पुलिस ने गुंडों को नहीं रोका।**

नई दिल्ली, 25 अक्टूबर। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर शुक्रवार को दिल्ली में एक रैली के दौरान हमला किया गया। आप ने आरोप लगाते हुए दावा किया कि यह हमला भाजपा ने अपने गुंडों के माध्यम से कराया था। पार्टी ने पुलिस पर भी आरोप लगाते हुए कहा कि दिल्ली पुलिस ने भाजपा के गुंडों को नहीं रोका। बता दें कि आप ने आरोप लगाया है कि भाजपा से जुड़े लोगों ने रविंद केजरीवाल पर शुक्रवार की शाम पश्चिमी दिल्ली के विकासपुरी में उनकी पदयात्रा के दौरान हमला किया।

दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस कर भाजपा पर आरोप लगाए। उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि दिल्ली के लोगों ने देखा है कि भाजपा की गंदी राजनीति कितनी गिर सकती है। उन्होंने कहा, "अरविंद केजरीवाल पर उनकी विकासपुरी पदयात्रा के दौरान भाजपा के गुंडों ने हमला किया था। भाजपा जानती है कि वह आम आदमी पार्टी और अरविंद केजरीवाल को चुनाव में नहीं हरा सकती, इसलिए उन्होंने ऐसी गंदी राजनीति का सहारा लिया है और अरविंद केजरीवाल को मारना चाहते हैं।"

आतिशी ने आगे कहा, "पिछले दो वर्षों में, भाजपा ने अरविंद केजरीवाल को परेशान करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। उनके खिलाफ झूठे मामले दर्ज किए और उन्हें गिरफ्तार कर लिया। जब वह जेल में थे, तो भाजपा ने 30 साल के मधुमेह से पीड़ित एक व्यक्ति को इंसुलिन देने से इनकार कर दिया। जब आप कार्यकर्ताओं और दिल्ली के लोगों ने सड़कों पर विरोध प्रदर्शन किया तो उन्हें इंसुलिन मिला।

चूंकि भाजपा अब यह महसूस कर रही है कि अरविंद केजरीवाल को परेशान करने के उनके प्रयास सभी मोर्चों पर विफल हो गए हैं, इसीलिए उनकी पदयात्रा के दौरान उन पर जानलेवा हमले की योजना बनाई गई।

## प्रैस काउन्सिल...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अध्यक्ष रंजना प्रकाश देसाई ने असंतोष जताया तथा फ्रांस की न्यूज़ एजेंसी द्वारा तैयार वर्ल्ड प्रेस फ्रीडम इन्डैक्स की सत्यता पर संदेह व्यक्त किया।

उन्होंने कहा, "रैंकिग की पद्धति संदिग्ध है तथा पी.सी.आई. ने पहले भी इन रिपोर्ट्स की प्रामाणिकता पर संदेह जताया था।"

देसाई ने कहा कि इंडियन प्रेस फ्रीडम एनुअल रिपोर्ट, जिसे इंडियन फ्रीडम ऑफ एक्सप्रैशन इनिशिएटिव ने बनाया, की प्रामाणिकता की जांच की जानी चाहिए।

## महाराष्ट्र चुनाव में हरियाणा के चुनाव नतीजों ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

भाजपा, एकनाथ शिंदे की शिव सेना को धीरे-धीरे दरकिनार करती जा रही है, क्योंकि उसका मानना है कि केन्द्र सरकार तथा भाजपा नेतृत्व के समर्थन और सहारे के बावजूद शिंदे, उद्धव ठाकरे को कमज़ोर करने में असफल रहे हैं। दूसरी ओर कांग्रेस, जिसने 2019 में केवल एक सीट जीती थी, ने इस बार काफी आगे बढ़ते हुए, 13 सीटें जीती थीं।

टिकट-वितरण तथा मुख्यमंत्री पद की दावेदारी को लेकर भाजपा नेता देवेन्द्र फड़नवीस और मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के बीच चल रहा तनाव पहले ही सामने आ चुका है। भाजपा और आर.एस.एस. यह सुनिश्चित करने के लिये अथक प्रयास कर रही हैं कि अगर भाजपा इन चुनावों में सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरती है, तो वह मुख्यमंत्री पद के लिये अपना प्रत्याशी आगे ला सकती है। लेकिन ऐसी संभावना दिखाई नहीं देती कि भाजपा अपने बल पर सरकार बना लेगी। चुनावों के बाद, शिंदे तथा पवार दोनों का ही भविष्य चुनाव-परिणामों पर निर्भर करेगा।

महाराष्ट्र में, भाजपा तथा शिंदे गुट ने चुनाव दो माह विलम्ब से कराने की इच्छा जाहिर की थी, ताकि "लाड़ली बहना योजना" को क्रियान्वित किया जा सके, लेकिन महायुति गठबंधन इसका पूरा लाभ लेने में विफल रहा है। हरियाणा की सफलता के बाद, भाजपा ने सीट-वितरण संबंधी वार्ताओं में शिंदे और अजित पवार पर बढ़त हासिल करने की व्यवस्था कर ली है।

महाराष्ट्र में, मराठा आरक्षण भाजपा के लिये बड़ी महत्वपूर्ण बाधा बन गया है। मनोज जरांगे पाटिल इस आंदोलन के नेता के रूप में उभरे हैं तथ कई सीटों पर उन्होंने अपने प्रत्याशी खड़े कर दिये हैं। ये प्रत्याशी दोनों ही गठबंधनों के वोट काट सकते हैं। पाटिल के समर्थकों का मानना है कि पाटिल भाजपा को हराने के लिये काम कर रहे हैं क्योंकि पूर्व मुख्यमंत्री फड़नवीस के कार्यकाल में, उनके आंदोलन को कमज़ोर करने के प्रयास किये गये थे।

## एडिशनल ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

आदेश पवन कुमार की जमानत याचिका पर दिया।

अधिवक्ता रविन्द्र सिंह शेखावत ने बताया कि पिछली सुनवाई पर अदालत को बताया गया था कि उसने परिवादी पक्ष को राजीनामे के तौर पर 34 लाख रुपए एडिशनल एस.पी. सुरेश खींची की मौजूदगी में दिए थे, जबकि वे मामले में आई.ओ. भी नहीं थे। जिस पर अदालत ने एडिशनल एस.पी. खींची को उपस्थित होकर उनकी भूमिका बताने के लिए कहा था, लेकिन वे पेश नहीं हुए। उनकी जगह एस.आई. संतराम ने पेश होकर कहा कि खींची मेघालय में प्रशिक्षण हेतु व्यस्त हैं। इसके साथ ही डी.जी.पी. ऑफिस से जारी एक पत्र का हवाला देते हुए कहा कि एफ.आई.आर. गंगापुर सिटी पुलिस थाने की है और उस समय खींची का परिवादी पक्ष से परिचय था।

उनकी ओर से व्यक्तिगत हैसियत से मध्यस्थता की गई है और पदीय अधिकारों का कोई दुरुपयोग नहीं किया है। दरअसल परिवादी स्कूल संचालक ने 2022 में आरोपी स्कूल लेखाकार पर रुपए गबन करने का आरोप लगाया था। इस मामले में पुलिस ने आरोपी को जून 2024 में गिरफ्तार कर लिया और वह तब से जेल में ही है। आरोपी का कहना था कि एडिशनल एस.पी. खींची के प्रभाव के चलते यह अनुचित कार्रवाई की गई और उससे जबरन राजीनामा करवाया गया, इसलिए उसे जमानत दी जाए।

## 'विभागीय कार्यवाही ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

याचिका पर दिया। अदालत ने कहा कि याचिकाकर्ता 6 नवंबर से पहले भारत लौट आएगा और तत्काल इसकी जानकारी विभाग को देगा। इसके अलावा, वह सिंगापुर को छोड़कर किसी अन्य देश की यात्रा नहीं करेगा।

याचिका में अधिवक्ता अखिल सिमलोट ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता राजस्थान इलेक्ट्रोनिक्स एंड इंस्ट्रयूमेंट्स लिमिटेड में अधिकारी है। उसने अपने सिंगापुर रहने वाले अपने बेटे से मिलने के लिए 26 सितंबर को प्रार्थना पत्र पेश कर विदेश यात्रा की अनुमति मांगी थी, लेकिन विभाग ने उसके प्रार्थना पत्र पर काई कार्रवाई नहीं की। याचिकाकर्ता की ओर से कोर्ट को बताया गया कि मामला हाईकोर्ट में आने के बाद, अदालत ने विभाग को नोटिस जारी किए। उसकी विभाग को तामील होने के बाद, उसके खिलाफ विभागीय जांच के आदेश दे दिए और अदालत को जानकारी दी कि विभागीय जांच लंबित होने के कारण उन्हें विदेश जाने की अनुमति नहीं दी है, जबकि संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत उसे विदेश में रह रहे बेटे से मिलने का मौलिक अधिकार है। इसलिए उसे विदेश जाने की मंजूरी दी जाए। याचिका पर सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने याचिकाकर्ता को सशर्त विदेश जाने की अनुमति दी है।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा मैसर्स अरावली प्रिन्टर्स, राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर (राजस्थान) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 65015/96, जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34 फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908